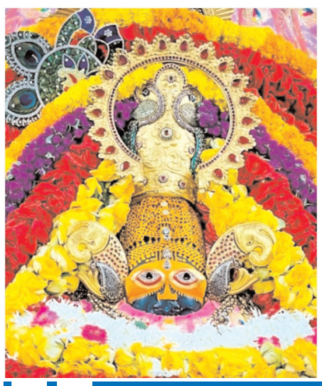

RNI No. GUJHIN/2010/35230

महानगर मेट्रो

राष्ट्रीय दैनिक समाचार पत्र

कार्यालय :- सी-8 रिची हाउस, स्वामी नारायण मंदिर के सामने मणिनगर अहमदाबाद गुजरात-380008

महानगर मेट्रो
राष्ट्रीय दैनिक हिन्दी समाचार पत्र, प्रेस नोट एवं विज्ञापन के लिए कार्यालय पर सम्पर्क करें
सरबजीत माकन
+91-9638877700
mahanagarmetro7@gmail.com

वर्ष :15 । अंक:364। पेज:12। mahanagarmetro7@gmail.com || अहमदाबाद, 25 अगस्त 2026 (मंगलवार) || सम्पादक - सरबजीत माकन (9638877700)।। मूल्य :- 1.50 रु.-/

एमपी-यूपी में बाढ़ जैसे हालात

●वाराणसी में पुलिस चौकी डूबी; छत्तीसगढ़ में महिला पर बिजली गिरी

एजेंसी

नई दिल्ली। खराब मौसम के चलते दिल्ली एयरपोर्ट से 15 फ्लाइट्स डायवर्ट की गईं। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, 25 उड़ानें कैंसिल हो गई हैं और 380 लेट हैं। यूपी के 19 जिलों में बाढ़ जैसे हालात हैं। प्रयागराज के दारागंज घाट का शमशान डूब गया, जिससे सड़कों पर अंतिम संस्कार करना पड़ रहा है।

मध्य प्रदेश के जबलपुर, चंबल और नर्मदापुरम संभाग में तेज बारिश हुई। अशोकनगर में युवक बाइक समेत बह गया। प्रदेश के 22 जिलों में बारिश का रेड अलर्ट है। छत्तीसगढ़ के मुंगेली में पैदल जा रही एक महिला पर बिजली गिर गई, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। वहीं, बिलासपुर में स्कूल से घर लौट रहे 3 बच्चे घोंघा नदी में बह गए।

हिमाचल प्रदेश में 98 सड़कें बंद

हिमाचल प्रदेश के कई जिलों में सोमवार को भी हल्की से मध्यम बारिश हुई। राज्य में 98 सड़कें बंद हैं। सड़क बंद होने के सबसे ज्यादा मामले मंडी में 49 रहे। इसके बाद कुल्लू में 28, कांगड़ा में 8, शिमला, सिरमौर और ऊना में 4-4, जबकि लाहौल-स्पीति में 1 सड़क बंद है। रविवार शाम से पिछले 24 घंटे में राज्य के कई हिस्सों में हल्की से मध्यम बारिश हुई।

28 अगस्त तक अरुणाचल प्रदेश में भारी बारिश का अलर्ट

मौसम विभाग ने सोमवार को अरुणाचल प्रदेश में 28 अगस्त तक गरज-चमक के साथ भारी बारिश और आकाशीय बिजली गिरने की संभावना जताई है। मौसम विभाग ने बुधवार के लिए राज्य के 28 में से 23 जिलों में येलो अलर्ट जारी किया है। शनिवार के लिए किसी भी जिले में मौसम संबंधी चेतावनी जारी नहीं की गई है।

मराठी सीखने के खिलाफ मुंबई में ऑटोवालों की हड़ताल:

बोले- 55 की उम्र में भाषा सीखें या घर चलाएं

सरकार ने 3 महीने का वक्त दिया

एजेंसी

गुवाहाटी। मुंबई में ऑटो-रिक्शा ड्राइवरों ने सोमवार को सरकार के मराठी बोलने वाले नियम के विरोध में 3 दिन की हड़ताल बुलाई है। गैर मराठी भाषी ड्राइवरों का कहना है कि इससे उन पर ज्यादा बोझ पड़ेगा। उम्रदराज ड्राइवरों का कहना है कि हमने बिल्कुल पढ़ाई नहीं की है। हमारे सामने परिवार को पालने की चुनौती है। 55-60 साल की उम्र में हम परिवार पालें या नई भाषा सीखें। यह बहुत मुश्किल है।

19 अगस्त को ट्रांसपोर्ट मंत्री प्रताप सरनाईक ने कहा कि ड्राइवरों को पहले नोटिस देकर 3 महीने में मराठी सीखने का मौका दिया जाएगा। इसके बाद भी मराठी नहीं सीखने पर लाइसेंस और बैज

सस्पेंड किया जाएगा। राज्य में 20 अगस्त से सरकार ने उन ऑटो और टैक्सी ड्राइवरों के खिलाफ अभियान शुरू कर दिया है, जिन्हें मराठी नहीं आती है। मुंबई में हिंदी बोलने वाले ऑटो ड्राइवरों ने हड़ताल बुलाई है। सरकार ने 20 अगस्त से मराठी न बोलने वाले ड्राइवरों को नोटिस देना शुरू कर दिया है। मुंबई में हिंदी बोलने वाले ऑटो ड्राइवरों ने हड़ताल बुलाई है। सरकार ने 20 अगस्त से मराठी न बोलने वाले ड्राइवरों को नोटिस देना शुरू कर दिया है। ड्राइवरों ने कहा कि कई प्रदर्शनकारी मराठी सीखने और टूटी-फूटी मराठी बोलने की कोशिश कर रहे हैं। उनका दावा है कि अधिकारियों की ओर से उन्हें नियम पूरा करने का समय देने के बजाय जुर्माना लगाया जा रहा है। उन्होंने ने कहा, 'क्या हम 15-20 हजार रुपए का जुर्माना भर सकते हैं? न्याय मिलने तक हम तीन दिन की हड़ताल करेंगे।' भाषा संबंधी इस निर्देश को लेकर परिवहन कर्मचारियों के एक वर्ग में विरोध बढ़ रहा है। चालक अधिकारियों से नियम और इससे जुड़े जुर्माने पर दोबारा विचार करने की मांग कर रहे हैं।इस अभियान के तहत मराठी नहीं बोल पाने वाले ड्राइवरों को नोटिस दिए जा रहे हैं। यह अभियान 30 सितंबर तक चलेगा और अब तक करीब 2,500 नोटिस जारी किए जा चुके हैं। परिवहन विभाग के मुताबिक, 20 अगस्त से मुंबई और राज्य के दूसरे हिस्सों में करीब 13 हजार ड्राइवरों की जांच हुई है।

कॉकरोच जनता पार्टी 5 सितंबर को दोबारा दिल्ली मार्च करेगी

कहा- छात्रों पर दर्ज केस खत्म नहीं हुए, हमारे धैर्य को कमजोरी न समझें

एजेंसी

नई दिल्ली। कॉकरोच जनता पार्टी 5 सितंबर को दिल्ली में विरोध मार्च निकालेगी। पार्टी का आरोप है कि केंद्र सरकार ने 25 जुलाई को युवाओं से किए गए वादों को पूरा नहीं किया है। इन्हीं वादों के भरोसे पर जंतर-मंतर का प्रदर्शन वापस लिया गया था। मार्च इंडिया गेट से शुरू होकर नई दिल्ली पुलिस मुख्यालय तक जाएगा। इसमें उन स्टूडेंट्स के परिजन भी शामिल होंगे, जिन्होंने NEET पेपर लीक के बाद सुसाइड किया था। इससे पहले CJP ने 20 जुलाई को भी जंतर-मंतर से संसद तक मार्च निकाला था। सोमवार को CJP ने अपनी वर्किंग कमेटी की वर्चुअल मीटिंग के बाद यह फैसला लिया। पार्टी ने कहा कि सरकार ने कहा था कि छात्रों पर दर्ज केस खत्म होंगे, पर ऐसा नहीं हुआ। उन्हें हमारे धैर्य को कमजोरी नहीं समझना चाहिए। ष्ट्छक्क ने नीट पेपर लीक, परीक्षा में गड़बड़ी की मांगों को लेकर 20 जून से जंतर-मंतर पर आंदोलन शुरू किया था। 25 जुलाई को सरकार से आश्वासन मिलने और शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे के बाद अपना आंदोलन खत्म किया गया था।

सीजेपी बोली- वादे पूरे होने तक पीछे नहीं हटेंगे

सीजेपी नेता सौरव दास और रत्ना सिंह ने कहा कि सरकार को आंदोलन खत्म होने के बाद किए गए वादे पूरे करने चाहिए। सभी FIR वापस लेनी चाहिए और शांतिपूर्ण प्रदर्शनकारियों पर कार्रवाई रोकनी चाहिए। वहीं, CJP फाउंडर अभिजीत दीपके ने सभी राज्यों के शिक्षा मंत्रियों को लेटर लिखा है। उन्होंने कहा कि सरकारी स्कूलों को बेहतर बनाने के लिए क्या कदम उठाए जा रहे हैं, इसकी जानकारी दें।

सौरव दास बोले- लोकतंत्र के लिए संवाद जरूरी

सौरव दास ने कहा, 'लोकतंत्र तभी काम करता है जब सरकार में बैठे लोगों और उन्हें चुनने वालों के बीच निरंतर संवाद हो। जब दोनों के बीच संचार टूट जाता है, तो समस्याएं और संघर्ष पैदा होते हैं।' वहीं, पार्टी ने सभी युवाओं, छात्रों, युवा संगठनों और छात्र संगठनों से 5 सितंबर को इंडिया गेट पर बड़ी संख्या में इकट्ठा होने और मार्च में शांतिपूर्वक भाग लेने की अपील की है।

किया था। 20 जुलाई को CJP ने संसद मार्च निकाला था। हालांकि, दिल्ली पुलिस ने इसकी परमिशन नहीं दी थी। इस दौरान प्रदर्शनकारियों पर लाठीचार्ज किया गया था।

20 जुलाई को CJP ने संसद मार्च निकाला था। हालांकि, दिल्ली पुलिस ने इसकी परमिशन नहीं दी थी। इस दौरान प्रदर्शनकारियों पर लाठीचार्ज

महुआ मोइत्रा को कलकत्ता हाई कोर्ट से मिली राहत

टीएमसी सांसद महुआ मोइत्रा के खिलाफ जारी गिरफ्तारी वारंट पर रोक

एजेंसी

कलकत्ता । कलकत्ता हाई कोर्ट ने सोमवार को टीएमसी सांसद महुआ मोइत्रा के खिलाफ जारी गिरफ्तारी वारंट पर रोक लगा दी। यह वारंट कृष्णानगर की एक अदालत ने उनके पेश न होने पर जारी किया था।

क्या है आरोप?

जस्टिस देबांग्सु बसाक और जस्टिस आर्यक दत्त की बेंच ने आदेश दिया कि इस मामले पर 27 अगस्त को फिर से सुनवाई होगी। उस दिन नादिया जिला अदालत में चल रहे मामले में शिकायतकर्ता की बात सुनी जाएगी। मोइत्रा पर वहां महिलाओं का अपमान करने और नफरत फैलाने वाले भाषण देने का आरोप है।

बेंच ने कब तक रोक लगाई?

बेंच ने अगले आदेश तक मोइत्रा के खिलाफ गिरफ्तारी वारंट पर रोक लगा दी। मोइत्रा के वकील अर्को कुमार नाग ने कोर्ट को बताया कि यह कथित भाषण और उनके खिलाफ शिकायतें एक सांसद के तौर पर की गई थीं, इसलिए मामले की सुनवाई साल्ट लेक में तय एमपी/ एमएलए कोर्ट में होनी चाहिए।

मोइत्रा के वकील ने क्या कहा?

उन्होंने यह भी कहा कि आरोप बेबुनियाद और तुच्छ थे और शिकायत में बताई गई बातें किसी

आपराधिक अपराध के दायरे में नहीं आतीं। मोइत्रा के खिलाफ महिलाओं का अपमान करने और नफरत फैलाने वाले भाषण देने का आरोप लगाते हुए एक मामला दर्ज किया गया था, जिसके बाद कृष्णानगर कोर्ट ने उन्हें समन जारी किया था।

दावा-2029 में लोकसभा और विधानसभा चुनाव साथ हो सकते हैं

संसदीय समिति के अध्यक्ष ने कहा- संविधान संशोधन और राज्यों की सहमति जरूरी

एजेंसी

नई दिल्ली। लोकसभा और राज्य विधानसभाओं के चुनाव 2029 में एक साथ कराए जा सकते हैं। सोमवार को 'वन नेशन, वन इलेक्शन' पर बनी संसदीय समिति के अध्यक्ष पीपी चौधरी ने कहा कि इसके लिए संविधान में संशोधन और राज्य सरकारों की सहमति जरूरी होगी। उन्होंने कहा कि अगर संसद 2028 तक संविधान संशोधन को मंजूरी दे देती है, तो 'वन नेशन वन इलेशन' उसी साल शुरू की जा सकती है। 2029 में लोकसभा चुनाव के साथ विधानसभा चुनाव कराने का फैसला राज्य सरकारों की इच्छा पर निर्भर करेगा।

राजनीतिक दलों की अलग राय हो सकती है

चौधरी ने कहा कि राजनीतिक दलों की अलग-अलग राय हो सकती है, लेकिन समिति को देश के हित में मिलकर काम करना होगा। उन्होंने कहा कि समिति जनता और देश की इच्छा के आधार पर काम कर रही है। उन्होंने बताया कि इसी वजह से नागरिक समाज के सदस्यों को उनकी राय जानने के लिए बुलाया गया है। संसद ने समिति को दोनों संविधान संशोधन विधेयकों की जांच कर सिफारिशें देने का जिम्मा दिया है। इन विधेयकों को पास कराने के लिए संसद के दो-तिहाई सदस्यों का समर्थन जरूरी होगा।

जांच कर रही 31 सदस्यीय समिति

लोकसभा और राज्य विधानसभाओं के चुनाव एक साथ कराने के लिए संविधान (129वां संशोधन) विधेयक, 2024 और केंद्रशासित प्रदेश कानून (संशोधन) विधेयक, 2024 लाए गए हैं। विपक्ष की की मांग के बाद दोनों विधेयकों को चौधरी की अध्यक्षता वाली 31 सदस्यीय संयुक्त समिति के पास भेजा गया था। पीपी चौधरी राजस्थान से भाजपा सांसद हैं। उन्होंने संसद परिसर में समिति की बैठक के बाद पत्रकारों से बात करते हुए यह जानकारी दी।

जरांगे अनशन पर अड़े: मराठा आरक्षण पर फडणवीस सरकार को दी डेडलाइन

कहा- मांगें नहीं मानीं तो 29 से भूख हड़ताल

एजेंसी

मुंबई। मराठा आरक्षण कार्यकर्ता मनोज जरांगे ने सोमवार को 29 अगस्त से जालना जिले के अंतरवाली सराटी में भूख हड़ताल शुरू करने के अपने फैसले पर कायम रहने की बात कही। उन्होंने अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) श्रेणी के तहत मराठा समुदाय को आरक्षण देने की मांग दोहराई।

महाराष्ट्र सरकार के मंत्रियों शंभूराज देसाई, राधाकृष्ण विखे पाटिल और उदय सामंत के एक प्रतिनिधिमंडल ने जरांगे से मुलाकात की और उनसे आंदोलन शुरू नहीं करने की अपील की। हालांकि, जरांगे अपने फैसले पर कायम रहे और सरकार को अपनी मांगों पर कार्रवाई करने के लिए 28 अगस्त तक की समयसीमा दी।

जरांगे ने मांग की कि मराठा

समुदाय के पात्र सदस्यों को कुंभी प्रमाणपत्र और वैधता दस्तावेज जारी करने की लंबित प्रक्रिया 28 अगस्त तक पूरी की जाए। उन्होंने मराठा आरक्षण आंदोलन में शामिल लोगों के खिलाफ दर्ज सभी मामले वापस लेने की भी मांग की। उन्होंने कहा कि समुदाय कानून के दायरे में और 1967 से पुराने रिकॉर्ड के आधार पर आरक्षण की मांग कर रहा है। उन्होंने कहा कि जिन मराठाओं के ऐतिहासिक रिकॉर्ड में उनकी कुंभी पहचान साबित होती है, उन्हें कुंभी प्रमाणपत्र जारी किया जाना चाहिए।

फडणवीस सरकार के मंत्रियों पर लगाए क्या आरोप?

अंतरवाली सराटी गांव में जरांगे और सरकार के प्रतिनिधिमंडल के बीच यह बैठक मीडिया और मराठा समुदाय के सदस्यों की मौजूदगी में हुई। जरांगे ने आरोप लगाया कि मंत्री चंद्रशेखर बावनकुले और संजय शिरसाट मराठा समुदाय को आरक्षण देने की प्रक्रिया में अड़चन पैदा कर रहे हैं। मंत्री उदय सामंत ने कहा कि करीब 58 लाख रिकॉर्ड की जांच से कई संबंधित प्रविष्टियों की पहचान हुई है, जबकि कुछ रिकॉर्ड अभी अपलोड किए जाने बाकी हैं। हालांकि, जरांगे ने सवाल किया कि जांच किए गए कुल रिकॉर्ड में से वास्तव में कितने वैध कुंभी रिकॉर्ड की पहचान हुई है।

कांग्रेस ने महिला आरक्षण को 2029 तक लागू करने का रास्ता खुद रोका: फडणवीस

मुंबई(एजेंसी)। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने महिला आरक्षण और 2029 के लोकसभा चुनाव को लेकर कांग्रेस के वरिष्ठ नेता पी. चिदंबरम पर तीखा हमला बोला है।

फडणवीस ने चिदंबरम पर 'चुनिंदा याददाश्त' रखने का आरोप लगाते हुए कहा कि कांग्रेस ने महिला आरक्षण को 2029 तक लागू करने का रास्ता खुद रोका है। फडणवीस ने सोमवार को सोशल मीडिया पोस्ट में कहा कि 106वां संविधान संशोधन अधिनियम-2023 (नारी शक्ति वंदन अधिनियम) में स्पष्ट प्रावधान है कि महिलाओं के लिए सीट आरक्षण परिसीमन की प्रक्रिया पूरी होने के बाद ही लागू होगा। यह परिसीमन अधिनियम लागू होने के बाद होने वाली पहली जनगणना के आधार पर किया जाना है। उन्होंने कहा कि कोविड-19 के कारण जनगणना में देरी हुई। ऐसे में जनगणना और उसके बाद परिसीमन का इंतजार करने पर महिला आरक्षण को 2029 के आम चुनाव से पहले लागू करना संभव नहीं होगा।

उत्तर प्रदेश व जापान के बीच संवाद से हुआ सकारात्मक माहौल का सृजन: मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने जापानी कंपनियों के निवेश और पर्यटन को बढ़ावा देने के उद्देश्य से इन्वेस्ट यूपी व अन्य विभागों के अधिकारियों की ली बैठक

एजेंसी

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने जापानी कंपनियों के निवेश और पर्यटन को बढ़ावा देने के उद्देश्य से सोमवार को इन्वेस्ट यूपी व अन्य विभागों के अधिकारियों की बैठक ली। मुख्यमंत्री ने कहा कि पहली बार 240 लोगों के प्रतिनिधिमंडल का प्रदेश में आगमन हुआ। इस यात्रा में जापान व उत्तर प्रदेश के बीच सकारात्मक माहौल का सृजन हुआ। जापान से आए अतिथियों ने उत्तर प्रदेश में आए सकारात्मक बदलावों की सराहना की। ऐसे में जापान व उत्तर प्रदेश के बीच निरंतर संवाद कर निवेश के माध्यम से युवाओं को रोजगार से जोड़ा जाए।

बैठक में मुख्यमंत्री जी को जापान के प्रतिनिधिमंडल की ओर से किए गए सभी एमओयू के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई। बताया गया कि इस दौरे का मुख्य फोकस निवेश, मैन्युफैक्चरिंग, ग्रीन एनर्जी, तकनीक, कौशल विकास, शिक्षा और पर्यटन में सहयोग बढ़ाने पर रहा।

मुख्यमंत्री जी ने यीडा के अंतर्गत जापानी सिटी के लिए भूमि अधिग्रहण के संबंध में जानकारी ली। अधिकारियों ने अवगत कराया कि 500 एकड़ में से 350 एकड़ से अधिक भूमि का अधिग्रहण पूरा किया जा चुका है। मुख्यमंत्री जी ने इस कार्य को जल्द पूरा करने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री जी ने कहा कि जापान में सितंबर, अक्टूबर व दिसंबर में होने वाले विभिन्न वैश्विक आयोजन में उत्तर प्रदेश के प्रतिनिधिमंडल को भी भेजा जाए। इसमें मंत्रियों, जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों, उद्योगपतियों के साथ ही संबंधित क्षेत्र के विशेषज्ञों को भी शामिल किया जाए। मुख्यमंत्री जी ने कहा कि जापानी भाषा के प्रशिक्षण तथा स्किल डेवलपमेंट के कार्यक्रमों को तेजी से आगे बढ़ाया जाए। यामानाशी प्रांत सहित जापान के विभिन्न क्षेत्रों में प्रदेश के युवाओं के लिए रोजगार की संभावनाओं को सुदृढ़ किया जाए। मुख्यमंत्री जी ने कहा कि इन्वेस्ट यूपी में अलग से यामानाशी जापान डेस्क बनाई जाए। इसके जरिए निरंतर संवाद होता रहे। उन्होंने हर तीसरे महीने इसकी प्रोग्रेस रिपोर्ट भी लेने का निर्देश दिया।

- ●मुख्यमंत्री ने उत्तर प्रदेश व जापान के बीच निरंतर संवाद पर दिया जोर, बोले-इन्वेस्ट यूपी में अलग से बनाई जाए यामानाशी जापान डेस्क
- ●मुख्यमंत्री ने जापानी सिटी के लिए भूमि अधिग्रहण की प्रक्रिया को जल्द पूरा करने का दिया निर्देश

सुकमा में नक्सली डम्प से 23 हथियार, 492 जिंदा राउंड और 240 जिलेटिन स्टिक बरामद

सुकमा(एजेंसी)। छत्तीसगढ़ नक्सल उन्मूलन अभियान के बीच सुकमा पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। सुकमा जिले के भेज्जी थाना क्षेत्र के भण्डारपदर के जंगल-पहाड़ी इलाके में जिला बल, डीआरजी और बस्तर फाइटर्स की संयुक्त टीम ने सर्चिंग अभियान के दौरान नक्सलियों द्वारा छिपाकर रखे गए डम्प का भंडाफोड़ किया है। मौके से 23 हथियार, 492 जिंदा कारतूस और बड़ी मात्रा में विस्फोटक सामग्री बरामद की गई है। कार्रवाई 24 अगस्त 2026 को आत्मसमर्पित नक्सलियों से मिले महत्वपूर्ण इंटेलिजेंस के आधार पर की गई। पुलिस अधीक्षक मयंक गुर्जर ने आज शाम एक प्रेस वार्ता में जानकारी दी कि भण्डारपदर के जंगल-पहाड़ी क्षेत्र में नक्सलियों द्वारा हथियार एवं विस्फोटक सामग्री छिपाकर रखे जाने की सूचना मिली थी। सूचना के आधार पर इलाके में सर्चिंग अभियान चलाया गया, जिसमें डम्प का पता लगाकर बड़ी मात्रा में हथियार, गोला-बारूद और अन्य सामग्री बरामद की गई।

महानगर मेट्रो
www.mahanagarmetro.com
अहमदाबाद, (मंगलवार)
25 अगस्त 2026

दांता-हदद में आंगनवाड़ी स्टॉक को लेकर उठे सवाल...

कार्रवाई पर भी स्थानीय लोगों ने मांगा जवाब

महानगर मेट्रो ब्यूरो

दांता-हदद। आंगनवाड़ी केंद्रों पर बच्चों और गर्भवती महिलाओं के लिए आने वाले पौष्टिक खाद्य स्टॉक को लेकर स्थानीय लोगों ने गंभीर सवाल उठाए हैं। आरोप है कि कुछ समय पहले आंगनवाड़ी का स्टॉक दूसरे तालुका ले जा रही एक गाड़ी को स्थानीय नागरिकों ने पकड़ लिया था। लोगों का सवाल है कि वाहन और कंसाइनमेंट पकड़े जाने के बाद क्या कार्रवाई की गई और संबंधित कॉन्ट्रैक्टर कौन था।

वाहन नंबर का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बावजूद जांच नहीं होने को लेकर भी सवाल उठाए जा रहे हैं। स्थानीय लोगों ने पूरे मामले की जिला स्तर पर पिछले दो वर्षों के कंसाइनमेंट की अचानक और निष्पक्ष जांच कराने की मांग की है। साथ ही वाहन चालक से पूछताछ कर किसी भी तरह की मिलीभगत सामने आने पर FIR और दोषी कॉन्ट्रैक्टर को ब्लैकलिस्ट करने की मांग की गई है।

चपरगोटा में एक हफ्ते में दो तेंदुए पिंजरे में बंद गांव वालों और फॉरेस्ट डिपार्टमेंट ने राहत की सांस

महानगर मेट्रो ब्यूरो

जंबुघोड़ा। पिछले कुछ समय से बोडेली के पास चपरगोटा गांव इलाके में तेंदुओं के आने-जाने से गांव वालों में डर का माहौल था। इस बीच, एक ही हफ्ते में दो तेंदुओं के पिंजरे में बंद होने से गांव वालों और फॉरेस्ट डिपार्टमेंट ने राहत की सांस ली है। चपरगोटा इलाके के गांव वालों में चर्चा थी कि इस इलाके में चार तेंदुए घूम रहे हैं। जिसके बाद बोडेली फॉरेस्ट डिपार्टमेंट ने तेंदुओं को पकड़ने के लिए जगह-जगह पिंजरे लगाए थे। चार दिन पहले एक तेंदुआ पिंजरे में बंद हुआ था। उसके बाद आज एक और तेंदुआ पिंजरे में बंद हुआ। फॉरेस्ट डिपार्टमेंट के शुरुआती अंदाज़े के मुताबिक, आज पिंजरे में बंद तेंदुआ करीब ढाई साल का है। एक हफ्ते में दो तेंदुओं के निकलने से चपरगोटा और आस-पास के इलाकों के गांव वालों को राहत मिली है। हालांकि, इस बात के कयासों के बीच कि इलाके में और भी तेंदुए हैं, वन विभाग एहतियात के तौर पर कड़ी नज़र रख रहा है।

साणंद हाईवे से 1.11 करोड़ की विदेशी शराब ज़ब्त: GIDC पुलिस ने 1.36 करोड़ का माल ज़ब्त किया, एक गिरफ्तार

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। अहमदाबाद ग्रामीण के साणंद GIDC पुलिस स्टेशन इलाके में पुलिस ने शराब तस्करी के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की है। पुलिस ने एक टाटा ट्रेलर कंटेनर से 1.11 करोड़ से ज़्यादा की विदेशी शराब ज़ब्त की है। इस कार्रवाई में कुल 32,392 छोटी-बड़ी बोतलें मिलीं। पुलिस ने गाड़ियों और दूसरे सामान समेत कुल 1.36 करोड़ से ज़्यादा का माल ज़ब्त किया है। इस मामले में एक आरोपी को भी गिरफ्तार किया गया है। नकारी के मुताबिक, एक सफ़ेद टाटा ट्रेलर (Reg. No. RJ 09 GB 2470) साणंद से विदेशी शराब लेकर वीरमगाम की ओर जा रहा था। इस जानकारी के आधार पर पुलिस ने साणंद-वीरमगाम हाईवे पर वीरपुरा गांव के पाटिया (कट) के पास पंच लगाकर पहरा लगाया और कंटेनर को रोक लिया। ट्रेलर की तलाशी लेने पर उसमें अलग-अलग ब्रांड की 32,392 बोतलें मिलीं। ज़ब्त किए गए सामान में 1,11,03,388/- कीमत की विदेशी शराब, 25 लाख कीमत का टाटा ट्रेलर RJ 09 GB 2470), 15000/- कीमत के तीन मोबाइल फ़ोन और 1300/- कैश शामिल हैं। इस मामले में, करताराम हमीराराम मेघवाल (उम्र 30), निवासी पुडी, थाना/ता. धोरीम, जी. बाड़मेर (राजस्थान) को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने इस जुर्म में छह और लोगों को वॉन्टेड घोषित किया है। इनमें सुरेंद्र यादव (निवासी अजमेर, राजस्थान) जिसने शराब भेजी थी, मेहराराम मानाराम (निवासी धोला डेर, बाड़मेर, राजस्थान) जो गाड़ी का मालिक है, और एक अनजान व्यक्ति जिसने मानसा (पंजाब) में शराब से भरा ट्रेलर दिया था, शामिल हैं। इसके अलावा, देवेंद्र उर्फ देंदू भरतभाई बोरिचा, नागराजभाई वलकुभाई खाचर और देवायतभाई नागभाई खरतानी (सभी निवासी सुदामदा, जी. सुरेंद्रनगर) भी वॉन्टेड आरोपियों की लिस्ट में हैं। साणंद GIDC पुलिस स्टेशन में प्रोहिबिशन एक्ट और इंडियन पीनल कोड (IPC) 2023 की संबंधित धाराओं के तहत केस दर्ज किया गया है और आगे की जांच चल रही है।

दहेगाम के रखियाल गांव में छह दिन से पेयजल संकट

महानगर मेट्रो ब्यूरो

गांधीनगर। जिले के दहेगाम तालुका के रखियाल गांव में पिछले छह दिनों से पेयजल आपूर्ति नहीं होने से ग्रामीणों में आक्रोश है। पानी की समस्या से परेशान महिलाओं ने ग्राम पंचायत कार्यालय पहुंचकर जोरदार विरोध प्रदर्शन किया और सरपंच के खिलाफ नारेबाजी की। महिलाओं ने प्रशासन के प्रति भी नाराजगी जताई। विरोध प्रदर्शन की जानकारी मिलने के बावजूद सरपंच, उपसरपंच और तलाटी सहित जिम्मेदार अधिकारी पंचायत कार्यालय में मौजूद नहीं रहे। इससे प्रदर्शन कर रही महिलाओं में और नाराजगी फैल गई। महिलाओं ने आरोप लगाया कि गांव में पर्याप्त पानी उपलब्ध नहीं होने के कारण उन्हें रोजमर्रा के कामों के लिए भी भारी परेशानी उठानी पड़ रही है। महिलाओं ने गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि चोतरा और भद्रकाली मंदिर क्षेत्र में स्थित बोर का पानी कथित तौर पर दहेगाम-मोडासा राजमार्ग पर स्थित होटलों और फार्महाउसों में पहुंचाया और बेचा जा रहा है। आरोप है कि इन स्थानों पर चौबीसों घंटे पानी की आपूर्ति की जा रही है, जबकि रखियाल गांव के लोगों को पीने के पानी के लिए भी परेशान होना पड़ रहा है। बरसात के मौसम में भी गांव में पेयजल संकट बना हुआ है। पानी नहीं मिलने से ग्रामीणों के साथ पशुपालन से जुड़ी महिलाओं को अपने पशुओं के लिए पानी की व्यवस्था करने में भी भारी परेशानी हो रही है। महिलाओं ने मांग की है कि राजमार्ग किनारे स्थित होटलों और फार्महाउसों को कथित रूप से दिए जा रहे अवैध चौबीस घंटे के पानी के कनेक्शन तत्काल बंद किए जाएं और गांव में नियमित पेयजल आपूर्ति बहाल की जाए।

SUPER EXCLUSIVE COVAGE

करजन में टेंडर का खेल या सरकारी खजाने पर डाका?

VGL गैस पाइपलाइन प्रोजेक्ट पर गंभीर सवाल–L-1 से L-2 तक पहुंचा टेंडर, 9% अधिक दर पर काम देने के आरोप

धमकी, राजनीतिक दबदबे और कथित मिलीभगत की जांच की मांग

महानगर मेट्रो ब्यूरो/पवन माकन

करजन/वडोदरा। करजन में गैस पाइपलाइन परियोजना को लेकर उठे सवाल अब महज एक टेंडर प्रक्रिया तक सीमित नहीं रहे। मामला यदि लगाए गए आरोपों के अनुसार सही है, तो यह सीधे तौर पर सरकारी धन, नगरपालिका की वित्तीय जिम्मेदारी और पूरी निविदा प्रक्रिया की पारदर्शिता पर गंभीर सवाल खड़े करता है। वडोदरा गैस लिमिटेड की ओर से करजन में गैस पाइपलाइन बिछाने के लिए जारी टेंडर को लेकर आरोप है कि पहली प्रक्रिया में कम दर पर योग्य पाए गए रु1 ठेकेदार को काम मिलने के बाद कथित तौर पर दबाव और धमकी का सामना करना पड़ा। इसके बाद काम आगे नहीं बढ़ा और टेंडर प्रक्रिया दोबारा कराई गई। यहीं से शुरू होता है वह सवाल, जिसका जवाब अब ड्ढत्तरु करजन नगरपालिका, स्थानीय प्रशासन और पुलिस–सभी से मांगा जाना चाहिए।

4.5% से 9% तक पहुंची दर–आखिर अतिरिक्त बोझ किसके सिर?

उपलब्ध जानकारी के अनुसार, करीब 8 करोड़ रुपये के प्रोजेक्ट में पहली टेंडर प्रक्रिया में रु1 ठेकेदार को लगभग 4.5' की दर पर काम स्वीकृत होने की बात सामने आई है। आरोप है कि इसके बाद रु1 ठेकेदार पर काम शुरू नहीं करने के लिए दबाव बनाया गया और कथित तौर पर जान से मारने की धमकी तक दी गई। यदि ऐसा हुआ है तो यह केवल ठेकेदार को धमकाने का मामला नहीं, बल्कि सरकारी टेंडर प्रक्रिया में आपराधिक हस्तक्षेप का गंभीर विषय बन जाता है। ठेकेदार के पीछे हटने के बाद टेंडर दोबारा हुआ और आरोप है कि दूसरी प्रक्रिया में काम रु2 को लगभग 9' अधिक दर पर दिया गया। यानी सवाल सीधा है–अगर कम दर पर योग्य ठेकेदार काम करने को तैयार था, तो दोबारा प्रक्रिया की जरूरत क्यों पड़ी? और अगर दोबारा टेंडर जरूरी था, तो अधिक दर पर काम देने का निर्णय किस आधार पर लिया गया? इस पूरे मामले का सबसे गंभीर पहलू नगरपालिका पर पड़ने वाला संभावित वित्तीय बोझ है। आरोप है कि पहले करजन नगरपालिका को इस परियोजना में करीब 36 लाख रुपये का योगदान करना था। लेकिन कथित तौर पर अधिक दर पर काम दिए जाने के कारण नगरपालिका पर यह बोझ बढ़कर करीब 72 लाख रुपये अतिरिक्त होने की स्थिति बन सकती है। यदि यह आंकड़ा दस्तावेजों से पुष्ट होता है, तो यह सवाल बेहद महत्वपूर्ण हो जाता है कि– अतिरिक्त राशि कौन भरेगा? ठेकेदार नहीं। कथित टेंडर माफिया नहीं। राजनीतिक दबदबा रखने वाले लोग नहीं। आखिरकार भुगतान जनता के पैसे से ही होगा। यही कारण है कि इस मामले को केवल ठेकेदारों के व्यावसायिक विवाद के रूप में देखना पर्याप्त नहीं होगा। मामले में एक प्रभावशाली स्थानीय राजनीतिक व्यक्ति और नगरपालिका से जुड़े लोगों की कथित भूमिका के आरोप भी लगाए जा रहे हैं। यह भी आरोप है कि एक प्रभावशाली कॉर्पोरेटर के करीबी व्यक्ति को लाभ पहुंचाने के लिए टेंडर प्रक्रिया प्रभावित की गई। इन आरोपों की स्वतंत्र पुष्टि आवश्यक है। लेकिन यदि किसी जनप्रतिनिधि या उसके करीबी व्यक्ति का प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष आर्थिक हित इस टेंडर से जुड़ा है, तो यह हितों के टकराव का गंभीर प्रश्न बन सकता है। इसलिए अब केवल राजनीतिक सफाई पर्याप्त नहीं होगी। टेंडर की पूरी फाइल सामने आनी चाहिए।

L-1 और L-2 की दरें क्या थीं? टेंडर किस आधार पर रद्द हुआ? L-1 के हटने के कारण क्या दर्ज किए गए? दूसरी निविदा में कितने ठेकेदारों ने भाग लिया?

वर्क ऑर्डर किस अधिकारी ने जारी किया? दर स्वीकृति किस स्तर पर हुई? और सबसे महत्वपूर्ण– क्या किसी जनप्रतिनिधि या उसके करीबी का इस ठेके में प्रत्यक्ष अथवा अप्रत्यक्ष हित है? धमकी का आरोप सच है तो यह टेंडर नहीं, कानून-व्यवस्था का सवाल है सबसे गंभीर आरोप रु1 ठेकेदार को कथित धमकी दिए जाने का है। यदि किसी ठेकेदार को वास्तव में जान से मारने की धमकी देकर सरकारी काम से पीछे हटने के लिए मजबूर किया गया, तो यह लोकतांत्रिक व्यवस्था में बेहद गंभीर स्थिति होगी। सरकारी ठेका हथियार, धमकी या राजनीतिक दबाव से तय नहीं हो सकता। इसलिए पुलिस को भी यह स्पष्ट करना चाहिए कि: 1. क्या इस संबंध में कोई शिकायत दर्ज हुई? 2. क्या किसी व्यक्ति से पूछताछ हुई? 3. क्या कॉल रिकॉर्ड, ष्टष्टञ्जङ्क, गवाहों या अन्य साक्ष्यों की जांच की गई? 4. यदि शिकायत हुई थी, तो अब तक कार्रवाई कहां तक पहुंची?

महानगर मेट्रो के सवाल

1. L-1 ठेकेदार के काम से पीछे हटने का वास्तविक कारण क्या था?
2. क्या ठेकेदार ने धमकी या दबाव की कोई शिकायत की थी?
3. पहली और दूसरी निविदा की पूरी फाइल सार्वजनिक क्यों नहीं की जा रही?
4. कम दर वाले L-1 के बाद अधिक दर वाले L-2 को काम देने का ठोस प्रशासनिक आधार क्या था?
5. यदि इससे नगरपालिका पर अतिरिक्त वित्तीय भार पड़ रहा है, तो इसकी जिम्मेदारी किसकी है?
6. क्या टेंडर प्रक्रिया में किसी जनप्रतिनिधि या उसके करीबी का आर्थिक हित जुड़ा हुआ है?
7. क्या VGL ने पूरी प्रक्रिया की स्वतंत्र आंतरिक जांच कराई है?
8. क्या करजन नगरपालिका ने अतिरिक्त वित्तीय बोझ का कोई लिखित आकलन किया है?
9. धमकी के आरोपों की पुलिस जांच किस स्तर तक पहुंची?
10. क्या पूरी निविदा प्रक्रिया की स्वतंत्र विजिलेंस जांच कराने की तैयारी है?

अमित शाह के अहमदाबाद दौरे को लेकर प्रशासन अलर्ट, विपक्ष के विरोध पर नजर

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। केंद्रीय गृह मंत्री और गांधीनगर लोकसभा सांसद अमित शाह के अहमदाबाद दौरे को लेकर राज्य का खुफिया विभाग और पुलिस प्रशासन सतर्क हो गया है। कांग्रेस और आम आदमी पार्टी के संभावित विरोध, काले झंडे दिखाने तथा नारेबाजी को रोकने के लिए सुरक्षा व्यवस्था बढ़ाई जा रही है। खुफिया एजेंसियां विपक्षी नेताओं और कार्यकर्ताओं की गतिविधियों पर भी नजर रख रही हैं।

कांग्रेस नेताओं की गतिविधियों पर खुफिया एजेंसियों की नजर

सूत्रों के अनुसार, गुजरात कांग्रेस, विशेषकर शहर कांग्रेस और युवा कांग्रेस के प्रमुख नेताओं की गतिविधियों की जानकारी जुटाई जा रही है। अमित शाह के दौरे के दौरान संभावित विरोध को देखते हुए कुछ नेताओं को नजरबंद या हिरासत में लिए जाने की संभावना भी जताई जा रही है। प्रशासन यह पता लगाने में जुटा है कि कांग्रेस या आम आदमी पार्टी की ओर से कोई अचानक विरोध प्रदर्शन तो प्रस्तावित नहीं है। अमित शाह के बोपल-घुमा क्षेत्र में जलभराव के मुद्दे से जुड़े कार्यक्रम में शामिल होने की संभावना को देखते हुए भी विशेष सतर्कता बरती जा रही है। भाजपा नेताओं को आशंका है कि क्षेत्र में लंबे समय से जलभराव को लेकर लोगों की नाराजगी के चलते कार्यक्रम में हंगामा हो सकता है। कार्यक्रम स्थल और मार्ग पर काले झंडे दिखाने तथा बैनर लगाकर नारेबाजी रोकने के लिए पुलिस व्यवस्था मजबूत की जा रही है।

कानून-व्यवस्था और जलभराव के मुद्दे पर विपक्ष हमलावर

हाल ही में भावनगर में हुई हिंसक घटना और प्रदेश में कानून-व्यवस्था को लेकर विपक्ष लगातार सरकार पर सवाल उठाता रहा है। कांग्रेस समय-समय पर अहमदाबाद, गांधीनगर समेत विभिन्न स्थानों पर सरकार के खिलाफ धरना और विरोध प्रदर्शन करती रही है। ऐसे में अमित शाह के दौरे के दौरान विपक्ष की रणनीति पर भी प्रशासन की नजर रहेगी। कांग्रेस और आम आदमी पार्टी की गुजरात इकाइयां भी अमित शाह के दौरे पर नजर बनाए हुए हैं। विपक्ष की ओर से भावनगर की घटना, कानून-व्यवस्था और अन्य मुद्दों को लेकर विरोध की रणनीति तैयार किए जाने की संभावना है। वहीं, बोपल और घुमा सहित कई इलाकों में भारी जलभराव से करोड़ों रुपये मूल्य के मकानों को नुकसान पहुंचने की बात सामने आई थी। मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल और महापौर हितेश बारोट सहित अधिकारियों ने प्रभावित क्षेत्रों में पहुंचकर स्थिति का जायजा लिया था। यह क्षेत्र अमित शाह के गांधीनगर लोकसभा क्षेत्र में आता है।

गुजरात विद्यापीठ के दीक्षांत समारोह में मुख्य अतिथि होंगे अमित शाह

अमित शाह 27 अगस्त को गुजरात विद्यापीठ के 72वें दीक्षांत समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगे। समारोह शाम 4:30 बजे प्राणजीवन विद्यार्थी भवन परिसर में आयोजित किया जाएगा। गुजरात विद्यापीठ के कुलाधिपति एवं गुजरात के राज्यपाल आचार्य देवव्रत दीक्षांत संबोधन देंगे। समारोह में सात संकायों के 18 विभागों के कुल 900 विद्यार्थियों को डिग्रियां प्रदान की जाएंगी। इनमें 184 स्नातक, 400 स्नातकोत्तर, 232 स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम, 21 स्नातकोत्तर डिप्लोमा तथा 63 एमफिल और पीएचडी उपाधि प्राप्त करने वाले विद्यार्थी शामिल हैं। कुल उपाधि प्राप्त करने वालों में 441 छात्राएं और 459 छात्र हैं।

तीन साल से बदली दीक्षांत समारोह की परंपरा

गुजरात विद्यापीठ में पहले दीक्षांत समारोह 18 अक्टूबर को आयोजित करने की परंपरा थी। संस्थान की स्थापना 18 अक्टूबर को हुई थी, इसलिए स्थापना दिवस की स्मृति में इसी दिन दीक्षांत समारोह आयोजित किया जाता था। हालांकि, पिछले तीन वर्षों से यह परंपरा जारी नहीं है। कुलपति के अनुसार, मुख्य अतिथि की उपलब्धता के अनुसार दीक्षांत समारोह की तारीख तय की जाती है। यदि 18 अक्टूबर को मुख्य अतिथि उपलब्ध नहीं होते हैं, तो समारोह की तारीख में बदलाव किया जाता है।

गांधीवादी मूल्यों के आधार पर विद्यार्थियों को मिलेंगे पदक

गुजरात विद्यापीठ में विद्यार्थियों को पदक प्रदान करने की प्रक्रिया में भी बदलाव किया गया है। केवल शैक्षणिक उपलब्धियों के आधार पर पदक देने के बजाय विद्यार्थियों के सामाजिक योगदान, नेतृत्व क्षमता और सर्वांगीण विकास को भी चयन का आधार बनाया जा रहा है। पिछले वर्ष से चयन समिति इन सभी पहलुओं को ध्यान में रखकर विद्यार्थियों का चयन कर रही है। संस्थान का मानना है कि महात्मा गांधी के विचारों के अनुरूप शिक्षा का उद्देश्य केवल शैक्षणिक उपलब्धि नहीं, बल्कि सामाजिक जिम्मेदारी और सर्वांगीण व्यक्तित्व का विकास भी होना चाहिए।

बेहरामपुरा में कैमरा लगाने को लेकर दो ग्रुप में पथराव: 8 लोगों ने वकील और उसके परिवार को पीटा, दुकान में तोड़फोड़ की; 4 घायल

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। अहमदाबाद के बेहरामपुरा इलाके में, घर में कैमरा न लगाने जैसी छोटी सी बात पर 8 लोगों ने एक वकील और उसके परिवार पर लाठियों और पत्थरों से हमला कर दिया। इस घटना में 4 लोग घायल हो गए, और पास की एक दुकान पर पत्थर फेंककर और शीशा तोड़कर नुकसान पहुंचाया गया। दानिलिमडा पुलिस मौके पर पहुंची और मामला सुलझाया।

नाश्ता लेने गए वकील से बहस

बेहरामपुरा के रहने वाले अब्दुल अजीमखान पठान वकालत करते हैं। 22 अगस्त को उनके पड़ोस में किराए पर घर लेकर रहने वाले सोहिल शेख के घर आए कुछ लोग कैमरे इस तरह लगा रहे थे कि वकील का घर दिखे। जब वकील ने इसका विरोध किया, तो वे चले गए। लेकिन, 23 अगस्त की रात जब वकील नाश्ता करने बाहर गया, तो आरोपियों ने उसके साथ ज़बरदस्ती गाली-गलौज की और उसे पीटना शुरू कर दिया।

वकील के परिवार और दुकान पर पत्थरबाजी

वकील बचने के लिए अपने भाई समीर की दुकान में छिप गया, तो आरोपियों ने दुकान पर पत्थरबाजी कर शीशा तोड़ दिया। बाद में, जब वकील अपने घर की तरफ भाग रहा था, तो उसके दूसरे साथी सोसायटी के गेट के पास जमा हो गए और उसे लाठियों से पीटा। जब वकील को बचाने के लिए उसके परिवार वाले बीच-बचाव करने आए, तो आरोपियों ने उसके परिवार वालों पर भी पत्थरबाजी की, जिससे 4 लोग घायल हो गए।

एक-दूसरे के खिलाफ शिकायत दर्ज कराने की कवायद

इस मामले में वकील ने दानिलिमडा पुलिस स्टेशन में 8 लोगों के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई है। दूसरी तरफ, विरोधी पक्ष ने भी वकील और उसके परिवार वालों के खिलाफ जवाबी शिकायत दर्ज कराने की कार्रवाई शुरू कर दी है।

गांधीनगर में स्वाइन फ्लू के दो मामले सामने आए, गर्भवती महिला सहित दो मरीज संक्रमित

महानगर मेट्रो ब्यूरो

गांधीनगर। राजधानी में स्वाइन फ्लू के दो मामले सामने आने से स्वास्थ्य विभाग सतर्क हो गया है। संक्रमित मरीजों में 27 वर्षीय गर्भवती महिला और 33 वर्षीय पुरुष शामिल हैं। दोनों मरीजों का उपचार अस्पताल में चल रहा है और फिलहाल उनकी स्थिति में सुधार बताया गया है।

30 सप्ताह की गर्भवती महिला स्वाइन फ्लू संक्रमित

पहला मामला 27 वर्षीय गर्भवती महिला का है। महिला 30 सप्ताह के गर्भ से है और यह उनका पहला गर्भ है। पिछले तीन दिनों से उन्हें गले में दर्द, बुखार, सर्दी और सूखी खांसी की शिकायत थी। जांच में स्वाइन फ्लू की पुष्टि होने के बाद उन्हें स्त्री रोग विभाग से स्थानांतरित कर चिकित्सा इकाई-3 के वार्ड 704 में भर्ती किया गया है। महिला का ऑक्सीजन स्तर बिना ऑक्सीजन सहायता के 98 प्रतिशत है और फेफड़ों की जांच में भी कोई परेशानी सामने नहीं आई है। वह पिछले दो दिनों से ओसेल्टामिविर दवा ले रही हैं। सोमवार को उन्हें बुखार भी नहीं आया।

अजमेर से लौटे 33 वर्षीय पुरुष की रिपोर्ट भी पॉजिटिव

दूसरा मामला 33 वर्षीय पुरुष का है, जिन्हें पिछले चार दिनों से कंपकंपी के साथ बुखार, खांसी, सर्दी और सिरदर्द की शिकायत थी। उन्हें 20 अगस्त को चिकित्सा इकाई-1 के वार्ड 802 में भर्ती कराया गया था। जांच में उनका स्वाइन फ्लू परीक्षण भी पॉजिटिव आया है। मरीज का अजमेर की यात्रा का इतिहास सामने आया है। परिवार के किसी अन्य सदस्य में फिलहाल स्वाइन फ्लू जैसे लक्षण नहीं पाए गए हैं। दोनों मरीजों की चिकित्सकों द्वारा निगरानी की जा रही है।

स्वाइन फ्लू से बचाव के लिए सावधानी जरूरी

चिकित्सक दिनकर गोस्वामी के अनुसार, स्वाइन फ्लू से बचाव के लिए नियमित रूप से साबुन और पानी से हाथ धोना चाहिए। पानी उपलब्ध नहीं होने पर सैनिटाइजर का इस्तेमाल किया जा सकता है। खांसते या छींकते समय मुंह और नाक को रूमाल या कपड़े से ढकना चाहिए। बुखार, सर्दी या खांसी से पीड़ित व्यक्ति से उचित दूरी बनाए रखें और अनावश्यक रूप से भीड़भाड़ वाले स्थानों पर जाने से बचें। बाहर निकलते समय मास्क का उपयोग करना भी लाभकारी है। गंदे हाथों से आंख, नाक और मुंह को छूने से बचना चाहिए। पर्याप्त पानी पीने, पौष्टिक आहार लेने और पूरी नींद लेने से रोग प्रतिरोधक क्षमता बेहतर रखने में मदद मिलती है।

गांधीनगर मनपा का तुगलकी प्रशासन!

114 करोड़ खर्च के बाद भी अधूरा आइकॉनिक रोड, अब सौंदर्यीकरण पर 3.44 करोड़ अतिरिक्त खर्च

महानगर मेट्रो ब्यूरो

गांधीनगर। गांधीनगर को आधुनिक और वैश्विक स्वरूप देने के नाम पर करोड़ों रुपये खर्च किए जाने के बावजूद परियोजनाओं की कार्यप्रणाली पर सवाल उठ रहे हैं। भाईजीपुरा चौराहे से गिफ्ट सिटी को जोड़ने वाले 80 मीटर चौड़े पहले आइकॉनिक रोड पर अब तक करीब 114 करोड़ रुपये खर्च किए जा चुके हैं, लेकिन परियोजना का काम अभी तक पूरा नहीं हुआ है। इसी बीच गांधीनगर महानगरपालिका की स्थायी समिति ने परियोजना के लिए 3.44 करोड़ रुपये से अधिक का अतिरिक्त खर्च मंजूर कर दिया है। भाईजीपुरा से गिफ्ट सिटी तक के इस आइकॉनिक रोड पर फुटपाथ, साइकिल ट्रैक, पार्किंग, खाद्य क्षेत्र, संकेतक और सड़क संबंधी सुविधाएं विकसित करने का काम निजी एजेंसी को सौंपा गया था। परियोजना को राजधानी के प्रमुख मार्ग के रूप में विकसित करने की योजना थी। परियोजना के अनुसार काम 10 जनवरी 2025 को शुरू हुआ था और इसे 9 जनवरी 2026 तक पूरा किया जाना था। निर्धारित समयसीमा समाप्त होने के बाद भी काम अधूरा है। मार्ग पर किए गए पौधरोपण और उसके रखरखाव को लेकर भी खर्च पर सवाल उठे हैं। पौधरोपण की सुरक्षा के लिए लगाई गई जालियों को दो बार बदलने की स्थिति भी सामने आई है।

महानगर मेट्रो
www.mahanagarmetro.com
अहमदाबाद, (मंगलवार)
25 अगस्त 2026

आधार-आरसी बुक लिंकिंग के नए नियम से ड्राइवर-डीलर परेशान

महानगर मेट्रो ब्यूरो

गांधीनगर। राज्य में वाहनों के पंजीकरण, आरसी बुक और स्वामित्व हस्तांतरण से जुड़े कार्यों में आधार कार्ड की जानकारी का मिलान अनिवार्य किए जाने के बाद विवाद खड़ा हो गया है। नए तकनीकी बदलावों और आधार तथा आरसी बुक में नाम-पते की जानकारी में मामूली अंतर के कारण हजारों वाहन मालिक, ड्राइवर और ऑटोमोबाइल डीलर परेशान हैं। ऑनलाइन आवेदन निरस्त होने और फेसलेस प्रक्रिया रुकने से नए वाहनों के पंजीकरण, वाहन हस्तांतरण सहित कई जरूरी काम प्रभावित हो रहे हैं। सरकार ने वाहन पंजीकरण और स्वामित्व संबंधी प्रक्रिया में सुरक्षा और आंकड़ों की शुद्धता बनाए रखने के लिए आधार कार्ड और आरसी बुक की जानकारी के मिलान की व्यवस्था को सख्त किया है। इसके तहत आधार और आरसी में नाम की वर्तनी, पिन कोड या पते में मामूली अंतर होने पर भी ऑनलाइन आवेदन आगे नहीं बढ़ पा रहे हैं। कई मामलों में आवेदन निरस्त हो रहे हैं, जिससे वाहन मालिकों को बार-बार प्रक्रिया पूरी करनी पड़ रही है। ऑटो डीलर एसोसिएशन के प्रतिनिधि अनिरुद्ध सिंह ने कहा कि नए सिस्टम के कारण आम वाहन मालिकों के साथ डीलरों को भी काफी परेशानी हो रही है। उन्होंने कहा कि नाम या पते की छोटी-सी गलती के कारण आवेदन रुक जाता है और ग्राहक का काम समय पर पूरा नहीं हो पाता। इससे वाहन बिक्री और पंजीकरण की प्रक्रिया भी प्रभावित हो रही है। ऑटोमोबाइल डीलरों के एक प्रतिनिधिमंडल ने गांधीनगर स्थित परिवहन विभाग के कार्यालय में अधिकारियों को ज्ञापन देकर समस्या के समाधान की मांग की। डीलरों ने कहा कि आधार और आरसी की जानकारी का मिलान करने की प्रक्रिया पहले की तरह सरल रखी जानी चाहिए, ताकि तकनीकी या मामूली जानकारी के अंतर के कारण वाहन मालिकों का काम न रुके। उन्होंने ऑनलाइन व्यवस्था में पुराने सिस्टम को फिर से लागू करने की मांग की। डीलरों ने अधिकारियों को दिए प्रतिनिधित्व में कहा कि यदि तकनीकी समस्याओं का तत्काल समाधान नहीं किया गया तो आने वाले समय में वाहनों के पंजीकरण का काम बड़े स्तर पर प्रभावित हो सकता है। इससे नए वाहन खरीदने वाले ग्राहकों के साथ डीलरों को भी परेशानी उठानी पड़ेगी। फिलहाल परिवहन विभाग ने मामले का अध्ययन कर उचित समाधान निकालने का भरोसा दिया है।

राखियाल में देसी शराब से भरे रिक्शा का एक्सीडेंट, 57 लीटर शराब जब्त

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। भावनगर लट्ठा की घटना के बाद भी शराब तस्करी को लेकर पुलिस की कार्रवाई और निगरानी पर सवाल उठ रहे हैं। अहमदाबाद के राखियाल इलाके में अजीत मिल चौराहे के पास 23 अगस्त की रात करीब 11:15 बजे देसी शराब से भरे रिक्शा का एक्सीडेंट हो गया। हादसे के बाद मौके पर जमा लोगों ने रिक्शा की जांच की तो उसमें शराब से भरे बैग मिले। रिक्शा चालक नशे में धुत बताया गया।

रिक्शा से 57 लीटर देसी शराब बरामद

हादसे की सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और रिक्शा चालक को हिरासत में लिया। रिक्शा की तलाशी लेने पर तीन बड़े प्लास्टिक बैग मिले, जिनमें 19 बैगों में कुल 57 लीटर देसी शराब भरी हुई थी। पुलिस ने शराब जब्त कर रिक्शा चालक के खिलाफ कार्रवाई शुरू की।

दो आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज

पुलिस ने मामले में मनीष डाभी और विजय तलपड़ा के खिलाफ शराबबंदी कानून के तहत अपराध दर्ज किया है। मनीष डाभी विवेकानंद आवास, राखियाल का रहने वाला है, जबकि विजय तलपड़ा नडियाद के कानिपुरा कब्रिस्तान के पास रहता है। इसके अलावा मनीष डाभी के खिलाफ शराब के नशे में होने को लेकर अलग से शराबबंदी का मामला दर्ज किया गया है। घटना के बाद स्थानीय लोगों ने इलाके में शराब की खुलेआम आवाजाही और पुलिस गश्त को लेकर सवाल उठाए हैं। लोगों का कहना है कि यदि शराब से भरा रिक्शा रात में इलाके में घूम रहा था तो नियमित पुलिस पेट्रोलिंग के दौरान उस पर नजर क्यों नहीं पड़ी। पुलिस अब शराब के स्रोत और इसे किसे पहुंचाया जाना था, इसकी जांच कर रही है।

नए बंगले की छत पर जुआ अड्डा, संचालिका समेत 8 गिरफ्तार

महानगर मेट्रो ब्यूरो

सूरत। श्रावण मास के दौरान चल रहे जुआ विरोधी अभियान के तहत लसकाणा पुलिस ने आशीर्वाद बंगलोज में चल रहे जुआ अड्डे पर छापा मारकर आठ लोगों को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार, नया बंगला बनाने के करीब दो महीने बाद उसकी छत पर ही बाहर से लोगों को बुलाकर जुआ खिलाया जा रहा था। गिरफ्तार लोगों में बंगले की मालकिन और कथित संचालिका रसिला उर्फ रश्मि वेकरिया भी शामिल है, जो एक चर्चित सामाजिक मीडिया प्रभावशाली व्यक्ति की बहन बताई गई है।

पुलिस के अनुसार, रसिलाबेन ने लसकाणा के आशीर्वाद बंगलोज में करीब दो महीने पहले नया बंगला बनवाया था। आरोप है कि इसके बाद बंगले की छत पर लोगों को बुलाकर जुआ खिलाया जाने लगा। नए बंगले में जुआ शुरू करने के दौरान ही पुलिस को इसकी सूचना मिल गई और कार्रवाई की गई। लसकाणा पुलिस की टीम वालक पाटिया चार रास्ते के पास गश्त कर रही थी। इसी दौरान सूचना मिली कि आशीर्वाद बंगलोज विभाग-4 के मकान नंबर 135 की छत पर खुले में जुआ खेला जा रहा है। सूचना के आधार पर पुलिस निजी वाहनों से मौके पर पहुंची और अचानक छापा मारा। छत पर गोल घेरा बनाकर जुआ खेल रहे आठ लोगों को मौके से पकड़ लिया गया। गिरफ्तार आरोपियों में बंगले की मालकिन रसिलाबेन हरेशभाई वेकरिया (37), हितेशभाई जयसुखभाई ठुम्मर (46), हरेशभाई जयंतीभाई करगर (32), मुकेशभाई गोविंदभाई सोलंकी (37), गोविंदभाई छनाभाई पटोलिया (45), अमितभाई रमेशभाई परमार (38), मनोजभाई शंभुभाई राठौड़ (42) और रसिकभाई हरिभाई गेडिया (40) शामिल हैं। अधिकांश आरोपी रत्नकारी, राजमिस्त्री और निर्माण कार्य से जुड़े बताए गए हैं। पुलिस ने जुए के दांव पर लगी 5,000 रुपये की नकदी और आरोपियों की तलाशी से मिले 1.11 लाख रुपये सहित कुल 1.16 लाख रुपये नकद जब्त किए। इसके अलावा दो महंगे आईफोन-16 प्रो मैक्स सहित करीब 1.48 लाख रुपये कीमत के आठ मोबाइल फोन और 52 ताश के पत्ते भी बरामद किए गए। पुलिस ने कुल 2.64 लाख रुपये का सामान जब्त कर सभी आठ आरोपियों के खिलाफ जुआ अधिनियम की धारा 12 के तहत मामला दर्ज किया है। मामले में आगे की जांच जारी है।

114 करोड़ खर्च के बाद भी अधूरा आइकॉनिक रोड, अब 3.44 करोड़ का अतिरिक्त खर्च मंजूर

समयसीमा बीतने के बाद भी परियोजना अधूरी

महानगर मेट्रो ब्यूरो

गांधीनगर। राजधानी को आधुनिक और वैश्विक स्वरूप देने के नाम पर गांधीनगर महानगरपालिका की ओर से करोड़ों रुपये खर्च किए जा रहे हैं। भाईजीपुरा चौराहे से गिफ्ट सिटी को जोड़ने वाले 80 मीटर चौड़े पहले आइकॉनिक रोड पर अब तक करीब 114 करोड़ रुपये खर्च हो चुके हैं, इसके बावजूद परियोजना का काम अधूरा पड़ा है। इसी बीच महानगरपालिका की स्थायी समिति ने परियोजना के लिए 3.44 करोड़ रुपये से अधिक का अतिरिक्त खर्च मंजूर कर दिया है।

फुटपाथ, साइकिल ट्रैक और खाद्य क्षेत्र की थी योजना

भाईजीपुरा से गिफ्ट सिटी तक के आइकॉनिक रोड पर फुटपाथ, साइकिल ट्रैक, पार्किंग, खाद्य क्षेत्र, संकेतक और सड़क संबंधी अन्य सुविधाएं

विकसित करने का काम निजी एजेंसी को सौंपा गया था। गांधीनगर महानगरपालिका चुनाव को लेकर आचार संहिता लागू होने से पहले करोड़ों रुपये की परियोजनाओं को मंजूरी देने की प्रक्रिया तेज होने की बात भी सामने आई है।

तय समयसीमा बीती, फिर भी अधूरा है काम

परियोजना की शर्तों के अनुसार काम 10 जनवरी 2025 को शुरू हुआ था और इसे 9 जनवरी 2026 तक पूरा किया जाना था। लेकिन निर्धारित समयसीमा समाप्त होने के बाद भी काम पूरा नहीं हो सका। मार्ग पर किए गए पौधरोपण और उसके रखरखाव पर भी लाखों रुपये खर्च होने के बावजूद सुरक्षा के लिए लगाई गई पौधरोपण की जालियां दो बार बदलने की नौबत आई।

एजेंसी पर कार्रवाई के बजाय अतिरिक्त राशि को मंजूरी

काम समय पर पूरा नहीं करने वाली एजेंसी के खिलाफ कार्रवाई करने के बजाय महानगरपालिका की स्थायी समिति ने आयुक्त की सिफारिश पर अतिरिक्त खर्च को मंजूरी दे दी। एजेंसी के निविदा मूल्य में 3,44,05,674 रुपये की वृद्धि को स्वीकृति दी गई है। इस राशि पर 18 प्रतिशत जीएसटी अलग से लगेगा। साथ ही काम पूरा करने की समयसीमा 30 सितंबर 2026 तक बढ़ा दी गई है, यानी करीब पांच महीने 20 दिन की अतिरिक्त अवधि दी गई है। परियोजना पर पहले ही 114 करोड़ रुपये खर्च होने के बाद अतिरिक्त 3.44 करोड़ रुपये की मंजूरी से महानगरपालिका के कामकाज और जनता के कर के पैसों के उपयोग को लेकर सवाल उठ रहे हैं। लोगों का सवाल है कि समय पर काम पूरा नहीं करने वाली एजेंसी के खिलाफ कार्रवाई करने के बजाय उसे अतिरिक्त राशि और समय क्यों दिया गया।

चामला में स्ट्रीट लाइट के नीचे जुआ खेलते 6 आरोपी गिरफ्तार, 11,420 रुपये का सामान जब्त

महानगर मेट्रो ब्यूरो

दहेगाम। गांधीनगर जिले के दहेगाम तालुका के चामला गांव में पुलिस ने सार्वजनिक स्थान पर स्ट्रीट लाइट की रोशनी में जुआ खेल रहे छह आरोपियों को गिरफ्तार किया। कार्रवाई 23 अगस्त को की गई, जिसमें पुलिस ने कुल 11,420 रुपये की नकदी और जुआ खेलने का सामान जब्त किया। दहेगाम थाने की निगरानी शाखा की टीम बहियाल चौकी क्षेत्र में गश्त कर रही थी। इसी दौरान सूचना मिली कि चामला गांव के अंतिम वास में आंगनवाड़ी के सामने आरसीसी सड़क पर खुले स्थान में कुछ लोग रुपये-पैसों से जुआ खेल

रहे हैं। सूचना के आधार पर पुलिस ने मौके पर छापा मारा। पुलिस को देखकर आरोपियों ने भागने का प्रयास किया, लेकिन पुलिस ने घेराबंदी कर सभी छह को पकड़ लिया। तलाशी और जुए के दांव से 9,800 रुपये नकद, दांव पर लगे 1,620 रुपये और ताश की दो गड्डियां सहित कुल 11,420 रुपये का सामान जब्त किया गया। गिरफ्तार आरोपियों में राजेश झाला (24), शिवाजी झाला (35), अशोकजी सोलंकी (36), भरतभाई सोढ़ा (42), विजयकुमार ठाकोर (30) और दशरथसिंह सोलंकी (24) शामिल हैं। सभी आरोपी चामला और मीरापुर गांव के निवासी बताए गए हैं। पुलिस ने सभी के खिलाफ जुआ अधिनियम की धारा 12 के तहत मामला दर्ज कर कानूनी कार्रवाई शुरू की है।

चामला में स्ट्रीट लाइट के नीचे जुआ खेलते 6 आरोपी गिरफ्तार, 11,420 रुपये का सामान जब्त

महानगर मेट्रो ब्यूरो

भावनगर। भावनगर में हुए चर्चित लट्ठाकांड में अब तक 13 लोगों की मौत के बाद जांच एजेंसियों ने कार्रवाई तेज कर दी है। स्टेट मॉनिटरिंग सेल (एसएमसी) ने मामले में 13 और आरोपियों को गिरफ्तार किया है। इनमें मध्यप्रदेश से नकली शराब बनाने के लिए जहरीला कच्चा माल उपलब्ध कराने वाला कथित मुख्य सूत्रधार आनंद छाड़ी भी शामिल है। इसके साथ ही मामले में गिरफ्तार आरोपियों की संख्या बढ़कर 27 हो गई है। उपेंद्रसिंह गोहिल की मौत के बाद सामने आए इस मामले में वरतेज पुलिस थाने में 21 लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया था। जांच एसएमसी को सौंपे जाने के बाद टीम ने पहले मुख्य आरोपी गौतम सोलंकी और रईश अंसारी सहित 14 आरोपियों को गिरफ्तार किया था। पुलिस ने सभी को अदालत में पेश कर 10 दिन के रिमांड पर लिया था। रिमांड के चौथे दिन

एसएमसी ने एफएसएल टीम के साथ गौतम सोलंकी के आवास पर पंचनामा किया। यहां से नकली विदेशी शराब बनाने में इस्तेमाल होने वाली सामग्री, रसायन और अन्य महत्वपूर्ण भौतिक साक्ष्य बरामद किए गए। पूछताछ और जांच के आधार पर गुजरात से 12 और मध्यप्रदेश से एक आरोपी सहित कुल 13 नए आरोपियों को गिरफ्तार किया गया। जांच में सामने आया है कि मध्यप्रदेश निवासी आनंद छाड़ी कथित तौर पर लट्ठाकांड में इस्तेमाल हुई नकली शराब के लिए खतरनाक कच्चा माल उपलब्ध कराता था। एसएमसी ने उसे गिरफ्तार कर अदालत में पेश किया और पूरे आपूर्ति नेटवर्क, अन्य आरोपियों तथा अंतरराज्यीय शराब गिरोह से जुड़े लोगों की जानकारी हासिल करने के लिए 14 दिन के रिमांड की मांग की है। भावनगर में हुई 13 मौतों के बाद जांच एजेंसियां शराब के उत्पादन से लेकर रसायन की आपूर्ति और स्थानीय स्तर पर वितरण तक पूरे नेटवर्क की कड़ियां जोड़ रही हैं। एसएमसी अब मुख्य आरोपियों के साथ उनके सहयोगियों और कथित शराब तस्करों की भूमिका की भी जांच कर रही है। अधिकारियों के अनुसार, जांच आगे बढ़ने पर और गिरफ्तारियां तथा महत्वपूर्ण खुलासे हो सकते हैं। लट्ठाकांड की जांच को और व्यापक बनाने के लिए वरतेज पुलिस थाने के पिछले 30 दिनों के सीसीटीवी फुटेज की भी जांच की जा रही है। पुलिस सूत्रों के अनुसार, एसएमसी प्रमुख गगनदीप गंभीर भी मामले की जांच के लिए भावनगर पहुंचे थे और उन्होंने विभागीय स्तर पर मामले की जानकारी ली।

गांधी भवन दिल्ली विश्वविद्यालय में गूंजा राष्ट्रीय चेतना का संदेश

विविधता में एकता ही भारत की सबसे बड़ी शक्ति;-कर्नल तेजेंद्र पाल त्यागी

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। दिल्ली विश्वविद्यालय के गाँधी भवन और राष्ट्रीय सैनिक संस्था के संयुक्त तत्वावधान में राष्ट्र की एकता,अखंडता,देशभक्ति, सांस्कृतिक विविधता और राष्ट्रीय चेतना को समर्पित विशेष व्याख्यान 'एक भारत-श्रेष्ठ भारत' का सफल एवं महत्वपूर्ण आयोजन गाँधी भवन के प्रांगण में किया गया।कार्यक्रम में मुख्य अतिथि दिल्ली विश्वविद्यालय के डीन ऑफ कॉलिजेज एवं चेयरमैन गाँधी भवन प्रो. बलराम पाणि जी रहे। कार्यक्रम में राष्ट्रीय सैनिक संस्था के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं वीर चक्र से सम्मानित कर्नल तेजेंद्र पाल त्यागी की अध्यक्षता रही।कार्यक्रम के मुख्य संयोजक प्रो. केपी सिंह,अध्यक्ष,पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान विभाग एवं निदेशक,गांधी भवन,दिल्ली विश्वविद्यालय रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन और गांधी भवन में हस्तनिर्मित सूत की माला से राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की प्रतिमा पर माल्यार्पण से हुआ। कार्यक्रम के उद्घाटन वक्तव्य में प्रो.सिंह जी ने कहा कि 'एक भारत-श्रेष्ठ भारत' केवल एक विचार या अभियान नहीं,बल्कि भारत की विविध भाषाओं, संस्कृतियों,परंपराओं,क्षेत्रों और समुदायों को एक राष्ट्रीय भावना में जोड़ने का संकल्प है।उन्होंने विद्यार्थियों से आह्वान किया कि वे देश की उपलब्धियों,स्वतंत्रता सेनानियों और सीमा पर राष्ट्र की रक्षा करने वाले जवानों के योगदान को समझें। अपने जीवन में राष्ट्रहित,अनुशासन,जिम्मेदारी और सामाजिक समरसता के मूल्यों को अपनाएं।प्रो.सिंह ने आगे कहा कि विश्वविद्यालय

केवल शिक्षा और शोध का केंद्र नहीं,बल्कि सामाजिक एवं राष्ट्रीय चेतना के निर्माण का भी महत्वपूर्ण मंच है।गांधी भवन महात्मा गांधी के विचारों–सत्य, अहिंसा, शांति, सद्भाव, समानता और सामाजिक समरसता–को नई पीढ़ी तक पहुंचाने के साथ-साथ विद्यार्थियों को राष्ट्र और समाज के प्रति उनके दायित्वों से जोड़ने के लिए निरंतर विभिन्न कार्यक्रम आयोजित करता रहा है।कार्यक्रम में प्रो. सिंह ने युवाओं, विशेषकर जेन-जी की राष्ट्र निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका पर विशेष जोर दिया।उन्होंने कहा कि भारत का भविष्य आज के युवाओं के हाथों में है।युवाओं में ऊर्जा,नवीन सोच,तकनीकी दक्षता और परिवर्तन की क्षमता है;यदि इन गुणों को अच्छे संस्कार, अनुशासन,समय के सम्मान,कर्तव्यबोध और राष्ट्रप्रेम से जोड़ा जाए,तो यही युवा भारत को एक सशक्त,समृद्ध और श्रेष्ठ राष्ट्र बनाने में अग्रणी भूमिका निभा सकते हैं। कार्यक्रम में राष्ट्रीय सैनिक संस्था के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं वीर चक्र से सम्मानित कर्नल तेजेंद्र पाल त्यागी जी ने अपने वक्तव्य में कहा कि 'एक भारत-श्रेष्ठ भारत' की भावना को मजबूत करने के लिए देश की विविध भाषाओं,संस्कृतियों,परंपराओं और क्षेत्रों के प्रति सम्मान तथा आपसी भाईचारा आवश्यक है। भारत की सबसे बड़ी शक्ति उसकी विविधता में एकता है। सामाजिक समरसता, पारस्परिक सम्मान और सहयोग की भावना को बढ़ावा देकर युवा समाज में एकता और सद्भाव का वातावरण निर्मित कर सकते हैं।कर्नल पाल ने यह भी संदेश दिया गया कि राष्ट्र निर्माण केवल यह सोचने से नहीं होगा कि देश हमें क्या दे सकता है,बल्कि हमें यह विचार विकसित करना होगा कि हम देश को क्या दे सकते हैं। मुख्य अतिथि प्रो.बलराम पाणि ने विश्वविद्यालय समुदाय के लिए ऐसे कार्यक्रमों की उपयोगिता पर प्रकाश डालते हुए कहा कि भारत की विविधता को समझना और उसका सम्मान करना ही राष्ट्रीय एकता को मजबूत करने का आधार है।उन्होंने युवाओं से आह्वान किया कि वे शिक्षा के साथ-साथ देश के सामाजिक, सांस्कृतिक और राष्ट्रीय जीवन से भी सक्रिय रूप से जुड़ें। प्रो.पाणि जी ने 'विकसित भारत' के संकल्प को साकार करने में युवाओं की भूमिका को रेखांकित करते हुए कहा कि विकसित भारत केवल आर्थिक प्रगति से नहीं बनेगा,बल्कि इसके लिए शिक्षित,संस्कारित, जिम्मेदार,आत्मनिर्भर और संवेदनशील नागरिकों का निर्माण भी आवश्यक है। जब प्रत्येक नागरिक अपने कर्तव्यों का ईमानदारी से निर्वहन करेगा,तभी भारत को एक विकसित और श्रेष्ठ राष्ट्र के रूप में स्थापित किया जा सकेगा। आयोजन में ब्रिगेडियर विनिपिन चक्रवर्ती,उर्वशी वालिया, वेद प्रकाश,सुनील बंसल, कर्नल मुकेश त्यागी,उषा राणा,सुधीर त्यागी,राजीव खोसला आदि गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

लाल दरवाजा के बहुचर माताजी मंदिर से 1.23 लाख रुपये का मोबाइल चोरी

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। लाल दरवाजा स्थित बहुचर माताजी मंदिर में दर्शन करने आए 69 वर्षीय सेवानिवृत्त अजयकुमार अशोकभाई जरदोश का 1 लाख 23 हजार 500 रुपये कीमत का आईफोन चोरी हो गया। घटना 16 अगस्त 2026 को रात करीब 11:30 बजे की बताई गई है। दर्शन के दौरान भीड़ का फायदा उठाकर किसी अज्ञात व्यक्ति ने उनकी पैंट की जेब से मोबाइल निकाल लिया।

दर्शन के दौरान जेब से निकाला मोबाइल

एलिसब्रिज क्षेत्र के देवर्ष बंगलोज निवासी अजयकुमार जरदोश ने हाल ही में अपने उपयोग के लिए महंगा मोबाइल खरीदा था। वह मंदिर में दर्शन और पूजा के लिए पहुंचे थे। पूजा के दौरान भीड़ में किसी अज्ञात व्यक्ति ने उनकी जेब से मोबाइल निकाल लिया। दर्शन पूरा होने के बाद जब उन्होंने मोबाइल तलाशा तो वह गायब मिला।

तलाश के बाद पुलिस में शिकायत

अजयकुमार ने मंदिर और आसपास के क्षेत्र में मोबाइल की काफी तलाश की तथा परिचितों से भी जानकारी ली, लेकिन मोबाइल का पता नहीं चला। इसके बाद उन्होंने करंज पुलिस थाने में शिकायत दर्ज कराई।

सीसीटीवी फुटेज के आधार पर जांच

शिकायत मिलने के बाद करंज पुलिस ने मंदिर और आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगालनी शुरू कर दी है। पुलिस फुटेज के आधार पर संदिग्ध की पहचान करने और आरोपी को गिरफ्तार करने का प्रयास कर रही है। घटना के बाद मंदिर में आने वाले श्रद्धालुओं की सुरक्षा और भीड़ के दौरान सतर्कता को लेकर भी सवाल उठे हैं।

सोशल मीडिया पर एक कमेंट को लेकर दो ग्रुप में झड़प, पब्लिक रोड पर पार्टी का अनुशासन टूटा

महानगर मेट्रो ब्यूरो

वडोदरा। जिले के डभोई तालुका के भीलापुर गांव में सोशल मीडिया पोस्ट पर एक कमेंट को लेकर BJP के दो ग्रुप आमने-सामने आ गए। दोनों ग्रुप के लोगों ने पब्लिक रोड पर एक-दूसरे से मारपीट की और एक-दूसरे के कपड़े फाड़ दिए। कुछ लोगों को खून बहने के बाद इलाज के लिए शिफ्ट किया गया। लड़ाई के वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गए हैं। पता चला है कि डिस्ट्रिक्ट पंचायत हेल्थ कमेटी के चेयरमैन भावेश पटेल के फेसबुक पेज पर एक पोस्ट पर किए गए कमेंट को लेकर दोनों पार्टियों के बीच झगड़ा शुरू होने के बाद यह लड़ाई हुई। सूत्रों के मुताबिक, दोनों ग्रुप के बीच लंबे समय से दुश्मनी चल रही है। जिसमें सोशल

मीडिया पर किए गए कमेंट ने आग में घी डालने का काम किया। घायल परेश पटेल ने बताया कि डिप्टी सरपंच और दूसरे लोग भीलापुर गांव के बाहरी इलाके में बैठे थे। तभी जिला पंचायत हेल्थ कमेटी के चेयरमैन भावेश पटेल और उनके साथी वहां पहुंच गए। मैंने फेसबुक पर शराब और जुए के बारे में एक पोस्ट पर कमेंट किया था, और जब हम इस बारे में बहस कर रहे थे, तो किसी ने पीछे से आकर मेरे सिर पर मारा। जिससे मैं बेहोश हो गया। 'गांव वालों के साथ मीटिंग से लौटते समय, भीड़ ने मुझे घेर लिया और हमला कर दिया' वडोदरा जिला पंचायत हेल्थ कमेटी के चेयरमैन भावेश पटेल ने कहा कि भीलापुर इलाके में सस्ते खाने की दुकान का लाइसेंस कैंसिल करने को लेकर विवाद हुआ था। इस मामले पर रिप्रेजेंटेशन दिया गया था। गांव के राशन कार्ड होल्डर्स को कूपन न मिलने की समस्या के बारे में गांव वालों के रिप्रेजेंटेशन देने के बाद सप्लाई डिपार्टमेंट ने जांच की थी। हमने फूड ऑपरेटर का लाइसेंस कैंसिल करने के विवाद के बारे में रिप्रेजेंटेशन दिया था। आयुष्मान कार्ड कैंप के बारे में सरपंच और गांव वालों के साथ मीटिंग से लौटते समय, गांव से करीब 200 मीटर दूर 8 से 10 लोगों की भीड़ ने गाड़ी रोकी और अचानक उसे घेर लिया। उन्होंने गाड़ी के दरवाजे खोल दिए और अंदर बैठे लोगों को बाहर खींचकर पीटा। उन्होंने आगे कहा कि पूरी घटना के दौरान जब उन्होंने अपने मोबाइल फोन से वीडियो बनाने की कोशिश की, तो ऑपरेटर और उसके साथ मौजूद लोगों ने मोबाइल फोन छीन लिया और वीडियो डिलीट करने के लिए मजबूर किया। घटना की सूचना तुरंत पुलिस को दी गई। दूसरी तरफ ऑपरेटर किरण पटेल और परेश पटेल समेत लोग मौजूद थे। इस हमले में हमारे समर्थक रघुवीर सिंह ठाकोर और नवजोत सिंह ठाकोर घायल हो गए, जिन्हें इलाज और छ्ङ्ग स्कैन के लिए वडोदरा ले जाया गया। यह हमला राशन दुकान के ऑपरेटर का लाइसेंस कैंसिल करने और 'तुम बड़े नेता बन गए हो' कहने के गुस्से में किया गया था। घटना में चार लोग घायल हो गए, जिन्हें इलाज के लिए वडोदरा स्स्त्र हॉस्पिटल ले जाया गया है।

क्रिकेट के बहाने सत्ता, सुरक्षा और कूटनीति का अंदरूनी सच

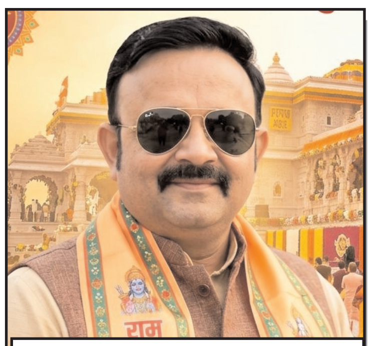

पवन माकन
ग्रुप एडिटर, महानगर मेट्रो

> पूर्व खुफिया एवं सुरक्षा अधिकारी यशोवर्धन आजाद की पुस्तक 'पॉलिसिंग द रिपब्लिक' इस यात्रा के कुछ ऐसे पहलुओं को सामने लाती है, जो बताते हैं कि भारत-पाकिस्तान क्रिकेट संबंधों में खेल से कहीं अधिक महत्वपूर्ण सुरक्षा और रणनीतिक गणनाएं होती रही हैं। पुस्तक में आजाद ने अपने लंबे अनुभव के आधार पर पुलिस व्यवस्था, भ्रष्टाचार, आतंकवाद, अपराध, राजनीतिक हस्तक्षेप और राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़े प्रश्नों पर चर्चा की है।

क्रिकेट को भारत और पाकिस्तान के बीच संबंधों में अक्सर केवल खेल के रूप में देखा जाता है। लेकिन दोनों देशों के इतिहास में क्रिकेट कई बार कूटनीति का माध्यम भी बना है और कई बार सुरक्षा तथा राजनीति की जटिलताओं का आईना भी। वर्ष 2004 का भारत का पाकिस्तान दौरा इसका महत्वपूर्ण उदाहरण है। एक दशक से अधिक समय बाद भारतीय क्रिकेट टीम पाकिस्तान गई थी। इसे 'मैत्री दौरा' कहा गया और उस समय दोनों देशों के बीच संबंधों को सामान्य बनाने की कोशिशें चल रही थीं। हालांकि मैदान पर दिखाई देने वाले खेल के पीछे सुरक्षा, खुफिया जानकारी और राजनीतिक निर्णयों की एक जटिल कहानी थी।

पूर्व खुफिया एवं सुरक्षा अधिकारी यशोवर्धन आजाद की पुस्तक 'पॉलिसिंग द रिपब्लिक' इस यात्रा के कुछ ऐसे पहलुओं को सामने लाती है, जो बताते हैं कि भारत-पाकिस्तान क्रिकेट संबंधों में खेल से कहीं अधिक महत्वपूर्ण सुरक्षा और रणनीतिक गणनाएं होती रही हैं। पुस्तक में आजाद ने अपने लंबे अनुभव के आधार पर पुलिस व्यवस्था, भ्रष्टाचार, आतंकवाद, अपराध, राजनीतिक हस्तक्षेप और राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़े प्रश्नों पर चर्चा की है।

वर्ष 2004 के पाकिस्तान दौरे से जुड़ा एक प्रसंग विशेष रूप से ध्यान खींचता है। पाकिस्तान के तत्कालीन राष्ट्रपति परवेज मुशर्रफ कराची में एक टेस्ट मैच आयोजित करना चाहते थे। लेकिन भारतीय सुरक्षा व्यवस्था ने कराची और पेशावर को टेस्ट मैच के लिए उपयुक्त नहीं माना था। आजाद उस समय भारतीय टीम की सुरक्षा से जुड़े दल में थे। सुरक्षा आकलन के बाद कराची और पेशावर में टेस्ट मैच नहीं कराने की सलाह दी गई थी। मुल्तान, रावलपिंडी और लाहौर को टेस्ट मैचों के लिए अपेक्षाकृत सुरक्षित माना गया।

इसी बीच आजाद को तत्कालीन उपप्रधानमंत्री लालकृष्ण आडवाणी का फोन आया। आडवाणी ने उनसे पूछा कि क्या कराची में टेस्ट मैच कराने पर पुनर्विचार किया जा सकता है। आजाद ने सुरक्षा संबंधी कारणों की जानकारी दी। इसके बाद उनसे कहा गया कि वे इस मामले को खुफिया ब्यूरो के निदेशक के सामने उठाएं। आडवाणी स्वयं भी इस संबंध में खुफिया ब्यूरो के निदेशक से बात करने वाले थे।

आजाद के अनुसार, उन्हें यह जानकर भी आश्चर्य हुआ कि यह आग्रह सीधे उपप्रधानमंत्री तक कैसे पहुंचा। बाद में उन्हें विदेश मंत्रालय में पाकिस्तान संबंधी जिम्मेदारी संभाल रहे अधिकारी अरुण सिंह से पता चला कि यह स्वयं राष्ट्रपति मुशर्रफ का अनुरोध था। लेकिन अंततः सुरक्षा सलाह को प्राथमिकता दी गई और सुरक्षा दल द्वारा सुझाए गए कार्यक्रम में बदलाव नहीं किया गया।

यह प्रसंग इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि इसमें कूटनीति और राष्ट्रीय सुरक्षा के बीच संतुलन दिखाई देता है। एक ओर पाकिस्तान के राष्ट्रपति की इच्छा थी और दूसरी ओर भारतीय सुरक्षा एजेंसियों का पेशेवर आकलन। राजनीतिक नेतृत्व के सामने विकल्प था कि वह कूटनीतिक अवसर को प्राथमिकता दे या सुरक्षा संबंधी सलाह को। अंततः सुरक्षा आकलन को स्वीकार करना यह बताता है कि संवेदनशील मामलों में राजनीतिक नेतृत्व और पेशेवर सुरक्षा तंत्र के बीच संवाद तो जरूरी है, लेकिन निर्णय लेते समय सुरक्षा संबंधी तथ्यों की अनदेखी नहीं की जा सकती।

2004 का पाकिस्तान दौरा सामान्य क्रिकेट दौरा भी नहीं था। भारत और पाकिस्तान के बीच क्रिकेट संबंध लंबे समय से राजनीतिक तनाव की छाया में रहे थे। ऐसे समय में भारतीय टीम का पाकिस्तान जाना दोनों देशों के बीच विश्वास बहाली की बड़ी कोशिश के रूप में देखा गया। मैदान पर खिलाड़ी थे, दर्शकों में उत्साह था और राजनीतिक नेतृत्व के लिए यह संबंध सुधारने का अवसर था। लेकिन सुरक्षा एजेंसियों के लिए वही दौरा अत्यंत संवेदनशील अभियान था।

आजाद ने कराची में होने वाले एकदिवसीय मैच से पहले पैदा हुई सुरक्षा चिंताओं का भी उल्लेख किया है। उनके अनुसार, भारतीय टीम को आतंकवादी खतरे की सूचना मिली थी। इसी दौरान 11 मार्च 2004 को स्पेन के मैड्रिड में रेलगाड़ियों में बम विस्फोट हुए, जिनमें 193 लोगों की मौत हुई और करीब दो हजार लोग घायल हुए। उस समय पाकिस्तान के कबायली और शहरी क्षेत्रों में अल-कायदा के शीर्ष कार्यकताओं की मौजूदगी के बारे में भी खुफिया जानकारी थी।

भारतीय टीम की सुरक्षा व्यवस्था संभाल रहे आजाद के सामने चुनौती केवल खतरे को पहचानने की नहीं थी, बल्कि यह तय करने की भी थी कि खिलाड़ियों को कितनी जानकारी दी जाए। उन्होंने टीम के प्रबंधक आर. एस. शेट्टी और प्रशिक्षक जॉन राइट के साथ इस सूचना को साझा किया और तत्काल इसे सार्वजनिक नहीं करने का निर्णय लिया। अगले दिन भारतीय टीम को कराची में एकदिवसीय मैच खेलना था।

इसके बाद इस्लामाबाद स्थित भारतीय उच्चायोग से भी भारतीय टीम को आतंकवादी खतरे की सूचना मिली। यह सूचना खुफिया स्रोत से प्राप्त हुई थी और उसमें विशेष रूप से कराची तथा भारतीय टीम का उल्लेख था। हालांकि खतरे का विस्तृत विवरण उपलब्ध नहीं था, फिर भी इसे गंभीरता से लिया गया। टीम का सामान पहले ही तैयार करवा दिया गया, ताकि मैच समाप्त होते ही भारतीय टीम सीधे हवाई अड्डे के लिए रवाना हो सके।

यह प्रसंग बताता है कि सुरक्षा व्यवस्था केवल हथियारबंद सुरक्षाकर्मियों की तैनाती का नाम नहीं है। इसमें यात्रा की समय-सारणी, खिलाड़ियों की गतिविधियां, सामान की आवाजाही, आने-जाने के रास्ते, संभावित खतरे और आपात स्थिति में तत्काल निकासी की योजना तक शामिल होती है। किसी संवेदनशील देश में राष्ट्रीय टीम का दौरा अपने आप में एक जटिल सुरक्षा अभियान बन जाता है।

इस गंभीर वातावरण के बीच आजाद की पुस्तक में सचिन तेंदुलकर से जुड़ा एक दिलचस्प प्रसंग भी है। इस्लामाबाद हवाई अड्डे पर तेंदुलकर ने काले सूट और काले ब्रीफकेस लिए खड़े सुरक्षाकर्मियों की ओर संकेत करते हुए मासूमियत से पूछा कि क्या वे ह्यपरमाणु बटनह्ल लेकर खड़े हैं। जब आजाद ने उन्हें जैमर के बारे में बताया तो तेंदुलकर ने उससे जुड़े कई सवाल किए। यह प्रसंग सुरक्षा के गंभीर संसार के बीच एक मानवीय और हल्का क्षण सामने लाता है। लेकिन 'पॉलिसिंग द रिपब्लिक' की महत्ता केवल ऐसे रोचक प्रसंगों में नहीं है। पुस्तक की वास्तविक उपयोगिता इस बात में है कि लेखक ने सत्ता, पुलिस और सुरक्षा तंत्र को भीतर से देखा है। उन्होंने अपने अनुभवों के आधार पर यह समझाने का प्रयास किया है कि अपराध, भ्रष्टाचार, आतंकवाद और राजनीतिक हस्तक्षेप से निपटने वाली संस्थाओं के सामने किस तरह की चुनौतियां होती हैं।

राष्ट्रीय सुरक्षा का सवाल आज पहले से अधिक जटिल हो गया है। आतंकवाद के साथ-साथ साइबर अपराध, संगठित अपराध, सीमा पार से आने वाले खतरे और सूचना के दुरुपयोग जैसी नई चुनौतियां भी सामने हैं। ऐसे समय में सुरक्षा संस्थाओं की पेशेवर क्षमता के साथ उनकी जवाबदेही भी महत्वपूर्ण है। लोकतंत्र में सुरक्षा और नागरिक अधिकारों के बीच संतुलन बनाए रखना किसी भी सरकार के लिए बड़ी चुनौती है।

2004 का कराची टेस्ट प्रसंग इसी संस्थागत विवेक का उदाहरण है। पाकिस्तान के राष्ट्रपति की इच्छा थी, भारत के राजनीतिक नेतृत्व के सामने कूटनीतिक अवसर था, लेकिन सुरक्षा आकलन ने जोखिम की ओर संकेत किया। अंततः टेस्ट मैच के कार्यक्रम में बदलाव नहीं किया गया। उस समय यह निर्णय शायद केवल क्रिकेट कार्यक्रम से जुड़ा मामला लगा हो, लेकिन वर्षों बाद सामने आए विवरण इसे राष्ट्रीय सुरक्षा और निर्णय प्रक्रिया को समझने का महत्वपूर्ण उदाहरण बना देते हैं।

भारत और पाकिस्तान के रिश्तों में क्रिकेट की भूमिका हमेशा दोहरी रही है। यह कभी जनता को जोड़ने का माध्यम बना, तो कभी दोनों देशों के तनाव का प्रतीक। 2004 का दौरा उस दौर की उम्मीदों का प्रतिनिधित्व करता था जब दोनों देशों के बीच संबंध सुधारने की कोशिश हो रही थी। सौरव गांगुली की कप्तानी में भारत ने एकदिवसीय श्रृंखला 3-2 से और टेस्ट श्रृंखला 2-1 से जीती। लेकिन स्कोरबोर्ड से परे इस दौरे की सबसे महत्वपूर्ण कहानी सुरक्षा और कूटनीति की थी।

आजाद की पुस्तक का व्यापक संदेश भी यही है कि गणतंत्र की सुरक्षा केवल पुलिस या खुफिया एजेंसियों की जिम्मेदारी नहीं है। इसके लिए मजबूत संस्थाएं, पेशेवर निर्णय, राजनीतिक संयम, जवाबदेही और नागरिक अधिकारों के प्रति सम्मान आवश्यक है। सुरक्षा तंत्र को राजनीतिक दबाव से मुक्त रखते हुए उसकी लोकतांत्रिक जवाबदेही सुनिश्चित करना किसी भी लोकतांत्रिक व्यवस्था की बुनियादी आवश्यकता है।

इस दृष्टि से 'पॉलिसिंग द रिपब्लिक' केवल एक पूर्व अधिकारी का संस्मरण नहीं है। यह उस व्यवस्था के भीतर झांकने का अवसर देती है, जहां सार्वजनिक रूप से दिखाई देने वाले निर्णयों के पीछे अनेक स्तरों पर विचार और जोखिम का आकलन चलता है। कराची का वह टेस्ट मैच अंततः नहीं हुआ, लेकिन उसके पीछे की कहानी अब सामने आई है।

क्रिकेट के मैदान पर मैच होते हैं, श्रृंखलाएं जीती और हारी जाती हैं और रिकॉर्ड बनते हैं। लेकिन किसी अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट दौरे की सफलता केवल खेल परिणामों से तय नहीं होती। उसके पीछे कूटनीति, खुफिया जानकारी, सुरक्षा आकलन और राजनीतिक निर्णय भी काम करते हैं।

2004 का पाकिस्तान दौरा इस बात का प्रमाण है कि कभी-कभी कोई मैच इसलिए भी इतिहास का हिस्सा बन जाता है क्योंकि वह खेला नहीं गया। कराची में टेस्ट मैच न कराने का फैसला उस समय शायद एक प्रशासनिक निर्णय था, लेकिन आज वह भारत-पाकिस्तान संबंधों, राष्ट्रीय सुरक्षा और राजनीतिक निर्णय प्रक्रिया के बीच जटिल संबंधों को समझने का महत्वपूर्ण दस्तावेज बन गया है।

यशोवर्धन आजाद की 'पॉलिसिंग द रिपब्लिक' ऐसे ही पर्दे के पीछे के संसार को सामने लाती है। इसका महत्व क्रिकेट से आगे जाकर उस प्रश्न में है कि लोकतांत्रिक गणराज्य अपनी सुरक्षा कैसे सुनिश्चित करता है और संकट के समय राजनीतिक नेतृत्व तथा सुरक्षा संस्थाएं किस तरह निर्णय लेती हैं। यही इस पुस्तक को समकालीन भारतीय लोकतंत्र और राष्ट्रीय सुरक्षा पर एक महत्वपूर्ण संस्मरणात्मक दस्तावेज बनाता है।

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

संपादकीय

महंगी चीनी, आयात क्यों?

भारत दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा चीनी उत्पादक, निर्यातक और खपत वाला देश है। उससे आगे ब्राजील ही है। एक अच्छे साल और अच्छी फसल के मद्देनजर भारत औसतन 70 लाख टन चीनी निर्यात करता रहा है, लेकिन 280-285 लाख टन की घरेलू खपत को सुनिश्चित करने के बाद ही निर्यात किया जाता है। इस साल भी तमाम स्थितियों के बाद 41 लाख टन से अधिक चीनी 'अतिरिक्त भंडारण' में है, फिर भी बीते गुरुवार, 20 अगस्त, को 10 लाख टन कच्ची चीनी आयात करने की अनुमति सरकार ने दी है। बेशक यह चीनी शुल्क-मुक्त होगी। आयात की यह नौबत 10 साल के बाद आई है। मोदी सरकार ने 30 सितंबर, 2026 तक सभी तरह की चीनी के निर्यात पर पाबंदी थोप रखी है। दरअसल मई के बाद जब चीनी मिलों के बड़े व्यापारी और एसोसिएशन के पदाधिकारी प्रधानमंत्री मोदी और कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान से मिले थे, तो उन्होंने दावा किया था कि इस साल 343.5 लाख टन चीनी का उत्पादन संभव है, लिहाजा निर्यात खोल दिया जाए। सरकार ने उनके आंकड़ों पर भरोसा किया और निर्यात खोल दिया, लेकिन जब हकीकत खुलने लगी, तो उत्पादन 279 लाख टन पर आकर ठहर गया, जबकि देश में चीनी की खपत 280-285 लाख टन आंकी गई है। नतीजा यह हुआ कि जो चीनी 21 जुलाई को करीब 45 रुपए प्रति किलो बिक रही थी, वह 31 जुलाई को उछल कर 50 रुपए हो गई और बीते शुक्रवार, 21 अगस्त, को 65 रुपए चीनी का भाव हो गया। एक ही महीने में चीनी 20 रुपए महंगीह्व.! स्थितियों को भांपते हुए बड़े व्यापारियों, थोक विक्रेता, थोक के औद्योगिक उपभोक्ताओं ने जुलाई से पहले ही चीनी की जमाखोरी शुरू कर दी, ताकि त्योहारों के मौसम में अधिक दामों पर चीनी बेचकर मुनाफे कमाए जा सकें। अगस्त में कई चीनी मिलों ने बिक्री ही रोक दी। वे भी मुनाफाखोरी, कालाबाजारी की जमात में खड़ी हो गईं। अब 20 अक्तूबर को दशहरा है और 8 नवंबर को दिवाली है। भारत के दोनों ही राष्ट्रीय त्योहार हैं, लेकिन उनसे पहले ही चीनी की मिठास 'कड़वी' हो गई है। एथेनॉल को 'खलनायक' बनाया जा रहा है, जो सरासर गलत है। हालांकि हम ई-20 नीति के पक्षधर नहीं हैं, क्योंकि भारत सरकार तमाम पारदर्शी जवाब नहीं दे पाई है। ई-20 का देश में जबरदस्त विरोध किया जा रहा है। नवंबर, 2025 से जुलाई, 2026 के दौरान तेल कंपनियों को 810.67 करोड़ लीटर एथेनॉल सप्लाई किया गया है। उसमें से 259.24 करोड़ लीटर, अर्थात 32 फीसदी, गन्ने से तैयार किया गया है, जबकि शेष 68 फीसदी एथेनॉल मक्का, शीरे, भारतीय खाद्य निगम के चावल और टूटे या सड़े-खराब अनाज से बनाया गया है। पहले 34 लाख टन चीनी को एथेनॉल बनाने के लिए तय किया जाना था, लेकिन उत्पादन कम होने के कारण 30 लाख टन चीनी एथेनॉल बनाने को मुहैया कराई गई। उसके बावजूद भंडारों में चीनी उपलब्ध थी। तो सवाल है कि चीनी का आयात क्यों किया जा रहा है? चीनी खुदरा बाजार में महंगी क्यों होती जा रही है? क्या जमाखोरों, मुनाफाखोरों, बिचौलिया ताकतों और वर्चस्ववादी मिलों पर सरकार का कोई नियंत्रण नहीं है, क्योंकि ये ह्यकालाबाजारीह्ल बार-बार उभर कर सामने आते हैं? इस खेल में बेचारा किसान तो गायब है। खुद भारत सरकार मानती है कि किसान की औसत आय 10,000 रुपए माहवार से भी कम है। तो महंगी चीनी के मुनाफे किसकी जेब में गए? जाहिर है कि जमाखोर दलाल 'अमीर' बनते रहे। दरअसल हम चीनी की कमी और महंगाई को न तो खाद्य-संकट मानते हैं और न ही यह राष्ट्रीय अराजकता का कारण बन सकती है। अलबत्ता मल्लिकार्जुन खडगे और अखिलेश यादव सरीखे विपक्षी नेता 'राजनीति' जरूर करेंगे। बहरहाल विशेषज्ञों का मानना है कि महाराष्ट्र, कर्नाटक, गुजरात में गन्ने की फसल, बीते साल सितंबर-अक्तूबर में, अधिक बारिश से प्रभावित हुई थी। नतीजतन उत्पादन कम हुआ और भंडारण 9 साल के सबसे निचले स्तर पर आ गया। इस साल भी जून में बहुत कम बारिश हुई। खासकर महाराष्ट्र और कर्नाटक में। मॉनसून भी असंतुलित रहा।

वन्देमातरम् विवाद- राष्ट्रगान पर राजनीतिः विभाजन के प्रयास.....?

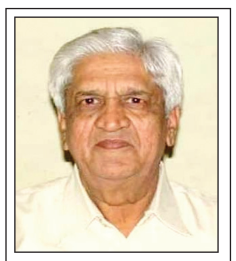

ओमप्रकाश मेहता

आज यदि सबसे अधिक दुःखी आत्मा होगी तो वह राष्ट्रभक्त बंकिमचन्द्र चटोपाध्याय की होगी, जिनकी अनुपम कृति ह्यवन्दे मातरम्ह्ल पर राजनीति हावी हो गई है। खासकर इस राष्ट्रीय गीत के छंदों को लेकर जंग छिड़ी है, पिछले नौ दशक से इसके दो ही छंद गाए जाते रहे है, जबकि इसके कुल मिलाकर आठ छंद है, अब देश के गृहमंत्री ने इसी को राजनीतिक विवाद की मुख्य बना दिया है तथा इसी आधार पर प्रमुख प्रतिपक्षी दल कांग्रेस को घेरने का प्रयास किया जा रहा है। गृहमंत्री का कहना है कि कांग्रेस मुस्लिम तुष्टिकरण के कारण फिर पुरानी गलती को दोहरा रही है।

वास्तव में इस विवाद की शुरूआत स्वतंत्रता दिवस के दिन उस समय हुई जब दिल्ली स्थित कांग्रेस मुख्यालय में ध्वज वंदन के समय सोनिया गांधी एक कार्यकर्ता को कोई निर्देश दे रही थी, आरोप है कि सोनिया ने राष्ट्रगान का अपमान किया और वे राष्ट्रभक्ति पसंद नही करती। यद्यपि आज तक प्रमुख सत्ताधारी दल भाजपा के भी किसी ध्वज वंदन कार्यक्रम में 'वन्दे मातरम्' का पूरा गान गाते नही देखा गया, पिछले नो दशकों से इसके प्रारंभिक दो छंद ही गाते देखा गया है, किंतु यह राजनीति की बलिहारी है, जिसने इसे राजनीतिक विवाद का मुद्दा बना दिया और अब इस मुद्दें पर भाजपा-कांग्रेस आमने-सामने आ गए है। सत्तारूढ़ दल, कांग्रेस के इस फैसले को आत्मघाती बता रहे है।

यहां यह उल्लेखनीय है कि इस गान को 1937 में 'राष्ट्रीय गान' का दर्जा दिया गया था। इसीलिए इसे आजादी के पहले की धरोहर मानकर पूरा राष्ट्र इसका सम्मान करता है और बड़े गर्व के साथ राष्ट्रीय कार्यक्रमों में झण्डा वंदन की सलामी के समय इसे गाया जाता रहा है, किंतु अब जक इसे राजनीतिक मुद्दा बना दिया गया है तो इस गान के भविष्य को लेकर पूरा देश चिंतित है।

अब इस विवादित राजनीति का असर कहां-कहां तक होता है, यह फिलहाल कल्पना से परे है, क्योंकि पूरे देश की प्राथमिक से लेकर उच्च शिक्षण संस्थाओं में इसका पूरे सम्मान के साथ गान किया जाता है। अब फिलहाल यह भी मानना मुश्किल है कि इस विवाद के पीछे भी 'वोट बैंक' की राजनीति छुपी है, क्योंकि देश के दो विशेष वर्ग मुस्लिम और ईसाई आरोपित है कि इस गान का सम्मान नही करते?

अब जो भी हो किंतु सबसे अहम् बिन्दू यही है कि इस अहम- राष्ट्र भक्ति से जुड़े बिन्दू को राजनीति का अंग बनाना किसी भी स्थिति में ठीक नही कहा जा सकता।

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

चुनौती बन रहा है नाबालिगों का अपराध की ओर बढ़ता रूझान

मनोज कुमार अग्रवाल

नाबालिग बच्चों में अपराध की बढ़ती प्रवृत्ति एक गंभीर सामाजिक चिंता का विषय है। छोटी उम्र के बच्चों में आक्रामकता, चोरी, मारपीट और यहाँ तक कि गंभीर हिंसक अपराधों जैसे हत्या लूट के रुझान में इजाफा देखा जा रहा है। इसके मुख्य कारणों में हिंसक डिजिटल कंटेंट, पारिवारिक संवाद की कमी और गलत संगत शामिल हैं।हाल ही में तेलंगाना के नालगोंडा में एक महिला प्रिंसिपल की उनके ही स्कूल के तरूण छात्र ने एक अन्य साथी छात्र के साथ मिलकर लूटपाट कर नृशंस हत्या कर दी। पुलिस ने 48 वर्षीय स्कूल प्रिंसिपल की सनसनीखेज हत्या के मामले को सुलझा लिया है और दो छात्रों को गिरफ्तार किया है, जिन्होंने कथित तौर पर पैसे और आलीशान जीवन शैली के लिए अपराध की योजना बनाई थी।यह वारदात समाज में नाबालिक बच्चों में अपराध की दुनिया के प्रति बढ़ता आकर्षण कानून और समाज से बेखौफ उन्मुक्त और अय्याशी भरे जीवन शैली को जीने की ललक को बताती है। भारत में क्राइम के मामलों को लेकर एनसीआरबी ने चौंकाने वाली रिपोर्ट दी है। इसके मुताबिक, हत्या, रेप और अपहरण जैसे संगीन अपराधों में नाबालिगों की संलिप्तता बढ़ी है। दिल्ली में 40 फीसदी से भी अधिक ऐसे केस सामने आए हैं। आपको बता दें कि तेलंगाना के कोंडमल्लेपल्ली स्थित नागार्जुन पब्लिक स्कूल की प्रिंसिपल और डायरेक्टर कल्लू रूपा रेड्डी 12 अगस्त की सुबह अपने घर में मृत पाई गईं। उनके शरीर पर चाकू के 27 घाव थे। उनका शव तब बरामद हुआ जब उनके पति, जो हैदराबाद में थे, ने पड़ोसियों को बताया कि वह उनके फोन का जवाब नहीं दे रही हैं। पड़ोसियों ने पुलिस को सूचना दी, जिसने उन्हें मृत पाया।

इसके बाद पुलिस ने पांच टीमें बनाईं और सीसीटीवी फुटेज, फोरेंसिक साक्ष्य, फिंगरप्रिंट, तकनीकी डेटा और संदिग्धों की गतिविधियों की जांच की और 80 से अधिक लोगों से पूछताछ की। बाबू शब्द के कारण छात्रों ने जांचकताओं को तब सुराग मिला जब उन्हें पता चला कि फोन बंद होने से पहले रूपा रेड्डी ने अपनी चाची से बात करते समय बाबू शब्द का इस्तेमाल किया था। वरिष्ठ पुलिस अधिकारी शरथ चंद्र पवार के अनुसार उसकी बातचीत के दौरान रिकॉर्ड किया गया आखिरी शब्द बाबू था। हमने इस बात की जांच की कि वह किसका जिक्र कर रही थी, और इससे हमें स्कूल के छात्रों की ओर संकेत मिला।

इसके बाद जांचकताओं ने छात्रों से व्यक्तिगत रूप से पूछताछ की और कक्षा 10 के उन पांच छात्रों पर ध्यान केंद्रित किया जो स्कूल से अनुपस्थित रहे थे। उन्हें पता चला कि उनमें से दो छात्र पिछले कुछ दिनों में खूब पैसा खर्च कर रहे थे और पार्टियां दे रहे थे।पवार ने बताया कि दोनों छात्रों को बुधवार सुबह हिरासत में लिया गया और पूछताछ के दौरान उन्होंने कबूल किया कि उन्होंने योजना के अनुसार रूपा रेड्डी की हत्या की थी। जांच अधिकारी के अनुसार आरोपियों को इससे पहले रूपा रेड्डी द्वारा फटकार लगाई गई थी, जब उनके छात्रावास के बैग से नकदी और एक मोबाइल फोन बरामद हुआ था।उसने उनके माता-पिता को सूचित किया, और उन्हें छात्रावास से निकालकर दैनिक छात्र का दर्जा दे दिया गया।पुलिस को संदेह है कि इससे प्रधानाचार्य के प्रति असंतोष पैदा होने में योगदान हो सकता है। आपको बता दें कि सोशल मीडिया के इस दौर में ऑनलाइन गेम और ओटीटी प्लेटफॉर्म पर उपलब्ध असीमित और हिंसक सामग्री बच्चों के कोमल मन पर बुरा असर डाल रही है।

एनसीआरबी की ताजा रिपोर्ट के अनुसार अपराध के लगभग हर क्षेत्र में नाबालिग शामिल पाए गए। इसमे कुछ ऐसे मामले भी सामने आए हैं। जिसमें रेप, हत्या और किडनैपिंग मे मामलों में 12 साल से कम उम्र तक के नाबालिग भी शामिल रहे।

इस साल जनवरी 2026 में राजधानी दिल्ली में तीन नाबालिगों को पुलिस ने गिरफ्तार किया था. तीनों पर एक 6 साल की बच्ची का रेप करने का आरोप था. कानूनन तीनों नाबालिग थे लेकिन तीनों ने मिलकर इतनी हैवानियत की थी कि वह बच्ची ठीक से चल भी नहीं पा रही थी. इसी तरह अप्रैल में नागपुर में पुलिस ने 13 नाबालिगों को पकड़ा था. इन सभी ने मिलकर एक 22 साल के व्यक्ति की बेरहमी से हत्या कर दी थी. हत्या 100 रुपये के विवाद को लेकर हुई थी. आए दिन गंभीर अपराधों में नाबालिक अपचारियो की बढ़ती भागीदारी समाजशास्त्र और बाल मनोविज्ञान के अध्येताओं के लिए चुनौती बन रही है। ये घटनाएं इतना बताने के लिए काफी हैं कि हमारे देश में अब नाबालिग तेजी से अपराध की ओर बढ़ रहे हैं. हाल ही में नेशनल क्राइम रिकॉर्ड ब्यूरो की रिपोर्ट आई है. इसमें सामने आया है कि दो साल में नाबालिगों के खिलाफ अपराध के मामलों में 14% से ज्यादा की बढ़ोतरी हुई है.एनसीआरबी रिपोर्ट के मुताबिक, 2022 में नाबालिगों के खिलाफ 30,555 मामले दर्ज किए गए थे. 2024 में यह बढ़कर 34,878 हो गए। रिपोर्ट बताती है कि 2024 में दर्ज मामलों 58.9 लाख मामले दर्ज किए गए थे. 2023 की तुलना में यह 6 फीसदी की गिरावट थी. लेकिन इसके उलट, नाबालिगों के खिलाफ दर्ज आपराधिक मामलों में बढ़ोतरी हुई है. चिंता वाली बात यह है कि नाबालिग रेप, मर्डर, लूटपाट और किडनैपिंग जैसे गंभीर अपराधों भी शामिल हो रहें हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, 2024 में महिलाओं और बच्चों के खिलाफ होने वाले अपराध के 2,557 मामलों में नाबालिगों को आरोपी बनाया गया था. इसके अलावा मर्डर और किडनैपिंग जैसे 8,943 मामलों में आरोपी नाबालिग थे. 2024 में नाबालिगों के खिलाफ रेप के 1,067 और मर्डर के 1,120 मामले दर्ज किए गए थे. अगर इसका औसत निकाला जाए तो हर दिन रेप और मर्डर के 3-3 मामलों में आरोपी नाबालिग होते हैं.रिपोर्ट के मुताबिक, 2024 में जितने नाबालिगों को गिरफ्तार किया गया, उनमें से 2,857 ही ऐसे थे जो अनपढ़ थे. 21,068 आरोपी ऐसे थे जिन्होंने 5वीं से 10वीं तक की पढ़ाई की थी. जबकि, 10वीं से 12वीं तक पढ़ाई करने वाले 8,301 और 12वीं पास 1,418 नाबालिगों को गिरफ्तार किया गया था.इसी तरह, इनमें से सिर्फ 2,216 नाबालिग ही ऐसे थे जो बेघर थे और जिनके माता-पिता नहीं थे. जबकि 36,905 आरोपी ऐसे थे जो अपने माता-पिता के साथ रहते थे. इनके अलावा 3,512 आरोप किसी न किसी गार्जियन के साथ रहते थे.

दरअसल माता-पिता का बच्चों के साथ संवाद कम होना, घरेलू हिंसा या परिवार का विघटन बच्चों को विद्रोही बना रहा है। पढ़ाई और अन्य गतिविधियों में हर समय जीतने का भारी तनाव बच्चों में गुस्सा और कुंठा पैदा कर रहा है।बुरी संगत और सहपाठियों (पीयर प्रेशर) के दबाव में आकर बच्चे जल्दी गलत रास्ते पर कदम रख देते हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन का सुझाव है कि गरीबी कम करके और शहरी वातावरण को बेहतर करके नाबालिगों को हिंसा में आने से रोका जा सकता है. अमीरी और गरीबी का अंतर अपराध को बढ़ाता है, क्योंकि ऐसी स्थिति में अपनी भड़ास निकालने के लिए हिंसा सबसे आसान जरिया बन जाती है. इसलिए गैर-बराबरी कम करने के साथ-साथ स्कूली शिक्षा को बेहतर करके बच्चों को हिंसा और अपराध से बचाया जा सकता है.इसके साथ ही माता-पिता बच्चों के साथ समय बिताएं और उनकी भावनाओं को समझें। बच्चों द्वारा देखे जाने वाले डिजिटल और ऑनलाइन कंटेंट की निगरानी करें। घर और स्कूल में ऐसा वातावरण दें जहाँ बच्चा खुलकर अपनी बात रख सके।जुवेनाइल जस्टिस सिस्टम का उद्देश्य बच्चों को सजा देना नहीं बल्कि उनकी काउंसलिंग कर उन्हें सुधारना है लेकिन इस सहानुभूति भरे कानून का नाबालिक अपचारी दुरूपयोग न करें इस ओर भी निगरानी जरूरी है।

महानगर मेट्रो
www.mahanagarmetro.com

अहमदाबाद, (मंगलवार)
25 अगस्त 2026

गुना : हाईवे पर पलटा टैंकर, रिफाइंड ऑयल समझ तारपीन का तेल लूट ले गए ग्रामीण

महानगर मेट्रो ब्यूरो

गुना। मध्य प्रदेश के गुना जिले के बीनागंज में एक तेल टैंकर के पलटते ही मौके पर ऐसा नजारा देखने को मिला, मानो तेल की मुफ्त सप्लाई शुरू हो गई हो. टैंकर से तेल निकलता देखकर आसपास के लोग अपने-अपने बर्तन और बाल्टियां लेकर मौके पर पहुंच गए. देखते ही देखते टैंकर के आसपास लोगों की भीड़ जमा हो गई और कई लोग तेल भरकर ले जाने लगे. इनमें महिलाएं भी बाल्टियां लेकर पहुंची थीं.

यह मामला चाचौड़ा थाना क्षेत्र का बताया जा रहा है. टैंकर पलटने के बाद मौके पर सुरक्षा व्यवस्था नहीं होने के कारण लोग बेधड़क तेल निकालते नजर आए. घटना का वीडियो भी सामने आया है, जिसमें स्थानीय लोगों को टैंकर से तेल बर्तनों में भरते देखा जा सकता है.

सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा वीडियो

लेकिन इस पूरी घटना में सबसे चौंकाने वाली बात तेल को लेकर सामने आई. वीडियो और शुरुआती जानकारी के आधार पर लोग इसे खाने का तेल समझकर ले जाते दिखाई दिए, लेकिन गुना के एसपी प्रशांत सिंह सुमन ने स्पष्ट किया कि टैंकर में रिफाइंड खाने का तेल नहीं, बल्कि तारपीन का तेल भरा हुआ था. तारपीन का तेल खाने योग्य नहीं होता और इसका इस्तेमाल मुख्य रूप से औद्योगिक एवं अन्य गैर-खाद्य कार्यों में किया जाता है. फिलहाल टैंकर किन परिस्थितियों में पलटा और हादसे में कोई घायल हुआ या नहीं, इसकी जानकारी सामने आना बाकी है. लेकिन सोशल मीडिया पर टैंकर से तेल ले जाने का वीडियो वायरल है.

ट्रेन में सो रहे 78 साल के रिटायर्ड अधिकारी की नाक कुतर गया चूहा, खून निकलने पर खुली नींद

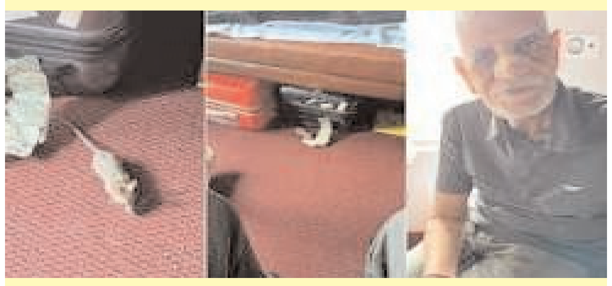

महानगर मेट्रो ब्यूरो

इंदौर। चंडीगढ़ से इंदौर आ रही उना-इंदौर एक्सप्रेस में 78 वर्षीय रिटायर्ड अधिकारी एचपी करण को सोते समय चूहे ने नाक पर काट लिया. दर्द और खून निकलने से उनकी नींद खुली. इंदौर पहुंचने पर परिजन उन्हें कोकिलाबेन अस्पताल ले गए, जहां रेबीज से बचाव का इंजेक्शन लगाया गया. परिजनों ने ट्रेन में चूहों और गंदगी को लेकर शिकायत का दावा किया है. रेलवे ने दोबारा पेस्ट कंट्रोल कराने की बात कही.

ट्रेन में चूहों के आतंक का एक हैरान करने वाला मामला सामने आया है. ताजा मामला चंडीगढ़ से इंदौर आ रही ट्रेन का है, जहां 78 वर्षीय रिटायर्ड अधिकारी एचपी करण की नाक सोते समय चूहे ने कुतर डाली. अचानक दर्द और नाक से खून निकलने के कारण उनकी नींद खुली. घटना के बाद परिजन उन्हें इलाज के लिए इंदौर के एक अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां डॉक्टरों ने रेबीज से बचाव के लिए इंजेक्शन लगाया है.

बताया जा रहा है कि एचपी करण उना-इंदौर एक्सप्रेस से इंदौर आ रहे थे. रात करीब साढ़े 10 बजे वह ट्रेन के कोच में सो रहे थे. इसी दौरान चूहा उनकी सीट तक पहुंच गया और उनकी नाक पर काट लिया. नींद में होने के कारण उन्हें घटना का तुरंत पता नहीं चला. अचानक तेज दर्द महसूस हुआ और जब आंख खुली तो नाक से खून निकल रहा था. कुछ देर के लिए बुजुर्ग यात्री और उनके परिजन भी समझ नहीं पाए कि आखिर हुआ क्या है. बाद में चूहे के काटने की बात सामने आने पर परिवार में घबराहट फैल गई. परिजनों के मुताबिक, एचपी करण रात में ट्रेन के अंदर सो रहे थे. इसी दौरान चूहे ने उनकी नाक को काट दिया. काटने के बाद वहां चोट लग गई और खून निकलने लगा. परिजनों का आरोप है कि कोच में गंदगी और चूहों को लेकर रेलवे स्टाफ को शिकायत की गई थी. उनका कहना है कि शिकायत के बाद कर्मचारियों ने गंदगी तो साफ कर दी, लेकिन चूहों की समस्या को खत्म करने के लिए पर्याप्त इंतजाम नहीं किए गए. हालांकि, रेलवे की ओर से इस मामले में कहना है कि ट्रेन के कोचों में नियमित रूप से पेस्ट कंट्रोल कराया जाता है.

ट्रेन के इंदौर पहुंचने के बाद परिजन घायल एचपी करण को इलाज के लिए शहर के कोकिलाबेन अस्पताल लेकर पहुंचे. डॉक्टरों ने उनकी चोट की जांच करने के बाद रेबीज से बचाव के लिए पहला इंजेक्शन लगाया. चूहे के काटने के बाद रेबीज से बचाव के लिए चिकित्सकीय सलाह के अनुसार उपचार शुरू किया गया है. परिवार घटना के बाद से बुजुर्ग की तबीयत को लेकर चिंतित है.

रेलवे ने कहा- सोशल मीडिया से मिली घटना की जानकारी

इस मामले में पश्चिम रेलवे के पीआरओ मुकेश कुमार का कहना है कि उन्हें घटना की जानकारी सोशल मीडिया के माध्यम से मिली है. उन्होंने बताया कि फर्स्ट एसी कोच में यात्रियों की सहायता के लिए आपातकालीन बेल की सुविधा उपलब्ध रहती है. आपातकालीन स्थिति में यात्री बेल के माध्यम से कोच अटेंडेंट को अपनी समस्या बता सकते हैं. जरूरत पड़ने पर मेडिकल सहायता भी उपलब्ध कराने की व्यवस्था है. रेलवे अधिकारी के मुताबिक, घटना की जानकारी मिलने के बाद पूरी ट्रेन की एक बार फिर जांच कराई जाएगी, ताकि अगर कहीं चूहों की समस्या है तो उसका पता लगाकर कार्रवाई की जा सके.

हर 15 दिन में होता है पेस्ट कंट्रोल

रेलवे की ओर से बताया गया है कि ट्रेनों के कोचों में हर 15 दिन में पेस्ट कंट्रोल कराया जाता है. इसके बावजूद बुजुर्ग यात्री को चूहे के काटने की घटना सामने आने के बाद रेलवे ने ट्रेन की दोबारा जांच कराने की बात कही है. रेलवे के सामने अब यह पता लगाने की चुनौती होगी कि जिस कोच में घटना हुई, वहां चूहा कैसे पहुंचा और क्या वहां पहले से चूहों की मौजूदगी की शिकायत थी.

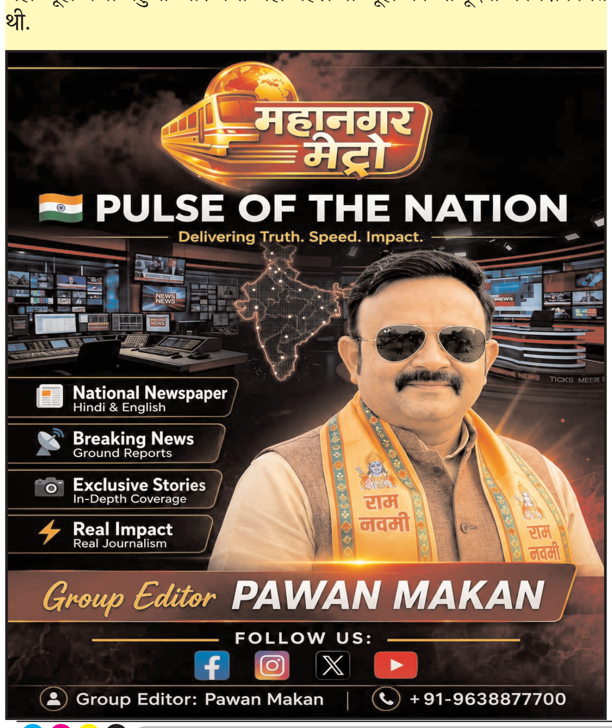

100 करोड़ से अधिक लागत वाले बड़े इंफ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट्स की अब थर्ड पार्टी क्वालिटी ऑडिट होगी.

योगी सरकार का बड़ा फैसला, अब सड़क-पुल से लेकर बड़े प्रोजेक्ट्स की होगी क्वालिटी जांच

महानगर मेट्रो ब्यूरो

लखनऊ । उत्तर प्रदेश में 100 करोड़ से अधिक लागत वाले बड़े इंफ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट्स की अब थर्ड पार्टी क्वालिटी ऑडिट होगी. सड़कों, पुलों, सीवर, जलापूर्ति समेत अन्य परियोजनाओं की गुणवत्ता जांच की जिम्मेदारी IIT कानपुर, IIT BHU वाराणसी और IIT रुड़की को सौंपी गई है. उत्तर प्रदेश में ?100 करोड़ से अधिक लागत वाले बड़े इंफ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट्स की अब थर्ड पार्टी क्वालिटी ऑडिट (TPQA) कराई जाएगी. सड़कों, पुलों, सीवर, जलापूर्ति और अन्य सार्वजनिक उपयोगिता से जुड़े कामों की गुणवत्ता जांच की जिम्मेदारी देश के प्रतिष्ठित तकनीकी संस्थानों को सौंपी गई है. वित्त विभाग की ओर से जारी शासनादेश के मुताबिक प्रदेश के अलग-अलग मंडलों के लिए IITs को प्रोजेक्ट्स की जांच की जिम्मेदारी दी गई है.इसके तहत IIT कानपुर को

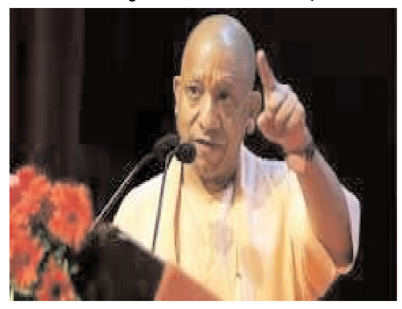

कानपुर, लखनऊ, बांदा, प्रयागराज, अयोध्या, आगरा, झांसी और देवीपाटन मंडल के जिलों में चल रहे ?100 करोड़ से अधिक लागत वाले प्रोजेक्ट्स की गुणवत्ता जांच का जिम्मा मिला है. वहीं IIT BH वाराणसी को बस्ती, गोरखपुर, आजमगढ़, वाराणसी और मिर्जापुर मंडल के जिलों में परियोजनाओं की जांच करनी होगी. जबकि IIT रुड़की को सहारनपुर, मुरादाबाद, बरेली, मेरठ और अलीगढ़ मंडल के प्रोजेक्ट्स की थर्ड पार्टी ऑडिट की जिम्मेदारी दी गई है.आईआईटीज ऐसे करेंगी ऑडिटयोजना विभाग की पहल पर शुरू की गई इस व्यवस्था का उद्देश्य बड़े सरकारी प्रोजेक्ट्स में निर्माण की गुणवत्ता, तकनीकी मानकों और सुरक्षा मानकों की निगरानी करना है. थर्ड पार्टी ऑडिट में किसी बाहरी और स्वतंत्र एजेंसी द्वारा परियोजना की डिजाइन, निर्माण प्रक्रिया, इस्तेमाल की गई सामग्री और तय मानकों के पालन की जांच की जाती है. इससे परियोजनाओं की निगरानी में पारदर्शिता आती है और किसी भी तरह के हितों के टकराव की संभावना कम होती है.अधिकारियों के मुताबिक IITs की टीम प्रोजेक्ट शुरू होने से लेकर उसके पूरा होने तक अलग-अलग चरणों में निरीक्षण करेगी. निरीक्षण के आधार पर विस्तृत रिपोर्ट तैयार की जाएगी, जिसके बाद जरूरत पड़ने पर सुधारात्मक कदम उठाए जाएंगे.

गंदा बिस्तर, टपकती छत और बदहाल कमरे, छात्रावास में ऐसे रह रहे हैं बच्चे, कलेक्टर की फटकार के बाद भी नहीं बदले हालात

महानगर मेट्रो ब्यूरो

उमरिया। जिले के दूरस्थ अंचल में संचालित शाहपुर जनजातीय बालक छात्रावास में अव्यवस्थाओं का आलम है। छात्रावास में रहने वाले बच्चे कमरे, बिस्तर और भोजन जैसी मूलभूत सुविधाओं को लेकर परेशान हैं। बारिश के मौसम में कमरों में छत से पानी टपकने से बच्चों की परेशानी और बढ़ गई है। वहीं बच्चों को उपलब्ध कराए गए बिस्तर भी गंदे हालत में हैं।

बदहाल व्यवस्था के बीच जीने को मजबूर

सरकार की ओर से आदिवासी और दूरस्थ क्षेत्रों के बच्चों को बेहतर शिक्षा उपलब्ध कराने के लिए छात्रावासों की सुविधा दी गई है, ताकि उन्हें रहने और भोजन की चिंता किए बिना पढ़ाई का माहौल मिल सके। लेकिन शाहपुर छात्रावास की स्थिति इन दावों पर सवाल खड़े कर रही है। जिला मुख्यालय से करीब 70 किलोमीटर दूर विकासखंड पाली के शाहपुर में संचालित जनजातीय बालक छात्रावास में बच्चे सीमित और बदहाल व्यवस्थाओं के बीच रहने को मजबूर हैं। बारिश के दौरान कमरों में पानी टपकने से बिस्तर और अन्य सामान प्रभावित हो रहे हैं। बच्चों के लिए पर्याप्त और साफ-सुथरे बिस्तरों की व्यवस्था भी सवालों के घेरे में है। भोजन को लेकर भी बच्चों को परेशानी होने की बात सामने आई है।

नया भवन तैयार, फिर भी नहीं लिया हैंडओवर

छात्रावास के लिए नया भवन बनकर तैयार हो चुका है, लेकिन विभाग अब तक उसका हैंडओवर नहीं ले सका है। इसके चलते बच्चे पुराने भवन में ही परेशानियों के बीच रहने को मजबूर हैं। बताया जा रहा है कि नए भवन को लेकर उमरिया पीआईयू विभाग से ट्राइबल विभाग की बातचीत चल रही है, लेकिन अब तक जिम्मेदार अधिकारियों ने मौके पर जाकर निरीक्षण तक नहीं किया।

समस्याओं को सुधारा जा रहा है

जनजातीय कार्य विभाग के अधिकारी संजय पांडेय ने स्वीकार किया कि शाहपुर छात्रावास में समस्या है और व्यवस्थाओं में सुधार कराया जा रहा है। उन्होंने बताया कि वहां जाने के लिए कोई अधीक्षक तैयार नहीं है, जिसके कारण परेशानी बनी हुई है। नए भवन के संबंध में पीआईयू से चर्चा की गई है। उन्होंने यह भी कहा कि मामले की जांच कराई जाएगी।

कलेक्टर ने किया था निरीक्षण

अव्यवस्था की शिकायत मिलने के बाद जिला कलेक्टर ने मौके पर पहुंचकर निरीक्षण किया। छात्रावास में अव्यवस्था देखकर सहायक आयुक्त ट्राइबल और अधीक्षक संजय पाण्डे को जमकर फटकार भी लगाई गई थी लेकिन इसके बाद भी कोई कार्रवाई नहीं हुई।

जन्माष्टमी, बराफवात से पहले माहौल बिगाड़ने की साजिश, देवरिया में AK-47 वाले इस्लामिक झंडे मिले

महानगर मेट्रो ब्यूरो

देवरिया। उत्तर प्रदेश के देवरिया जिले के मझौली राज कस्बे का माहौल रविवार की शाम को अचानक गरमा गया। कस्बे के वार्ड नंबर-8 में स्थित मोहम्मद अरशद उर्फ शमसुद्दीन के घर के सामने काले रंग का एक इस्लामिक झंडा मिला, जिस पर उर्दू में कुछ लिखा गया था और एक-47 की फोटो बनी थी। उसे झंडे के बगल में ही उर्दू में लिखे एक सफेद रंग का झंडा टंगा था, जिस पर तलवार की फोटो बनी थी। इन झंडों को देखकर हिंदू संगठनों के लोग आक्रोशित हो गए और इसकी सूचना प्रशासन को दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने झंडे को उतरवाया और तीन लोगों को हिरासत में लिया है। देवरिया सदर के विधायक शलभ मणि त्रिपाठी ने इस घटना को लेकर कड़ी आपत्ति जताई है। देवरिया मुख्यालय से 40 किलोमीटर दूर ऐतिहासिक मझौली राज कस्बा स्थित है। यहां हिंदू और मुसलमान की मिश्रित आबादी है। मिश्रित आबादी होने के बावजूद भी दोनों वर्गों में अभी तक कोई विवाद नहीं हुआ है, मगर रविवार की शाम को कस्बे के वार्ड नंबर-8 में शमसुद्दीन की मकान के सामने एक खंभे पर काले रंग का झंडा टंगा था।

झंडे पर उर्दू में कुछ शब्द लिखे गए थे और एक-47 की आकृति की फोटो बनी थी। झंडे से ऊपर मकान की रेलिंग पर एक सफेद रंग का झंडा टंगा था, जिस पर उर्दू में कुछ शब्द लिखा था और तलवार की फोटो बनी थी।पुलिस ने उतरवाया झंडाहिंदू संगठन के लोगों की नजर जब इस झंडे पर पड़ी तो लोग आक्रोशित हो गए और इसकी जानकारी प्रशासन को दी। सूचना पाकर पुलिस मौके पर पहुंची और उसे झंडे को तत्काल नीचे उतरवाया। पुलिस के मुताबिक, झंडे को कस्बे के ही वार्ड नंबर आठ निवासी मोबिन पेंटर ने बनाया था।? जांच-पड़ताल के बाद पुलिस ने इस मामले में तीन लोगों को हिरासत में लिया है। स्थानीय लोगों ने बताया कि बराफवात और कृष्ण जन्माष्टमी का त्योहार नजदीक आ रहा है। ऐसे में कुछ खुराफाती लोग माहौल बिगाड़ना चाहते हैं। विधायक शलभ मणि ने जताई आपत्तिइस घटना को लेकर देवरिया सदर के विधायक डॉक्टर शलभ मणि त्रिपाठी ने कड़ी आपत्ति जताई है। एक्स के माध्यम से शलभ मणि ने कहा है कि देवरिया के मझौलीराज में,?च-47 बने इस्लामिक झंडे लगाए जाने की घटना बेहद आपत्तिजनक और भड़काऊ है। ऐसा जानबूझकर किया गया है। प्रशासन को तत्काल ऐसे सभी झंडे उतार कर ज़ब्त करने और दोषियों को चुन चुनकर उनके विरुद्ध कठोर कार्रवाई करने को कहा है। मुख्यमंत्री योगी जी की सरकार में चरमपंथियों के खिलाफ हुई प्रभावी कार्रवाइयों के बावजूद ऐसे तत्व समय-समय पर सिर उठाते रहते हैं। ऐसे तत्वों के मंसूबों को सख्ती के साथ कुचला जाएगा।तीन लोगों से पूछताछ कर रही पुलिससलेमपुर के सीओ गौरव सिंह ने बताया कि उक्त झंडे को वार्ड नंबर-8 निवासी मोबीन पेंटर द्वारा बनाया गया था। घटना के संबंध में 3 व्यक्तियों को धारा 170 बीएनएसएस के तहत हिरासत में लिया गया है और उनसे पूछताछ की जा रही है।

रीवाः ड्रम पर शव रखकर पार कराया उफनता नदी, बाढ़ जैसी स्थिति में बेबस लोग, पंचायत से नहीं मिली मदद

मध्य प्रदेश के रीवा जिले में प्रशासन के इंतजामों की कलई खुल गई है। मृत व्यक्ति के शव को पानी में ड्रम पर रखकर ले जाया गया है। ग्रामीणों का आरोप है कि पंचायत से हम लोगों ने मदद मांगी थी लेकिन मदद नहीं मिली

महानगर मेट्रो ब्यूरो

रीवा। बाढ़ की त्रासदी के बीच रीवा के जवा जनपद अंतर्गत ग्राम पंचायत रौली से इंसानियत को झकझोर देने वाली तस्वीर सामने आई है। यहां एक मृतक के शव को घर तक पहुंचाने के लिए ग्रामीणों को ड्रम का सहारा लेना पड़ा। ग्रामीणों ने ड्रमों को आपस में बांधकर उसके ऊपर शव रखा और बाढ़ के पानी को पार कराते हुए शव को घर तक पहुंचाया। इस घटना ने बाढ़ प्रभावित इलाकों में प्रशासनिक व्यवस्थाओं पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

रीवा के संजय गांधी अस्पताल में हो गया था निधन

जानकारी के मुताबिक, रौली निवासी मोतीलाल तिवारी का रीवा स्थित संजय गांधी अस्पताल में निधन हो गया था। अस्पताल से उनका शव गांव स्थित घर लाया गया, लेकिन बाढ़ के पानी के कारण घर तक पहुंचने वाला रास्ता पूरी तरह बाधित था। ऐसे हालात में परिजनों और ग्रामीणों के सामने शव को घर तक पहुंचाना बड़ी चुनौती बन

गया।आखिरकार ग्रामीणों ने जुगाड़ से ड्रमों को बांधकर एक अस्थायी तैरने वाला साधन तैयार किया। इसी पर शव को रखा गया और ग्रामीणों ने बाढ़ के पानी के बीच से शव को घर तक पहुंचाया। इसके बाद मृतक का अंतिम संस्कार किया गया। त्रिपुरा में भारी बारिश के बाद अचानक आई बाढ़, 1,305 लोगों को सुरक्षित निकाला गया

पंचायत पर मदद से इनकार के आरोप

घटना को लेकर ग्रामीणों ने ग्राम पंचायत की कार्यप्रणाली पर भी सवाल उठाए हैं। ग्रामीणों का आरोप है कि शव को घर तक पहुंचाने में मदद के लिए जब महिला सरपंच से संपर्क किया गया, तो कथित तौर पर सरपंच और उनके देवर व जीआरएस विवेक तिवारी ने यह कहते हुए मदद से इनकार कर दिया कि यह हमारा काम नहीं है।हालांकि, इन आरोपों की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हो सकी है। ग्रामीणों ने प्रशासन से पूरे मामले की जांच कर जिम्मेदार लोगों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। ग्रामीणों का कहना है कि बाढ़ के चलते पहले ही गांवों में आवागमन पूरी तरह प्रभावित है। रास्ते और संपर्क मार्ग बंद होने से लोगों को जरूरी सामान, इलाज और अन्य आवश्यक सेवाओं के लिए भी परेशानी उठानी पड़ रही है। लेकिन किसी व्यक्ति की मौत के बाद उसके शव को घर और अंतिम संस्कार स्थल तक पहुंचाने के लिए भी ग्रामीणों को इस तरह जुगाड़ का सहारा लेना पड़े, यह व्यवस्था की जमीनी हकीकत को उजागर करता है।

यूट्यूबर अजीत भारती पर एससी-एसटी एक्ट में केस दर्ज, सांसद चंद्रशेखर पर जातिगत टिप्पणी करने का आरोप

महानगर मेट्रो ब्यूरो

लखनऊः आरक्षण के खिलाफ आंदोलन चला रहे यूट्यूबर अजीत भारती के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है। बाबा साहब भीमराव आंबेडकर, नगीना सांसद चंद्रशेखर आजाद और अन्य पर टिप्पणी करने को लेकर अजीत भारती के खिलाफ दिल्ली के नार्थ एवेन्यू थाने में एससी-एसटी एक्ट में मुकदमा दर्ज किया गया है।आरक्षण को लेकर एक टिप्पणी से शुरू हुए इस विवाद ने तब तूल पकड़ा, जब एक वीडियो में अजीत भारती ने चंद्रशेखर आजाद और टिप्पणी करने वाले शख्स की मां-बहन को लेकर टिप्पणी की।थाने में दी गई शिकायत में कहा गया है कि अजीत भारती ने अनुसूचित जाति के लोगों, सांसद चंद्रशेखर आजाद और आंबेडकर को लेकर बार-बार जाति आधारित गालियां और अपमानजनक शब्दों का इस्तेमाल किया। जाति आधारित नफरत को बढ़ावा देने वाली टिप्पणियां कीं। जिस वीडियो को लेकर यह विवाद खड़ा हुआ है, उसके कमेंट बॉक्स में कई कमेंट हैं। एक कमेंट में कहा गया कि अजीत भारती अपनी बहन की शादी चंद्रशेखर आजाद से करा दो तो आरक्षण खत्म हो जाएगा। इसी के जवाब में अजीत भारती ने टिप्पणियां की थीं। जिसको लेकर अब मुकदमा दर्ज किया गया है। मुकदमा दर्ज होने के बाद अजीत भारती ने कहा कि मां-बहन के खिलाफ इस तरह की टिप्पणी पर कैसे चुप रहा जा सकता है। दोबारा ऐसी टिप्पणी की गई तो दोबारा भी ऐसा ही जवाब देंगे। कोई मेरी मां-बहन पर सीधे बलात्कारी मानसिकता के साथ यह कहे कि उसका विवाह मैं चंद्रशेखर के साथ करा दूं और चुप रह जाऊं तो आप बताइए कि मैं कैसा पुत्र या भाई हूं। इतने पर भी मैंने चंद्रशेखर को लेकर कोई जातिसूचक शब्द नहीं बोला।

'फोटो दिखा दो इस्तीफा दे दूंगा...', अयोध्या में मछली भोज पर अजय राय की ष्टरूयोगी को खुली चुनौती

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अयोध्या उत्तर प्रदेश में मछली पर सियासत गरमा गई है. इसी बीच अजय राय ने अपने ऊपर लग रहे आरोपों पर बड़ा बयान दिया है. उन्होंने कहा कि अगर मेरी मछली खाने के साथ एक भी फोटो मिल जाए तो मैं इस्तीफा दे दूंगा. अयोध्या में उत्तर प्रदेश के कांग्रेस अध्यक्ष अजय राय के स्वागत में आयोजित किए गए मछली भोज पर सियासत गरमा गई है. एक तरफ जहां बीजेपी इस मामले को लेकर हमलावार है और सावन में सनातन धर्म के अपमान का आरोप लगा रही है. वहीं कांग्रेस ने भी पूरे मामले को लेकर बीजेपी पर सवाल उठाया है. अजय राय ने कहा कि अगर मेरी एक तस्वीर मछली खाते हुए सामने आए तो प्रदेश अध्यक्ष के पद से इस्तीफा दे दूंगा और अगर बीजेपी को तस्वीर नहीं मिली तो मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ इस्तीफा दें. अजय राय यहीं नहीं रुके, उन्होंने कहा कि बीजेपी पूरी तरह से इस देश को बर्बाद करने का काम कर ही है. इनके राष्ट्रीय अध्यक्ष आंध्र प्रदेश में मुर्गा खा रहे हैं, फोटो वायरल हो रहे हैं तो कह रहे कटहल खा रहे हैं. जबकि साउथ में आंध्र में कटहल तो खाया नहीं जाता, वह लोग उसे फल के रूप में खाते हैं. हम तो बाबा विश्वनाथ के भक्त हैं, मैं बाबा का चंदन भी लगाए हुए हूं.

मुख्यमंत्री में गैरत बची है तो इस्तीफा दे दें: अजय राय

निषाद समाज के कार्यक्रम में मैं गया था, उनकी परंपरा में है, मछली पकड़ना और खाना. मैं केवल कार्यक्रम में सम्मिलित होने गया था. निषादराज ने भगवान राम की मदद की थी, बीजेपी वाले देखें. इनका एक मंत्री है और कह रहा है कि बिना लहसुन प्याज के मछली खाइये, तो वेज है. मुझे समाज बुलाएगा तो मैं जाऊंगा.अगर मेरी कोई फोटो है मछली खाते हुए तो मुख्यमंत्री योगी जारी कर दें. मैं प्रदेश अध्यक्ष पद से इस्तीफा दे दूंगा. योगी के अंदर थोड़ी भी गैरत (आत्मसम्मान) है तो तत्काल उन्हें मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा देना पड़ेगा. हर हर महादेव होता रहेगा हमारा. इनके राष्ट्रीय अध्यक्ष की तरह झूठ नहीं बोलता, मुर्गा खा कर कटहल बता दो. मछली खाते हुए फोटो दिखा दें, हम इस्तीफा दे देंगे

पति जिसे भाई मानकर घर बुलाता था, वही बन गया पत्नी का प्रेमी...सीतापुर की अनोखी Love Story

महानगर मेट्रो ब्यूरो

सीतापुर। सीतापुर में पति-पत्नी और प्रेमी के रिश्ते का अनोखा मामला सामने आया है. पत्नी अंजू अपने पति शुभम और प्रेमी नितिन दोनों के साथ रहने की बात कह रही है. खास बात यह है कि पति भी दोनों का साथ छोड़ने को तैयार नहीं है. परिवार के विरोध के बाद मामला पुलिस तक पहुंचा, जहां पुलिस ने समझौते की कोशिश में है. खास बात है कि नितिन को शुभम भाई मानता था. एक पति, उसकी पत्नी और पत्नी के प्रेमी के बीच रिश्ते की ऐसी कहानी सामने आई है, जिसे सुनकर लोग हैरान हैं. कहानी में सबसे चौंकाने वाली बात यह है कि पति अपनी पत्नी के प्रेमी को पहले अपना भाई मानता था. वह घर आता था, साथ बैठकर खाना खाता था और परिवार के बीच सामान्य रूप से रहता था. समय के साथ रिश्तों का समीकरण बदला और अब स्थिति यह है कि पति, पत्नी और प्रेमी तीनों एक साथ रहने को राजी हो गए हैं. परिवार के लोगों को यह रिश्ता मंजूर नहीं है. विरोध बढ़ा तो मामला घर की चारदीवारी से निकलकर पुलिस के पास पहुंच गया. भाई मानकर घर बुलाता था, फिर बदल गई कहानी महमूदाबाद क्षेत्र के इस मामले में शुभम वर्मा, उसकी पत्नी अंजू और नितिन नाम के युवक का नाम सामने आया है. बताया जा रहा है कि नितिन का शुभम के घर पहले से आना-जाना था. शुभम उसे अपना भाई मानता था. नितिन का घर आना-जाना इतना सामान्य था कि वह कई बार घर पर रुकता भी था. शुभम और नितिन साथ बैठकर खाना खाते थे. लेकिन इसी बीच अंजू और नितिन के बीच नजदीकियां बढ़ने की बात सामने आई. देखते ही देखते सामान्य पारिवारिक रिश्तों का समीकरण बदल गया. अब मामला इस स्थिति तक पहुंच गया है कि अंजू अपने पति शुभम के साथ-साथ नितिन के साथ भी रहने की बात कह रही है.इस कहानी में सबसे अलग मोड़ शुभम के रुख से सामने आता है. आमतौर पर ऐसे मामलों में पति-पत्नी के बीच विवाद या अलगाव की स्थिति बनती है,

गणपति आगमन जुलूस पर फेंके गए अंडे

मझगांव में दो गुटों के बीच झड़प के बाद हजारों लोग सड़कों पर

महानगर मेट्रो ब्यूरो

मुंबई। मझगांव इलाके मुंबई में गणेश प्रतिमा के आगमन जुलूस के दौरान दो गुटों के बीच झड़प हो गई। इस घटना बाद रविवार देर रात से लेकर सुबह सोमवार तक तनाव बना रहा। त्योहार के आयोजकों का आरोप है कि पास की एक इमारत से जुलूस पर अंडे फेंके गए। पुलिस मौके पर पहुंची और स्थिति को काबू में किया। भीड़ को हटाने से पहले सड़कों पर करीब 10,000-15,000 लोग जमा हो गए थे। सोमवार सुबह तक स्थिति काबू में आ गई थी और एहतियात के तौर पर इलाके में और गणेश पंडाल के बाहर पुलिस बल तैनात कर दिया गया था। अखिल पब्लिक फेस्टिवल कमेटी के अध्यक्ष हितेश जाधव ने आरोप लगाया कि भगवान गणपति के आगमन के बाद पास की एक इमारत से जुलूस पर अंडा फेंका गया। हितेश जाधव ने बताया कि आज यहां जो घटना हुई, वह निंदनीय है। भगवान गणपति का आगमन हो चुका था, और पास की इमारतों में से किसी ने 'बैडा' (मराठी में अंडा) फेंका। जाधव ने कहा कि इस घटना से इलाके में तनाव बढ़ गया और उन्होंने पुलिस से ज़िम्मेदार लोगों के खिलाफ 24 घंटे के भीतर कार्रवाई करने की मांग की।

24 घंटे के अंदर एक्शन का आश्वासन

आयोजक ने कहा कि हमने पुलिस से अनुरोध किया है कि वे अगले 24 घंटों के भीतर कार्रवाई करें। उन्होंने यह भी कहा कि महाराष्ट्र के सांस्कृतिक मामलों के मंत्री आशीष शेलार ने आयोजकों को समर्थन दिया है और उन्हें आश्वासन दिया है कि कार्रवाई की जाएगी। जाधव ने कहा कि शीष शेलार ने हमारी बहुत मदद की है। हमें आश्वासन दिया गया है कि इस मामले में 24 घंटे के भीतर पूरी कार्रवाई की जाएगी।

अचानक टूटा स्टीयरिंग रॉड, खाई के मुहाने पर अटकी बस...

महानगर मेट्रो ब्यूरो

संभाजीनगर। महाराष्ट्र के छत्रपति संभाजीनगर से सूरत जा रही एसटी बस शनिवार को कन्नड़ घाट में हादसे का शिकार हो गई. अचानक स्टीयरिंग रॉड टूटने से बस अनियंत्रित होकर सुरक्षा दीवार से टकराई और खाई के मुहाने पर अटक गई. बस में 59 यात्री सवार थे. हादसे में चार यात्री मामूली घायल हुए, जबकि 55 को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया. महाराष्ट्र के छत्रपति संभाजीनगर से गुजरात के सूरत जा रही एसटी बस शनिवार को कन्नड़ घाट में बड़े हादसे का शिकार होते-होते बच गई. बस का अचानक स्टीयरिंग रॉड टूट गया और देखते ही देखते चालक का नियंत्रण बस से हट गया. अनियंत्रित बस घाट की सुरक्षा दीवार से टकराई और खाई के मुहाने पर जाकर अटक गई. बस में उस वक्त 59 यात्री सवार थे. स्टीयरिंग फेल होते ही यात्रियों में चीख-पुकार मच गई. किसी को समझ नहीं आया कि आखिर अगले पल क्या होने वाला है. यात्रियों को डर था कि बस सैकड़ों फीट गहरी खाई में जा गिरेगी. गनीमत रही कि बस का अगला हिस्सा लोहे के मजबूत सपोर्ट में फंस गया और बस वहीं रुक गई. महज कुछ फीट और आगे बढ़ने पर बड़ा हादसा हो सकता था.

चार यात्री घायल, 55 को सुरक्षित निकाला गया

सुरक्षा दीवार से टकराने के दौरान बस के आगे बैठे चार यात्रियों को मामूली चोटें आई. सभी घायलों को चालीसगांव ग्रामीण अस्पताल ले जाया गया, जहां उनका इलाज किया गया. उनकी हालत खतरे से बाहर बताई गई है. वहीं, बस में सवार बाकी 55 यात्रियों को स्थानीय लोगों की मदद से सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया. हादसे की सूचना मिलते ही पुलिस और ट्रैफिक टीम मौके पर पहुंची. राहत और बचाव कार्य शुरू करते हुए यात्रियों को बस से बाहर निकाला गया. इसके बाद क्रेन की मदद से बस को हटाया गया, जिससे घाट मार्ग पर यातायात फिर से सुचारू हो सका.

दूसरी बस से यात्रियों को भेजा गया सूरत

दुर्घटना के बाद यात्रियों के लिए दूसरी एसटी बस की व्यवस्था की गई. सभी यात्रियों को सुरक्षित तरीके से दूसरी बस में बैठाकर सूरत रवाना किया गया. हादसे के बाद सुरक्षित बचे यात्रियों ने राहत की सांस ली और बस के रखरखाव को लेकर सवाल भी उठाए.

फिटनेस जांच पर उठे सवाल

इस घटना ने एसटी बसों के रखरखाव और फिटनेस जांच की व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं. यात्रियों का कहना है कि घाट जैसे जोखिम भरे रास्तों पर बसों को रवाना करने से पहले उनकी तकनीकी जांच बेहद जरूरी है. यात्रियों ने मांग की है कि स्टीयरिंग रॉड टूटने की घटना की उच्चस्तरीय जांच कराई जाए और यह पता लगाया जाए कि बस को फिटनेस जांच के बाद ही सड़क पर उतारा गया था या नहीं.

नागपुर में क्लोरिन गैस के रिसाव से हड़कंप

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नागपुर। गोधनी वाटर ट्रीटमेंट प्लांट से क्लोरिन गैस रिसाव की घटना के बाद 40 लोगों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है. इस प्लांट से दो सौ मीटर इलाके को प्रशासन ने नो मेंस लैंड घोषित कर दिया है. महाराष्ट्र के नागपुर में क्लोरिन गैस के रिसाव का मामला सामने आया है. क्लोरिन गैस के रिसाव से आसपास के घरों में लोगों को सांस लेने में परेशानी होने लगी. सांस लेने में तकलीफ की शिकायत पर 40 लोगों को अस्पताल ले जाया गया. सभी को उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है. सभी की हालत खतरे से बाहर बताई जा रही है. जानकारी के मुताबिक नागपुर के मनकापुर थाना क्षेत्र के गोधनी में एक वाटर ट्रीटमेंट प्लांट है. रविवार-सोमवार की रात करीब एक बजे इस प्लांट से क्लोरिन गैस का रिसाव शुरू हो गया. इस प्लांट के आसपास स्थित घरों में रहने वाले लोगों को अचानक ही सांस लेने में परेशानी शुरू हो गई. पहले तो लोग यह समझ ही नहीं पाए कि हुआ क्या है. दिक्कत बढ़ी और हर किसी को होने लगी, तब हड़कंप मच गया. हालात की जानकारी तत्काल पुलिस और फायर ब्रिगेड को दी गई. सूचना मिलते ही पुलिस, फायर ब्रिगेड के साथ ही प्रशासनिक अधिकारी और एनडीआरएफ के लोग भी मौके पर पहुंच गए. सांस लेने में तकलीफ की शिकायत पर 40 लोगों को अस्पताल ले जाया गया, जहां सभी का उपचार चल रहा है. डॉक्टर्स के मुताबिक सभी की हालत खतरे से बाहर है. मौके पर पहुंची फायर ब्रिगेड और एनडीआरएफ की टीमें हालात को काबू करने की कवायद में जुट गई हैं. प्रशासन ने गैस लीक साइट से 200 मीटर के दायरे को नो मेंस लैंड घोषित कर दिया है. मनकापुर थाने के सीनियर इंस्पेक्टर हरेश कालसेकर ने बताया कि गोधनी प्लांट से दो सौ मीटर की रेंज में स्थित सभी घर खाली करा लिए गए हैं. इस रेंज में किसी को भी आने-जाने की इजाजत नहीं दी जा रही है. उन्होंने लोगों से अफवाहों पर ध्यान नहीं देने की अपील की और दावा किया कि इस घटना में किसी जान को नुकसान नहीं पहुंचा है. मनकापुर इंस्पेक्टर ने कहा कि एनडीआरएफ की टीम गैस रिसाव पर काबू पाने का प्रयास कर रही है.

अचानक बदला कैबिनेट मीटिंग का समय

CM फडणवीस की 'डिनर डिप्लोमेसी' से सियासी अटकलें

महानगर मेट्रो ब्यूरो

मुंबई। महाराष्ट्र में कैबिनेट बैठक का दिन अचानक बदलने के बाद महायुति नेताओं के डिनर से सियासी हलचल बढ़ गई है. बैठक को सामान्य बताया जा रहा है, लेकिन राज्य की राजनीति में संभावित बदलाव को लेकर चर्चा तेज है. महाराष्ट्र की राजनीति में सोमवार का दिन हलचल भरा रहने वाला है. कैबिनेट की बैठक इस बार मंगलवार की जगह सोमवार दोपहर होगी. इसके बाद महायुति के बड़े नेता डिनर पर जुटेंगे. इससे पहले रविवार को हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने फडणवीस से वर्षा बंगले पर मुलाकात की थी. बैठक का दिन बदलने की आधिकारिक वजह मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस का मंगलवार को मुंबई से बाहर एक धार्मिक कार्यक्रम में शामिल होना बताई गई है. मगर कैबिनेट बैठक के तुरंत

बाद होने वाली गठबंधन नेताओं की बैठक ने राजनीतिक चर्चाओं को हवा दे दी है. फडणवीस के हालिया दिल्ली दौरे के बाद यह घटनाक्रम और ध्यान खींच रहा है. कैबिनेट बैठक सोमवार दोपहर सह्याद्री गेस्ट हाउस में होगी. इसके बाद महायुति के प्रमुख नेताओं की बैठक वर्षा बंगले पर रखी गई है. इसमें फडणवीस के साथ उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे और सुनेत्रा पवार के बीच अहम बातचीत होगी. इसके बाद गठबंधन के मंत्रियों, बीजेपी, शिवसेना, एनसीपी के नेताओं के लिए डिनर रखा गया है. आधिकारिक तौर पर इसका मकसद आपसी तालमेल मजबूत करना, मतभेद सुलझाना और सरकार के कामकाज को रफ्तार देना बताया जा रहा है.

बदलाव की अटकलें क्यों?

बैठकों का यह सिलसिला ऐसे समय सामने आया है, जब महाराष्ट्र में राजनीतिक बदलाव को लेकर चर्चा चल रही है. कैबिनेट की बैठक का अचानक एक दिन पहले होना, उसके बाद महायुति के शीर्ष नेताओं का साथ बैठना इन चर्चाओं को और हवा दे रहा है. हालांकि आधिकारिक सूत्रों ने किसी बड़े राजनीतिक बदलाव की बात से इनकार किया है. उनका कहना है कि फडणवीस महाराष्ट्र की राजनीति में सक्रिय हैं और राज्य से जुड़े कामकाज पर उनका ध्यान बना हुआ है. इन सब सियासी अटकलों के बीच रविवार को मुंबई में एक शिष्टाचार मुलाकात भी हुई. हरियाणा से आए सीएम नायब सिंह सैनी ने फडणवीस के सरकारी आवास 'वर्षा' बंगले पहुंचकर उनसे भेंट की. फडणवीस ने उनका गर्मजोशी से स्वागत किया. अब सबकी नजर सोमवार को होने वाली बैठकों पर है. कैबिनेट बैठक के बाद महायुति के नेता जब एक साथ बैठेंगे, तब उनकी चर्चा से राज्य की राजनीति को लेकर कुछ संकेत मिल सकते हैं.

मराठी रिक्शा चालकों के पेट में लात मत मारें, Rapido, Ola, Uber को परमिशन पर संजय राउत का महाराष्ट्र सरकार को खत

महानगर मेट्रो ब्यूरो

मुंबई। शिवसेना (यूबीटी) के सांसद संजय राउत की ओर से राज्य के परिवहन मंत्री प्रताप सरनाईक को पत्र लिखा गया है। उनकी ओर से पत्र के माध्यम से परिवहन मंत्री से अपील की गई है कि रैपिडो, ओला और उबर के चलते राज्य में हजारों की संख्या में ऑटो रिक्शा चला रहे मराठी युवकों को आजीविका से वंचित करना उचित नहीं है। संजय राउत ने पत्र में लिखा कि महोदय, राज्य के कुछ मंत्रियों के 'रैपिडो' कंपनी के साथ वित्तीय और व्यावसायिक संबंध हैं। 'रैपिडो' ने अब तक दही हांडी, गणेशोत्सव और कुछ मंत्रियों के सांस्कृतिक कार्यक्रमों को प्रायोजित किया है और करोड़ों रुपये दिए हैं। कुछ मंत्रियों को चुनाव के लिए भी धनराशि दी है। इसलिए ऐसा लगता है कि हजारों रिक्शा चालकों को इनके नाम पर फंसाकर एहसान चुकाने की कोशिश की जा रही है। संजय राउत ने आगे लिखा कि जब महाराष्ट्र के वर्तमान उपमुख्यमंत्री का मूल पेशा ही 'रिक्शा चालक' है, तो इस राज्य के रिक्शा चालकों की आजीविका छीनना उचित नहीं है। मैं इस मुद्दे पर रिक्शा चालक संघर्ष समिति के प्रतिनिधिमंडल के साथ आपसे मिलना चाहता/चाहती हूं। कृपया उचित समय और स्थान की जानकारी दें। कृपया मुझे सूचित करें।

संजय राउत ने क्या कहा

संजय राउत ने बताया कि 16 अगस्त को नासिक के दौरे के दौरान, 100 से ज्यादा मराठी युवा उनसे मिले और अपनी आजीविका को लेकर चिंता जाहिर की। उन्होंने रैपिडो, ओला और उबर के ज़रिए बाइक टैक्सी सेवाओं को मंजूरी देने के सरकार के फैसले पर भी चिंता जताई और कहा कि इस कदम से मौजूदा ऑटो-रिक्शा ऑपरेटर सीधे तौर पर प्रभावित हो सकते हैं। राउत ने यह भी दावा किया कि प्रस्तावित बाइक टैक्सी सेवाओं को लेकर ऑटो-रिक्शा चालकों में काफी

नाराजगी है और उनके संगठन इस मुद्दे पर चर्चा करने के लिए परिवहन मंत्री से मिलने की कोशिश कर रहे हैं। ऑटो-रिक्शा चालकों ने अपनी चिंताओं की ओर ध्यान आकर्षित करने के लिए 10 अगस्त को नासिक से मंत्रालय तक मार्च करने की योजना बनाई थी, लेकिन राउत का दावा है कि विरोध प्रदर्शन की अनुमति नहीं दी गई। उन्होंने सवाल किया कि क्या रिक्शा चालकों को लोकतांत्रिक तरीकों से अपनी चिंताएं उठाने से रोका जाना चाहिए और सरकार से उनके प्रतिनिधियों के साथ बातचीत करने का आग्रह किया।

अमित शाह को भी संजय राउत ने लिखा था खत

हाल ही में संजय राउत ने केंद्र सरकार पर महाराष्ट्र के सहकारी क्षेत्र के साथ अन्याय करने का आरोप लगाया था। 20 अगस्त को संजय राउत ने केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह को पत्र लिखकर राष्ट्रीय सहकारी विकास निगम (संशोधन) विधेयक, 2026 के पारित होने और मुंबई में राष्ट्रीय शहरी सहकारी वित्त विकास निगम (एनयूसीएफडीसी) कार्यालय के उद्घाटन पर चिंता व्यक्त की थी। संजय राउत की ओर से लिखे गए पत्र की प्रति मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस और राष्ट्रीय सहकारी समिति अध्यक्ष शरद पवार को भी भेजी गई थी। राउत ने शहरी सहकारी बैंकिंग परिसंपत्तियों से संबंधित मंत्रालय के हालिया निर्णयों पर अपनी प्रमुख आपत्तियां रखी थीं। राउत ने कहा था कि उन्होंने जानबूझकर पत्र मराठी में लिखा है ताकि जनता समझ सके कि उनके शब्दों में, महाराष्ट्र के शहरी सहकारी बैंकिंग क्षेत्र के साथ किस प्रकार 'अन्याय किया जा रहा है।' अब आपकी सरकार ने फैसला किया है कि ओला, उबर और 'रैपिडो ऐप' के ज़रिए बाइक टैक्सी सेवाएं शुरू की जाएंगी। इन 'रैपिडो' बाइक टैक्सियों का सबसे ज़्यादा असर कई शहरों के पर्यटन स्थलों पर रिक्शा चालकों पर पड़ेगा। 'रैपिडो' बाइक टैक्सियों को लेकर परिवहन मंत्रालय का फ़ैसला राज्य भर के बेरोजगार मराठी रिक्शा चालकों को आत्महत्या की ओर धकेल रहा है। उन्होंने आरोप लगाया था कि विधेयक जल्दबाजी में पारित किया गया था और एनयूसीएफडीसी के माध्यम से महाराष्ट्र और गोवा के शीर्ष शहरी सहकारी बैंक की संपत्ति को उसके सदस्यों की सहमति के बिना जब्त कर लिया गया था। उन्होंने इसे महाराष्ट्र के सहकारी आंदोलन पर सीधा हमला बताया था।

प्रताप सरनाइक से अपील

राउत ने अब सरनाइक से अपील की है कि वे इस पॉलिसी पर फिर से विचार करें और राज्य में बाइक टैक्सी सर्विस को बढ़ाने से पहले ऑटो-रिक्शा ड्राइवरों की चिंताओं पर ध्यान दें। 2025 में, महाराष्ट्र ने राज्य में गैर-कानूनी बाइक टैक्सी सर्विस के खिलाफ सख्त कदम उठाए। मंत्री सरनाइक ने इस बात पर जोर दिया कि कमर्शियल तौर पर गाड़ियां चलाने के लिए सही परमिट की जरूरत होती है। इस मुहिम के तहत, एक घटना में 138 जगहों पर छापेमारी करके 72 गाड़ियां ज़ब्त की गईं और आरटीओ व पुलिस के साथ मिलकर कार्रवाई की गई। खास बात यह है कि मोटर व्हीकल एक्ट, 1988 की धारा 93 के तहत, किसी भी पैसेंजर ट्रांसपोर्ट सर्विस को चलाने के लिए वैलिड परमिट लेना ज़रूरी है। हालांकि, यह पाया गया कि कुछ ऐप-बेस्ड कंपनियां और ड्राइवर इन नियमों का खुलेआम उल्लंघन कर रहे हैं और गैर-कानूनी ट्रांसपोर्ट एक्टिविटीज़ में शामिल हैं।

गजब! दिल्ली सरकार की 12,399 गाड़ियों का प्रदूषण प्रमाणपत्र ही नहीं

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली में प्रदूषण से निपटने के लिए सरकार की ओर से लगातार किए जा रहे प्रयासों के बीच 'दिया तले अंधेरा' वाली स्थिति सामने आई है। राष्ट्रीय हरित अधिकरण (एनजीटी) में सुनवाई के दौरान सामने आया कि दिल्ली सरकार की 12,399 गाड़ियों के पास वैध प्रदूषण नियंत्रण प्रमाणपत्र (पीयूसी) ही नहीं है। मामले में एनजीटी ने बिना वैध प्रमाणपत्र वाले सरकारी वाहनों के खिलाफ सख्त कार्रवाई के निर्देश दिए हैं। एनजीटी ने सरकारी और सरकारी कार्यों में लगी किराये की गाड़ियों में प्रदूषण नियंत्रण प्रमाणपत्र की अनदेखी को गंभीरता से लिया। यह सुनवाई जितेंद्र महाजन की ओर से दायर याचिका पर हुई। परिवहन विभाग ने अधिकरण को बताया कि वाहनों की निगरानी करने वाले कैमरे और सॉफ्टवेयर सरकारी तथा निजी वाहनों में किसी प्रकार का भेदभाव नहीं करते हैं।

कैमरे के सामने आते ही स्वतः बनता है चालान

परिवहन विभाग ने एनजीटी को बताया कि बिना वैध प्रदूषण प्रमाणपत्र वाले वाहनों के लिए व्यवस्था में रोक लगाई गई है। ऐसे वाहन के कैमरे के सामने आते ही उसकी पहचान हो जाती है और प्रणाली के माध्यम से स्वतः चालान जारी हो जाता है। विभाग ने स्पष्ट किया कि यह व्यवस्था सरकारी और निजी दोनों प्रकार के वाहनों पर समान रूप से लागू होती है। एनजीटी ने निर्देश दिए कि नियमों का केवल कागजों पर नहीं, बल्कि जमीनी स्तर पर भी सख्ती से पालन सुनिश्चित किया जाए। अधिकरण ने कहा कि बिना वैध प्रदूषण नियंत्रण प्रमाणपत्र के कोई भी सरकारी वाहन सड़क पर नहीं उतरना चाहिए। इसके साथ ही अधिकरण ने संबंधित विभाग को नियमों का प्रभावी पालन सुनिश्चित करने के निर्देश देते हुए मामले का निपटारा कर दिया।

दिल्ली की जेलों में बंद गैंगस्टर्स पर कसेगा शिकंजा

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। दिल्ली की जेलों में बंद कुख्यात गैंगस्टरों और हाई रिस्क विचाराधीन कैदियों पर अब और शिकंजा कसने की तैयारी है। दिल्ली सरकार ऐसे कैदियों को जरूरत पढ़ने पर दूसरे राज्यों की जेलों में भेजने की तैयारी कर रही है, ताकि उनका वर्चस्व तोड़ा जा सके। इसके लिए सरकार ट्रांसफर ऑफ प्रिजनर्स (पंजाब अमेडमेंट) एक्ट, 2025 को दिल्ली में लागू करने की तैयारी कर रही है। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि इसका मकसद जेल सुरक्षा, कानून व्यवस्था और सार्वजनिक हित को ध्यान में रखते हुए ऐसे कैदियों के अंतरराज्यीय स्थानांतरण को संभव बनाना और संगठित अपराध से निपटने में राज्यों के बीच सहयोग को मजबूत करना है। दरअसल, मौजूदा व्यवस्था में विचाराधीन गैंगस्टरों और कुख्यात अपराधियों को दिल्ली से दूसरे राज्य की जेल में भेजना संभव नहीं है। ट्रांसफर ऑफ प्रिजनर्स एक्ट, 1950 के तहत अंतरराज्यीय ट्रांसफर का प्रावधान आरोप साबित हो चुके कैदियों के लिए है। वहीं, विचाराधीन कैदियों का मामला संबंधित ट्रायल कोर्ट के रिमांड वारंट और रिजनर्स एक्ट, 1900 के तहत आता है, जो राज्य के भीतर कैदियों के ट्रांसफर की अनुमति देता है। इस कमी को दूर करने के लिए पंजाब सरकार ने ट्रांसफर ऑफ प्रिजनर्स (पंजाब अमेडमेंट) एक्ट, 2025 पेश किया था। इसे 21 अप्रैल 2025 को राष्ट्रपति की मंजूरी मिली थी। इसमें सुरक्षा, कानून-व्यवस्था या जनहित के आधार पर विचाराधीन कैदियों को भी एक राज्य से दूसरे राज्य की जेल में भेजने का प्रावधान किया गया है। दिल्ली सरकार अब इसी संशोधित व्यवस्था को राजधानी में लागू करने का प्रस्ताव लाई है। सरकार का कहना है कि कुछ कुख्यात विचाराधीन कैदी जेल मे रहते हुए भी स्थानीय नेटवर्क और दूसरे गिरोहों से संपर्क बनाए रखते है। इससे वे अपने आपराधिक गठजोड़ को बढ़ाने की कोशिश कर सकते है। ऐसे कैदियों के बीच गैंगवॉर मामले भी सामने आते रहते हैं। सरकार के अनुसार, ऐसे कैदियों को दिल्ली से बाहर की जेलों में भेजने से गवाहों को प्रभावित करने और मुकदमे की कार्रवाई में बाधा डालने की उनकी क्षमता कम की जा सकती है। वही, मॉडल प्रिजन एड करेक्शनल सर्विसेज एक्ट, 2023 की धारा 20 में भी कैदियों के एक राज्य से दूसरे राज्य में ट्रांसफर का प्रावधान है। इसमें विचाराधीन कैदी को भी दूसरे राज्य की जेल में भेजने की व्यवस्था है। इसके लिए ट्रायल कोर्ट की सहमति जरूरी बताई गई है। दिल्ली में इस सशोधित कानून के लागू होने से इससे जेल सुरक्षा और प्रबंधन मजबूत होगा।

'बहू चुपचाप सब देखती रही', सॉफ्टवेयर इंजीनियर विनय हत्याकांड में पिता ने लगाए गंभीर आरोप

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। सॉफ्टवेयर इंजिनियर विनय गुप्ता (31) की हत्या में गिरफ्तार चारों आरोपियों को निहाल विहार पुलिस ने भले ही जेल भेज दिया है। लेकिन विनय के परिवार वालों का कहना है कि दो आरोपी अभी भी फरार हैं। जिनमें एक मृतक विनय का ससुर और उनका चचेरा भाई है। विनय की बहन कीर्ति और उनके पति दिव्यांश ने कहा कि उन्होंने 5 महीने 10 दिन के दो जुड़वा बच्चों को इसलिए अपनी सुपुर्दगी में लिया है, क्योंकि उन बच्चों का ससुराल में रहना खतरे से खाली नहीं था। विनय की मां ने बताया कि दोनों जुड़वा बच्चों की दवाई को लेकर पति-पत्नी में झगड़ा शुरू हुआ था। पोते की आंख के पास कोई दाग हो गया था, जिसके लिए दवाई लगाने के लिए विनय ने बोला था। इसी बात पर विवाद हुआ और फिर मामला बढ़ गया। पहले भी बहू के भाई आए थे और जान से मारने की धमकी देकर गए थे। उन्होंने आरोपियों को फांसी देने की मांग की।

साढ़े तीन साल पहले हुई थी शादी

विनय की शादी लगभग साढ़े 3 साल पहले रेखा से हुई थी। इसी 17 मार्च उनके जुड़वा बच्चे हुए थे। विनय की छोटी बहन स्वाती ने बताया कि दो मंजिला मकान के सेकंड फ्लोर पर भैया और भाभी बच्चों के साथ रहते थे। छोटी-छोटी बातों को लेकर भाभी विवाद करती थी। बात-बात पर मायके वालों को बुलाने की धमकी देती थी। विनय की मां रेनू ने कहा कि वह, उनके पति और बेटी फर्स्ट फ्लोर पर रहते थे। बहू खाना अलग बनाती थी। दो दिन पहले भी बहू और बेटे के बीच कुछ अनबन हुई थी। जिसके बाद विनय 2 दिन से अपने फ्लैट पर सोने भी नहीं जा रहा था। वारदात वाले दिन वह नहाने के लिए कपड़ा लेने गया था। तब भी बहू से उसकी कोई बात हुई। इसके बाद पता नहीं चला, क्या हुआ। बहू निकलकर घर से चली गई और बाद में फिर अपने दो भाई, पिता सहित कई लोगों को लेकर घर आ गई। वह पानी और नाश्ता लेने गईं। इसी बीच में बहू के दोनों भाइयों ने विनय पर हमला शुरू कर दिया। बाकी जो लोग थे, उन्होंने विनय का हाथ पकड़ लिया था।

'बहू सब कुछ चुपचाप देखती रही'

विनय के पिता ने कहा हमने काफी प्रयास किया की वह लोग विनय को छोड़ दें, लेकिन वह नहीं माने। एक ने बेटे का गला दबा दिया, दूसरा छाती पर चढ़ गया। जिस कारण विनय की मौत हो गई। इस दौरान बहु वही थी। वह बस चुपचाप सब कुछ देखती रही। विनय की मां का कहना है कि बहु ने पूरी प्लानिंग के साथ बेटे की हत्या कराई।

दिल्ली में 5 साल से अटके अस्पतालों के लिए 426 करोड़ रुपये मंजूर, 691 बेड की होगी व्यवस्था

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। पांच साल से निर्माणाधीन पड़े दो अस्पतालों के अधूरे काम को पूरा करने का रास्ता साफ हो गया है। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने मादीपुर और ज्वालापुरी में बन रहे दोनों अस्पतालों के बचे हुए काम को पूरा करने के लिए 426.53 करोड़ रुपये को मंजूरी दे दी है। दोनों अस्पतालों के बनने से कुल 1382 नए बेड बढ़ेंगे। इससे नांगलोई, पश्चिमी दिल्ली, मादीपुर, ज्वालापुरी के आसपास रहने वाली 20 लाख आबादी वाले क्षेत्रों को फायदा होगा। मादीपुर और ज्वालापुरी अस्पताल का अभी तक 65 फीसदी काम पूरा हुआ है। दोनों ही 691-691 बैंड के अस्पताल बनाए जाने हैं। साल 2019 में दोनों अस्पतालों के निर्माण को मंजूरी दी गई थी। 2022 में इनके डिजाइन में

बदलाव के साथ दो अतिरिक्त मंजिल के निर्माण के चलते यह काम अटक गया। अब इसकी लागत में इजाफा हुआ है। मादीपुर अस्पताल को बनाने की शुरुआती लागत 320 करोड़ रुपये आंकी गई थी। आधे से अधिक बजट खर्च हो चुका है, लेकिन अभी तक 65 फीसदी फिजिकल वर्क पूरा हुआ है। अब इसके बचे हुए काम को पूरा करने के लिए 203 करोड़ रुपये की जरूरत है। यानी अब कुल लागत 466.50 करोड़ रुपये हो गई है।

ज्वालापुरी अस्पताल में भी पैसे को और जरूरत

इसी तरह ज्वालापुरी अस्पताल की भी शुरुआती लागत 319.65 करोड़ रुपये थी। अब इसकी लागत बढ़कर 484.04 करोड़ रुपये हो गई है। अब तक 260.51 करोड़ रुपये खर्च हो चुके हैं। अब बचे हुए काम को पूरा करने के लिए 223.53 करोड़ रुपये और लगेंगे। अब दोनों अस्पतालों के अधूरे काम को पूरा करने में दो साल और लगेंगे। 6 महीने प्लानिंग करने और 18 महीने उसे लागू करने में लगेंगे।

MBBS की सीट के नाम पर 90 लाख की ठगी

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। सफदरजंग अस्पताल में बेटे को एमबीबीएस की सरकारी सीट दिलाने का झांसा देकर हरिद्वार निवासी एक पूर्व सैन्य अधिकारी से 90 लाख रुपये की कथित ठगी का मामला सामने आया है। आरोप है कि मनोज नामक व्यक्ति ने खुद को रेडियोलॉजिस्ट और राष्ट्रीय चिकित्सा आयोग (एनएमसी) का सदस्य बताकर पीड़ित को भरोसे में लिया। दोनों की मुलाकात 20 जुलाई 2025 को कनॉट प्लेस स्थित हनुमान मंदिर में हुई थी। शिकायत के अनुसार, आरोपी ने दाखिले के लिए 90 लाख रुपये की मांग की। पीड़ित ने 7.50 लाख रुपये ऑनलाइन भेजे, जबकि 82.50 लाख रुपये नकद दिए। रकम जुटाने के लिए उन्होंने अपना मकान बेचने, पेंशन निधि लगाने और परिवार से उधार लेने की बात कही है। आरोप है कि नकद राशि कनॉट प्लेस के डी-ब्लॉक पार्किंग के पास एक रेस्तरां के नजदीक दी गई।

तमिलनाड़ में 1.30 करोड़ परिवारों को मिलेंगे सालाना 3 मुफ्त एलपीजी सिलेंडर

-विजय सरकार ने 'अन्नपूर्णी सुपर 6' योजना का किया ऐलान

चेन्नई, एजेंसी।
तमिलनाडु के मुख्यमंत्री सी. जोसेफ विजय ने सोमवार को विधानसभा में 'अन्नपूर्णी सुपर 6' योजना शुरू करने की घोषणा की। इसके तहत राज्य की महिला परिवार मुखियाओं को हर साल तीन मुफ्त एलपीजी सिलेंडर उपलब्ध कराए जाएंगे। योजना की शुरुआत आगामी जनवरी में पोंगल पर्व से होगी। सरकार ने इसके लिए करीब 4,000 करोड़ रुपये सालाना बजटीय प्रावधान करने की बात कही है। योजना से 1.30 करोड़ से अधिक पात्र परिवारों को लाभ मिलने की उम्मीद है।

मुख्यमंत्री विजय के मुताबिक योजना के तहत एलपीजी सिलेंडर की बुकिंग और डिलीवरी के बाद उसकी कीमत सीधे लाभार्थी महिला के बैंक खाते में डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर (डीबीटी) के जरिए वापस की जाएगी। इसके लिए तेल विपणन कंपनियों की आधिकारिक बिलिंग को आधार बनाया जाएगा।

2.5 लाख रुपये तक वार्षिक आय वालों को लाभ

'अन्नपूर्णी सुपर 6' योजना का लाभ उन परिवारों को मिलेगा, जिनकी वार्षिक आय 2.5 लाख रुपये से अधिक नहीं है। इसके अलावा आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों, छोटे एवं सीमांत किसानों तथा दिव्यांग व्यक्तियों के परिवारों को भी योजना के दायरे में शामिल किया जाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि खाड़ी क्षेत्र में संघर्षों के कारण वैश्विक आपूर्ति व्यवस्था प्रभावित हुई और कीमतों में वृद्धि से पिछले चार महीनों में परिवारों पर आर्थिक दबाव बढ़ा है। इसके चलते कई परिवार वैकल्पिक ईंधन का इस्तेमाल करने को मजबूर हुए। सरकार का उद्देश्य एलपीजी पर होने वाले खर्च की भरपाई कर परिवारों का आर्थिक बोझ कम करना है।

महिलाओं के लिए मुफ्त बस यात्रा का दायरा बढ़ेगा

मुख्यमंत्री ने सामाजिक सुरक्षा और आवागमन से जुड़ी 'वेट्री पयानम' योजना के विस्तार की भी घोषणा की। इसके तहत महिलाओं और ट्रांसजेंडर यात्रियों के लिए सरकारी बसों में मुफ्त यात्रा की सुविधा बढ़ाई जाएगी। योजना 2 अक्टूबर से लागू होगी। इसके तहत महानगरों और शहरी क्षेत्रों में चलने वाली एक्सप्रेस, लिमिटेड स्टॉप सर्विस और डीलक्स सरकारी बसों में महिलाएं और ट्रांसजेंडर यात्री मुफ्त यात्रा कर सकेंगे। जिलों के बीच आवागमन के लिए मुफस्सिल और पहाड़ी क्षेत्रों में चलने वाली सामान्य किराया वाली बसों में भी यह सुविधा उपलब्ध होगी। सरकार के अनुसार 'वेट्री पयानम' के क्रियान्वयन पर करीब 6,000 करोड़ रुपये सालाना खर्च होने का अनुमान है। इस योजना में आय की कोई सीमा नहीं होगी और मुफ्त यात्राओं की संख्या पर भी कोई प्रतिबंध नहीं लगाया जाएगा।

महिला सशक्तीकरण पर जोर

मुख्यमंत्री ने 'वेट्री विजन डॉक्यूमेंट' के तहत महिला सुरक्षा, सामाजिक प्रगति और आजीविका को मजबूत करने के लिए विभिन्न योजनाओं के लिए बजटीय प्रावधान किए जाने की जानकारी दी। इनमें 'सिंगा पेन' स्पेशल टास्क फोर्स, 'थैमामन थंगामोथिरम', 'वेट्री मगलिर आडुगल वलरप्पु' और 'अन्नानिन सीर' जैसी योजनाएं शामिल हैं। सरकार ने कहा कि इन पहलों का उद्देश्य महिलाओं को आर्थिक और सामाजिक रूप से अधिक सशक्त बनाना है।

दिल्ली में स्वाइन फ्लू और मौसमी बीमारियों को लेकर स्वास्थ्य मंत्री ने बुलाई बैठक

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली में स्वाइन फ्लू और वेक्टर जनित बीमारियों की मौजूदा स्थिति और रोकथाम की तैयारियों को लेकर स्वास्थ्य मंत्री पंकज सिंह ने सोमवार को उच्च स्तरीय बैठक बुलाई है। स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों के साथ होने वाली इस बैठक में बीमारियों की रोकथाम और नियंत्रण के लिए किए जा रहे उपायों, अस्पतालों की तैयारियों, निगरानी व्यवस्था और संभावित मामलों को लेकर विभागीय तैयारियों पर चर्चा होने की संभावना है। बैठक में खास तौर पर स्वाइन फ्लू, डेंगू, मलेरिया और चिकनगुनिया जैसी बीमारियों की स्थिति पर नजर रखने और इनके प्रसार को रोकने के लिए उठाए जा रहे कदमों की समीक्षा की जाएगी। स्वास्थ्य मंत्री अधिकारियों से मौजूदा स्थिति की जानकारी लेने के साथ-साथ आने वाले दिनों में बीमारियों की रोकथाम के लिए फील्ड स्तर पर निगरानी और स्वास्थ्य विभाग की तैयारियों को और मजबूत करने को लेकर भी दिशा-निर्देश दे सकते हैं।
दिल्ली में मानसून के दौरान वेक्टर जनित बीमारियों का खतरा बढ़ने को देखते हुए सरकार की ओर से इस बैठक को अहम माना जा रहा है। इससे पहले सफदरजंग अस्पताल ने अपने एक बयान में कहा कि अस्पताल स्वाइन फ्लू और मौसमी बीमारियों से निपटने के लिए तैयार है। बयान में कहा गया कि मरीज की जरूरत और मौजूदा गाइडलाइंस के हिसाब से इलाज किया जाता है, साथ ही अस्पताल मामलों पर नजर रखता है और जरूरी इंतजाम बनाए रखता है। बता दें हाल के हफ्तों में दिल्ली में स्वाइन फ्लू के मामलों में तेजी से बढ़ोतरी हुई है। स्वास्थ्य विभाग के आंकड़ों के मुताबिक इस साल दिल्ली में एच1एन1 के 1,777 से ज्यादा मामले सामने आए हैं, जबकि राजधानी में इन्फ्लूएंजा-ए के भी 2,300 से ज्यादा मामले दर्ज हुए हैं।

महाराष्ट्र में रिक्शा चला रहे हजारों युवकों को आजीविका से वंचित करना उचित नहीं

मुंबई (एजेंसी)। शिवसेना (यूबीटी) के सांसद संजय राउत ने महाराष्ट्र के परिवहन मंत्री प्रताप सरनाईक को पत्र लिखा है। पत्र के जरिए परिवहन मंत्री से अपील की है कि रैपिडो, ओला और उबैर के चलते राज्य में हजारों की संख्या में रिक्शा चला रहे मराठी युवकों को आजीविका से वंचित करना उचित नहीं है। राउत ने पत्र में लिखा- महोदय, राज्य के कुछ मंत्रियों के रैपिडो कंपनी के साथ वित्तीय और व्यावसायिक संबंध हैं। रैपिडो ने अब तक दही हांडी, गणेशोत्सव और कुछ मंत्रियों के सांस्कृतिक कार्यक्रमों को प्रायोजित किया है और करोड़ों रुपए दिए हैं। कुछ मंत्रियों को चुनाव के लिए भी धनराशि दी है। इसलिए ऐसा लगता है कि हजारों रिक्शा चालकों को इनके नाम पर फंसाकर एहसान चुकाने की कोशिश की जा रही है। संजय राउत ने आगे लिखा- जब महाराष्ट्र के वर्तमान उपमुख्यमंत्री का मूल पेशा ही रिक्शा चालक है, तो इस राज्य के रिक्शा चालकों की आजीविका छीनना उचित नहीं है। मैं इस मुद्दे पर रिक्शा चालक संघर्ष समिति के प्रतिनिधिमंडल के साथ आपसे मिलना चाहता हूं। उचित समय और स्थान की जानकारी दें। कृपया मुझे सूचित करें। हाल ही में संजय राउत ने केंद्र सरकार पर महाराष्ट्र के सहकारी क्षेत्र के साथ अन्याय करने का आरोप लगाया था। 20 अगस्त को संजय राउत ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को पत्र लिखकर राष्ट्रीय सहकारी विकास निगम (संशोधन) विधेयक, 2026 के पारित होने और मुंबई में राष्ट्रीय शहरी सहकारी वित्त विकास निगम कार्यालय के उद्घाटन पर चिंता व्यक्त की थी। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक संजय राउत की ओर से लिखे गए पत्र की प्रति सीएम देवेंद्र फडणवीस और शरद पवार को भी भेजी गई थी। राउत ने शहरी सहकारी बैंकिंग परिसंपत्तियों से संबंधित मंत्रालय के हालिया फैसलों पर आपत्तियां रखी थीं। राउत ने कहा था कि उन्होंने जानबूझकर पत्र मराठी में लिखा है ताकि जनता समझ सके कि उनके शब्दों में, महाराष्ट्र के शहरी सहकारी बैंकिंग क्षेत्र के साथ किस प्रकार अन्याय किया जा रहा है। उन्होंने आरोप लगाया था कि विधेयक जल्दबाजी में पारित किया गया था और एनयूसीएफडीसी के जरिए महाराष्ट्र और गोवा के शीर्ष शहरी सहकारी बैंक की संपत्ति को उसके सदस्यों की सहमति के बिना जब्त कर लिया गया था। उन्होंने इसे महाराष्ट्र के सहकारी आंदोलन पर सीधा हमला बताया था।

बारिश का कहर : सोनभद्र में कनहर बांध के फाटक खुले, हिमाचल में 125 सड़कें बंद

सोनभद्र (एजेंसी)। उत्तर भारत में लगातार हो रही भारी बारिश ने जनजीवन को अस्त-व्यस्त किया है। सोनभद्र जिले में कनहर सिंचाई परियोजना के कैचमेंट एरिया में लगातार वर्षा के चलते अमवार स्थित कनहर बांध का जलस्तर तेजी से बढ़ा है, वहीं हिमाचल प्रदेश भी बारिश और भूस्खलन की चपेट में है, जहां 125 से अधिक सड़कें बंद हो गई हैं। सोनभद्र में कनहर बांध का जलस्तर 262.350 मीटर पर पहुंचने के बाद, पानी के दबाव को नियंत्रित करने के लिए सिंचाई विभाग ने तत्परता दिखाकर बांध के छह फाटक (संख्या 2, 4, 5, 6, 11 और 13) खोल दिए हैं। फाटकों के खुलने से कनहर नदी के डाउनस्ट्रीम में पानी का बहाव बेहद तेज हो गया है और नदी उफान पर है। प्रशासन ने तटीय और डूब क्षेत्रों में आम लोगों तथा मवेशियों के जाने पर पूरी तरह रोक लगा दी है।

मधेपुरा के सिंहेश्वर धाम में भगदड़, छह श्रद्धालु घायल, सावन के आखिरी सोमवार को हुआ हादसा

पटना (एजेंसी)। मधेपुरा के प्रसिद्ध सिंहेश्वर धाम में सावन की अंतिम सोमवारी पर बड़ा हादसा होते-होते बचा। मंदिर में दर्शन और जल चढ़ाने आए श्रद्धालुओं की भारी भीड़ के कारण मुख्य द्वार पर भगदड़ मच गई, जिसमें कम से कम छह श्रद्धालु घायल हो गए। यह घटना सोमवार सुबह लगभग 6:25 से 7 बजे के बीच उस समय हुई जब भोले बाबा को जल अर्पित करने के लिए हजारों की संख्या में भक्त मंदिर पहुंचे थे। घायलों को इलाज के लिए मधेपुरा मेडिकल कॉलेज अस्पताल में भर्ती कराया गया है। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, सुबह से ही मंदिर परिसर में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ पड़ी थी। जैसे ही मुख्य प्रवेश द्वार पर भीड़ का दबाव बढ़ा, कुछ लोगों ने नियंत्रण खो दिया और अफरा-तफरी मच गई। स्थिति भगदड़ में बदल गई, और इस दौरान कुछ श्रद्धालु नीचे गिर गए। भीड़ के दबाव में दबने से कई लोगों को चोटें आईं।
सूचना के अनुसार, इस घटना में चार महिलाएं और दो पुरुष समेत कुल आधा दर्जन श्रद्धालु घायल हुए हैं। उन्हें तत्काल मधेपुरा मेडिकल कॉलेज अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां सभी का इलाज जारी है। डॉक्टरों के अनुसार, सभी घायलों की हालत स्थिर है और खतरे से बाहर है। मौके पर पहले से ही पुलिस और प्रशासनिक अधिकारी मौजूद थे। स्थिति बिगड़ते देख सुरक्षाकर्मियों ने तुरंत मोर्चा संभाला। स्थानीय संगठनों के कार्यकर्ताओं ने भी पुलिस का सहयोग किया और भीड़ को नियंत्रित करने में मदद की। उन्होंने गिरे हुए लोगों को उठाया और घायल श्रद्धालुओं को भीड़ से सुरक्षित बाहर निकालकर मेडिकल सहायता उपलब्ध कराई। सावन की अंतिम सोमवारी को देखते हुए प्रशासन ने पहले से ही बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के आने का अनुमान लगाया था। जिला प्रशासन की ओर से सुरक्षा व्यवस्था के पुख्ता इंतजाम किए गए थे और स्वयं जिलाधिकारी व पुलिस अधीक्षक भी मंदिर की व्यवस्था पर लगातार नजर बनाए हुए थे। हालांकि, सुबह अचानक मुख्य गेट पर भीड़ का अत्यधिक दबाव बढ़ जाने से स्थिति नियंत्रण से बाहर हो गई। सुरक्षाकर्मियों की त्वरित कार्रवाई के कारण स्थिति को जल्द ही संभाल लिया गया और किसी बड़े हादसे को टाल दिया गया।

क्लोरीन गैस लीक होने से 40 लोग प्रभावित, सांस लेने में हो रही थी दिक्कत

-सभी को अस्पताल में कराया भर्ती, 5 गंभीर को आईसीयू में किया शिफ्ट

नागपुर, एजेंसी।
नागपुर में क्लोरीन गैस लीक होने की वजह से 40 लोगों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। बताया जा रहा है कि इन सभी लोगों को सांस लेने में दिक्कत हो रही थी। मामले की सूचना मिलते ही प्रशासन ने राहत एवं बचाव कार्य शुरू कर दिया। प्रभावित क्षेत्र के लोगों को अस्?पताल में भर्ती कराया गया है, जिनमें से 5 लोगों को आईसीयू में रखा गया है।
जानकारी के मुताबिक नागपुर के गोधनी इलाके में सोमवार को वाटर ट्रीटमेंट प्?लांट से क्लोरीन गैस लीक होने के बाद हड़कंप मच गया। गोधनी नगर पंचायत द्वारा संचालित वाटर ट्रीटमेंट प्लांट में गैस रिसाव की घटना के बाद करीब 40 लोगों को सांस लेने में दिक्कत हुई। प्रभावित लोगों में संयंत्र के 8 से 10 कर्मचारी और आसपास रहने वाले 20 से 25 लोग शामिल हैं। गैस रिसाव के बाद लोगों को अस्पताल पहुंचाया। इनमें से 5 की हालत गंभीर बताई जा रही है, जिन्हें आईसीयू में रखा है। वहीं, अन्य मरीजों का अस्पताल में इलाज चल रहा है। उनपर नजर रखी जा रही है। घटना की सूचना मिलते ही दमकल विभाग और पुलिस की टीमें मौके पर पहुंचीं और राहत एवं बचाव अभियान शुरू किया। गैस के प्रभाव को नियंत्रित करने के साथ ही आसपास के इलाके में सुरक्षा व्यवस्था बढ़ा दी गई है। एहतियात के तौर पर नजदीकी क्षेत्र में रहने वाले लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया जा रहा है।

पेपर लीक रोकने के लिए बिहार सरकार ने बनाई समिति

पटना, एजेंसी।
बिहार की सम्राट चौधरी सरकार ने राज्य में परीक्षाओं की शुचिता सुनिश्चित करने और पेपर लीक जैसी गंभीर समस्याओं पर स्थायी रोक लगाने के लिए एक बड़ा और ऐतिहासिक कदम उठाया है। रविवार को परीक्षाओं में व्यापक सुधारों की अनुशंसा के लिए पांच सदस्यीय विशेषज्ञ समिति के गठन की आधिकारिक अधिसूचना जारी कर दी गई है। यह उच्च स्तरीय समिति विभिन्न परीक्षा बोर्डों, आयोगों, विश्वविद्यालयों और अन्य भर्ती एजेंसियों द्वारा ली जाने वाली समस्त परीक्षा प्रक्रियाओं में सुधार के लिए विस्तृत अनुशंसाएँ प्रस्तुत करेगी। इस समिति की अध्यक्षता सुप्रीम कोर्ट के सेवानिवृत्त न्यायाधीश या हाईकोर्ट के सेवारत अथवा सेवानिवृत्त न्यायाधीश करेंगे, जिससे इसकी निष्पक्षता और गंभीरता सुनिश्चित हो सकेगी। समिति को तीन माह के भीतर अपनी अनुशंसाएं राज्य सरकार को सौंपने का निर्देश दिया गया है। यह समिति परीक्षा कैलेंडर के निर्माण, प्रश्न पत्रों में सुधार, परीक्षा सुरक्षा को मजबूत करने और पेपर लीक की रोकथाम के प्रभावी उपायों को लेकर भी महत्वपूर्ण सुझाव देगी।

इस समिति द्वारा परीक्षा संचालन, प्रश्न-पत्र निर्माण, मूल्यांकन, परिणाम घोषणा और शिकायत निवारण सहित पूरी प्रक्रिया में पारदर्शिता एवं जवाबदेही बढ़ाने के लिए व्यापक अनुशंसाएं की जाएंगी। प्रश्न-पत्र एवं उत्तर पुस्तिकाओं की सुरक्षित ट्रैकिंग के लिए चेन ऑफ कस्टडी प्रोटोकॉल विकसित करने पर भी विशेष विचार किया जाएगा, ताकि हर स्तर पर उनकी सुरक्षा सुनिश्चित हो सके। समिति परीक्षा केंद्रों की सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत करने, अभ्यर्थियों की बायोमेट्रिक सत्यापन प्रणाली लागू करने, सीसीटीवी निगरानी को अनिवार्य बनाने तथा जरूरत पड़ने पर परीक्षाओं की फोरेंसिक जांच की अनुशंसा भी कर सकती है, जिससे किसी भी प्रकार की धांधली की गुंजाइश खत्म हो सके। विशेषज्ञ समिति परीक्षाओं, मूल्यांकन और परिणामों की घोषणा में होने वाली देरी के कारणों की समीक्षा करेगी तथा एक राज्य परीक्षा कैलेंडर तैयार करने की अनुशंसा करेगी। इस कैलेंडर में विज्ञापन जारी करने से लेकर आवेदन प्रक्रिया, प्रवेश-पत्र निर्गमन, परीक्षा आयोजन, प्रोविजनल उत्तर कुंजी का प्रकाशन, आपत्तियों का निपटारा, अंतिम उत्तर कुंजी का प्रकाशन, मूल्यांकन, परिणाम की घोषणा तथा जांच/पैनल मूल्यांकन और अनुशंसा भेजने के लिए अधिकतम समय-सीमा निर्धारित करने का प्रावधान किया जा सकता है। इससे परीक्षाओं में अनावश्यक देरी पर लगाम लगेगी और छात्रों को समय पर परिणाम मिल सकेंगे। प्रश्न-पत्रों की तैयारी की पूरी प्रक्रिया की व्यापक समीक्षा की जाएगी।

अमरावती के सरकारी अस्पताल में आग, वेंटिलेटर फटा 3 शिशुओं की मौत

अमरावती, एजेंसी।
महाराष्ट्र के अमरावती जिले में स्थित एक सरकारी अस्पताल में एक दर्दनाक हादसा सामने आया है। यहां के नवजात शिशु गहन चिकित्सा इकाई (एनआईसीयू) में आग लगने से कम से कम तीन नवजात शिशुओं की मौत हो गई। जिंदगी की शुरुआत करने वाले इन नवजात शिशुओं ने अभी अपनी मां को जीभर कर देखा भी नहीं होगा कि इस दर्दनाक हादसे ने उनकी जान ले ली। बताया जा रहा है कि यह आग नियोनेटल यूनिट में एक वेंटिलेटर में विस्फोट होने के कारण लगी। यह भयावह घटना बुधवार तड़के करीब 3:30 बजे हुई।

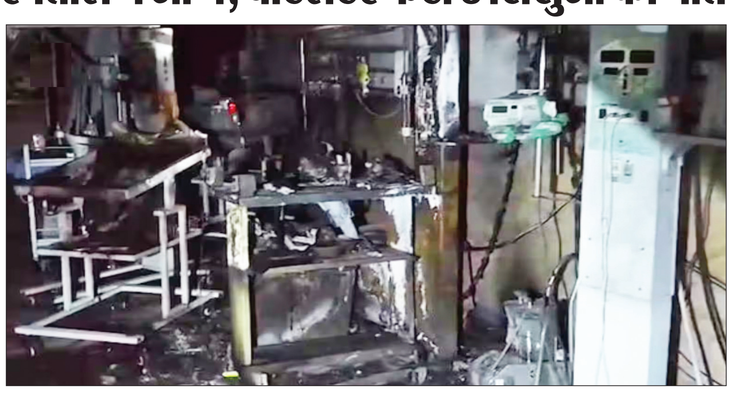

जानकारी के अनुसार, नियोनेटल यूनिट में एक वेंटिलेटर में हुए धमाके के बाद आग तेजी से फैल गई और पूरे वार्ड में धुआं भर गया। उस समय यूनिट में कुल 39 नवजात शिशु भर्ती थे। ड्यूटी पर मौजूद डॉक्टरों और नर्सों ने तुरंत कार्रवाई करते हुए वार्ड को खाली करवाना शुरू कर दिया। इस दौरान छह नवजातों को गंभीर हालत में सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल में स्थानांतरित किया गया है, जहां उनका इलाज चल रहा है। प्रारंभिक रिपोर्टों के अनुसार, तीन नवजातों की मौत दम घुटने की वजह से हुई है। आग इतनी भीषण थी कि एनआईसीयू वार्ड की स्थिति देखकर अंदाजा लगाया जा सकता है। वार्ड में मौजूद बेड, मशीनें और अन्य उपकरण जलकर खाक हो गए, बिस्तर राख के ढेर में बदल गए। अस्पताल के डॉक्टरों और नर्सों ने पूरी कोशिश की कि बच्चों को जल्द से जल्द सुरक्षित निकाला जा सके, लेकिन धुएं की वजह से तीन मासूमों को नहीं बचाया जा सका।घटना की सूचना मिलते ही दमकल की गाड़ियां भी मौके पर पहुंचीं और काफी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया। प्रशासन ने इस पूरे मामले की गहन जांच के आदेश दे दिए हैं। यह पता लगाया जा रहा है कि आग लगने का जिम्मेदार कौन है और अस्पताल में आग बुझाने के लिए क्या इंतजाम थे। अधिकारियों ने आश्वासन दिया है कि जांच के बाद दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

पाकिस्तानी गैंगस्टर की सक्रियता ने पंजाब में बढ़ाई टेंशन

-शहजाद भट्टी निशाने पर, हाई अलर्ट जारी

चंडीगढ़, एजेंसी।
पंजाब में एक बड़ी आतंकवादी घटना की साजिश रचे जाने की गंभीर आशंका ने सुरक्षा एजेंसियों की नींद उड़ा दी है। खुफिया एजेंसियों द्वारा राज्य में हाई अलर्ट जारी कर दिया गया है, जिसमें आशंका जताई जा रही है कि पाकिस्तानी गैंगस्टर शहजाद भट्टी ने भारतीय सैन्य ठिकानों को निशाना बनाने का एक विस्तृत प्लान तैयार किया है। इस खतरनाक योजना के तहत, दो महत्वपूर्ण स्थानों की रेकी भी की जा चुकी है, जिसने सुरक्षा प्रतिष्ठानों में खलबली मचा दी है। हालांकि, इन आशंकाओं को लेकर कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं की गई है, लेकिन खुफिया इनपुट की गंभीरता को देखते हुए पूरे राज्य में सुरक्षा व्यवस्था बढ़ा दी गई है। खुफिया जानकारी के अनुसार, पाकिस्तानी गुर्गे विशेष रूप से अमृतसर जिले में स्थित सैन्य ठिकानों पर हमला करने की फिराक में हैं। यह संवेदनशील जानकारी पंजाब पुलिस सहित देश की अन्य सभी संबंधित सुरक्षा एजेंसियों के साथ साझा की गई है। एजेंसियों को स्पष्ट निर्देश दिए गए हैं कि इस इनपुट को अत्यंत गंभीरता से लिया जाए और तत्काल प्रभाव से सभी संवेदनशील स्थानों, विशेषकर सैन्य प्रतिष्ठानों के आसपास सुरक्षा घेरा मजबूत किया जाए। इस अलर्ट के बाद, सड़कों पर गश्त बढ़ा दी गई है और संदिग्ध गतिविधियों पर कड़ी निगरानी रखी जा रही है। खुलासे के तहत, इन दो संदिग्ध ऑपरेटिव्स की पहचान राणा भाई और मलिक के रूप में हुई है। खुफिया इनपुट के हवाले से बताया गया है कि साजिश के तहत अमृतसर के खासा छावनी और बेस के पास स्थित बूढ़ा ठेह की विस्तृत रेकी की गई है। यह बात और भी चिंताजनक है कि खासा छावनी में कुछ समय पहले ही एक रहस्यमय धमाका हुआ था, हालांकि उस घटना में कोई बड़ा नुकसान नहीं हुआ था और विस्फोट छावनी की बाउंड्री वॉल के पास हुआ था। जांचकर्ताओं को संदेह है कि उस धमाके के तार भी किसी पूर्व नियोजित साजिश से जुड़े हो सकते हैं, लेकिन अब तक पिछली घटना और मौजूदा इनपुट्स के बीच कोई सीधा संबंध स्थापित नहीं हो सका है। सुरक्षा एजेंसियां इन कड़ियों को जोड़ने का प्रयास कर रही हैं।शहजाद भट्टी नेटवर्क के खिलाफ भारत में पहले से ही व्यापक कार्रवाई चल रही है। यह गिरोह धार्मिक और संवेदनशील स्थानों पर हमला करने, साथ ही राजनीतिक नेताओं को निशाना बनाने की साजिशों में शामिल रहा है।

संसद का सत्रावसान अब तक क्यों नहीं? कांग्रेस ने उठाए सवाल

-जयराम बोले- क्या परिसीमन बिल के लिए दो-तिहाई बहुमत जुटाने की कोशिश में लगे हैं अमित शाह?

नई दिल्ली, एजेंसी।
संसद के मानसून सत्र की कार्यवाही 13 अगस्त को अनिश्चित काल के लिए स्थगित किए जाने के बावजूद अब तक सत्रावसान नहीं हुआ है। इसे लेकर कांग्रेस ने केंद्र सरकार पर सवाल उठाए हैं। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने आशंका जताते हुए सवाल किया है, कि क्या केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह अब भी परिसीमन से जुड़े संविधान संशोधन विधेयक को पारित कराने के लिए दो-तिहाई बहुमत जुटाने की कोशिश कर रहे हैं।
कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने कहा कि आमतौर पर लोकसभा की कार्यवाही अनिश्चित काल के लिए स्थगित होने और सत्रावसान के बीच दो से चार दिन का अंतर होता है। हालांकि कई मौकों पर दोनों प्रक्रियाएं एक ही दिन भी हुई हैं। उन्होंने कहा कि इस बार लोकसभा की कार्यवाही स्थगित हुए 10 दिन बीत चुके हैं, लेकिन सत्रावसान को लेकर कोई जानकारी नहीं है।
2015 और 2021 का उदाहरण दिया
कांग्रेस नेता ने सोशल मीडिया पोस्ट में कहा कि 2015 के मानसून सत्र में स्थगन और सत्रावसान के बीच 28 दिन तथा 2021 में 20 दिन का अंतर रहा था। हालांकि, उनका दावा है कि उन मौकों पर मौजूदा जैसी परिस्थितियां नहीं थीं। उन्होंने सवाल किया कि इस बार इतनी असामान्य देरी क्यों हो रही है। ऐसे में जयराम रमेश ने पूछा कि क्या सरकार किसी विशेष सत्र के जरिए परिसीमन पर संविधान संशोधन विधेयक पारित कराने की तैयारी कर रही है और इसके लिए दो-तिहाई बहुमत जुटाने का प्रयास किया जा रहा है। उन्होंने अपने दावे के समर्थन में संसद की कार्यप्रणाली और नियमों पर आधारित एम.एन. कौल और एस.एल. शकधर की पुस्तक 'प्रैक्टिस एंड प्रोसीजर ऑफ पार्लियामेंट' का एक पृष्ठ भी साझा किया है।

राष्ट्रपति के आदेश से होता है सत्रावसान

किताब के हवाले से कांग्रेस नेता ने बताया कि संविधान के अनुच्छेद 85(2) के तहत राष्ट्रपति के आदेश से संसद के सत्र की औपचारिक समाप्ति को सत्रावसान कहा जाता है। राष्ट्रपति इस संबंध में प्रधानमंत्री की सलाह पर कार्य करते हैं। आमतौर पर सदन की बैठक अनिश्चित काल के लिए स्थगित होने के बाद सत्रावसान किया जाता है, हालांकि यह पहले भी हो सकता है।

कांग्रेस ने 543 सीटें स्थिर रखने की मांग की

कांग्रेस ने परिसीमन को लेकर लोकसभा की मौजूदा 543 सीटों की संख्या अगले 25 वर्षों तक स्थिर रखने की मांग दोहराई है। पार्टी का कहना है कि इसी मौजूदा संख्या पर महिलाओं के लिए 33 प्रतिशत आरक्षण लागू किया जाना चाहिए और इसे 2029 के लोकसभा चुनाव से लागू किया जाए। कांग्रेस कार्य समिति ने भी महिला आरक्षण को तत्काल लागू करने के अपने संकल्प को दोहराया है।

अप्रैल में विधेयक नहीं जुटा पाया था दो-तिहाई बहुमत

कांग्रेस के अनुसार, 17 अप्रैल को संसद के बजट सत्र के दौरान लोकसभा में परिसीमन से संबंधित संविधान संशोधन विधेयक दो-तिहाई बहुमत हासिल नहीं कर सका था। मत विभाजन में शामिल 528 सांसदों में 298 ने विधेयक के पक्ष और 230 ने विरोध में मतदान किया। संविधान संशोधन विधेयक पारित करने के लिए 352 मतों की आवश्यकता थी। दोनों सदनों की कार्यवाही अनिश्चित काल के लिए स्थगित होने के बाद जयराम रमेश ने दावा किया था कि सरकार के पास दो-तिहाई बहुमत नहीं है और वह इसे हासिल नहीं कर पाएगी। अब मानसून सत्र के औपचारिक सत्रावसान में देरी को लेकर कांग्रेस ने एक बार फिर परिसीमन के मुद्दे पर केंद्र सरकार की मंशा पर सवाल उठाए हैं।

सोने के भाव में तेजी, चांदी की कीमत फिसली

सोना 1,132 रुपए तेज होकर 1,63,570, चांदी 1,000 रुपए गिरकर 2,45,597 पर

नई दिल्ली।

सोना अमेरिकी ट्रेजरी द्वारा लंबी अवधि के सरकारी बॉन्ड की अप्रत्याशित बायबैक की घोषणा के बाद सोने की कीमतों में वैश्विक और घरेलू दोनों बाजारों में तेजी दर्ज की गई है। इस कदम ने निवेशकों का रुझान सुरक्षित निवेश माने जाने वाले सोने की ओर बढ़ा दिया है, जबकि चांदी के भावों में सुस्ती का रुख देखने को मिला। वै श्विक बाजार में सोना 4,700 डॉलर प्रति औंस के करीब, जबकि चांदी 69 डॉलर प्रति औंस के करीब कारोबार कर रही है। एमसीएक्स पर सोने का बेंचमार्क अक्टूबर कॉन्ट्रैक्ट 386 रुपये की गिरावट के साथ 1,62,052 रुपये के भाव पर खुला। पिछला बंद भाव 1,62,438 रुपये था। खबर लिखे जाने के समय यह कॉन्ट्रैक्ट 1,132 रुपये की तेजी के साथ 1,63,570 रुपये के भाग,व पर कारोबार कर रहा था। इस समय इसने 1,63,585 रुपये के भाव पर दिन का उच्च और 1,62,001 रुपये के भाव पर दिन का निचला स्तर छू लिया। एमसीएक्स पर चांदी का बेंचमार्क सितंबर कॉन्ट्रैक्ट 1,000 रुपये की गिरावट के साथ 2,45,597 रुपये पर खुला। पिछला बंद भाव 2,46,597 रुपये था। खबर लिखे जाने के समय यह कॉन्ट्रैक्ट 461 रुपये की गिरावट के साथ 2,46,136 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। इस समय इसने 2,46,475 रुपये के भाव पर दिन का उच्च और 2,44,815 रुपये के भाव पर दिन का निचला स्तर छू लिया। चांदी के वायदा भाव ने इस साल 4,20,048 रुपये किलो के भाव पर सर्वोच्च स्तर छू लिया। अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोने के वायदा भाव तेजी और चांदी के नरमी के साथ कारोबार कर रहे हैं। कॉमेक्स पर सोना 4,673.40 डॉलर प्रति औंस के भाव पर खुला। पिछला बंद भाव 4,680.60 डॉलर प्रति औंस था। खबर लिखे जाने के समय यह 25.70 डॉलर की तेजी के साथ 4,706.30 डॉलर प्रति औंस के भाव पर कारोबार कर रहा था। सोने के भाव ने इस साल 5,586.20 डॉलर के भाव पर सर्वोच्च स्तर छू लिया। कॉमेक्स पर चांदी के वायदा भाव 69.34 डॉलर के भाव पर खुले। पिछला बंद भाव 69.53 डॉलर था। खबर लिखे जाने के समय यह 0.37 डॉलर की गिरावट के साथ 69.16 डॉलर प्रति औंस के भाव पर कारोबार कर रहा था। इसके भाव ने इस साल 121.79 डॉलर का उच्चतम स्तर छू लिया।

होराइजन इंडस्ट्रियल पार्क्स का शेयर बाजार में मिला-जुला असर

नई दिल्ली ।

ब्लैकस्टोन समर्थित होराइजन इंडस्ट्रियल पार्क्स लिमिटेड के शेयरों ने सोमवार को शेयर बाजार में मिला-जुला डेब्यू किया। कंपनी का निर्गम मूल्य 60 रुपये प्रति शेयर था, जिसके मुकाबले बीएसई पर शेयर 0.58 प्रतिशत टूटकर 59.65 रुपये पर सूचीबद्ध हुआ, जबकि एनएसई पर इसने 0.41 प्रतिशत की मामूली बढ़त के साथ 60.25 रुपये पर शुरुआत की। कंपनी का बाजार मूल्यांकन 16,873.63 करोड़ रुपये रहा।

2,600 करोड़ रुपये के इस आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) को पिछले सप्ताह बोली के अंतिम दिन 1.45 गुना अभिदान मिला था। कंपनी ने अपने शेयर के लिए 57-60 रुपये प्रति शेयर का मूल्य दायरा तय किया था। आईपीओ से पहले, होराइजन इंडस्ट्रियल पार्क्स ने एंकर निवेशकों से 1,168 करोड़ रुपये जुटाए थे। आईपीओ की राशि मुख्य रूप से कर्ज चुकाने में प्रयोग होगी।

होराइजन इंडस्ट्रियल पार्क्स औद्योगिक और लॉजिस्टिक्स बुनियादी ढांचे के विकास, स्वामित्व और संचालन का काम करती है। यह 10 शहरों में करीब छह करोड़ वर्ग फुट के 46 परिसंपत्तियों का प्रबंधन करती है।

शेयर बाजार गिरावट के साथ बंद

सेंसेक्स 171 अंक, निफ्टी 33 अंक फिसला

मुम्बई।

घरेलू शेयर बाजार सोमवार को गिरावट पर बंद हुआ। सप्ताह के पहले ही कारोबारी दिन बाजार में ये गिरावट दुनिया भर के बाजारों से मिले कमजोर संकेतों के साथ ही बिकवाली हावी रहने से आई है। इसी कारण दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 171 अंक नीचे आकर 77,369 अंक पर बंद हुआ। वहीं 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 33 अंकों की गिरावट के साथ ही 24219 पर बंद हुआ। आज सबसे अधिक गिरावट बैंकों के शेयरों में रही। निफ्टी पीएसयू इंडेक्स सबसे ज्यादा 0.93 फीसदी नीचे आया जबकि धातु क्षेत्र में तेजी रही। निफ्टी मेटल इंडेक्स 1.6 फीसदी की बढ़त के साथ बंद हुआ।

निफ्टी में शामिल 50 में से 26 शेयर लाल निशान में बंद हुए, जिसमें सबसे ज्यादा गिरावट एसएसबीआई लाइफ, अडानी पोर्ट्स, बजाज फाइनेंस समेत बजाज फिनसर्व के शेयरों में दर्ज की गई। इन शेयरों में 1-1.7 फीसदी तक की गिरावट रही। वहीं बढ़त वाले शेयरों में जेएस डब्लयू स्टील, हिंडाल्को के शेयर 2 से 25 फीसदी उछले जबकि आईटी सेक्टर में एचसीए टेक और

इंफोसिस के शेयर भी 0.8 से 1.5 फीसदी बढ़े जिससे बाजार को निचले स्तरों से समर्थन मिला और इससे गिरावट रुकी रही। इसके अलावा आज विशाल मेगा मार्ट, मुथूट फाइनेंस और सीमेंस के शेयरों में भी बढ़त रही।

वहीं इससे पहले आज सुबह बाजार बढ़त के साथ खुला। सुबह शुरुआत में सेंसेक्स 0.30 फीसदी बढ़कर 77,769.91 पर पहुंच गया, जबकि निफ्टी 0.20 फीसदी की बढ़त के साथ 24,301.65 का स्तर देखा गया।

अमेरिकी प्रतिबंधों की आहट, ईरान पर सख्ती से पहले कच्चे तेल में गिरावट

निवेशकों ने की मुनाफावसूली, ब्रेंट क्रूड 1.3 और डब्ल्यूटीआई 1.6 फीसदी गिरा

नई दिल्ली ।

ईरान पर अमेरिका के कड़े आर्थिक प्रतिबंधों की घोषणा से पहले सोमवार को कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट दर्ज की गई। निवेशकों ने पिछले सप्ताह की तेजी के बाद मुनाफावसूली की, वहीं अमेरिका द्वारा ईरान के आर्थिक संबंधों को निशाना बनाने की तैयारी ने बाजार में अनिश्चितता बढ़ा दी। शुरुआती कारोबार में ब्रेंट क्रूड करीब 1.3 फीसदी गिरकर 93.16 डॉलर प्रति बैरल और अमेरिकी डब्ल्यूटीआई क्रूड 1.6 फीसदी फिसलकर 85.70 डॉलर पर पहुंच गया। यह निवेशकों की मुनाफावसूली और आगामी अमेरिकी प्रतिबंधों की अनिश्चितता का परिणाम था। अमेरिकी वित्त मंत्री स्कॉट बेसेंट ने इसे सबसे कड़ी आर्थिक कार्रवाई बताया है, जिसका लक्ष्य ईरान के आर्थिक संबंधों पर दबाव बढ़ाना है। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भी ईरान की मदद करने वाले देशों को चेतावनी दी है, जिससे वैश्विक तेल आपूर्ति बाधित होने की आशंका बढ़ी है। ईरान ने अमेरिकी धमकियों को दबाव और हताशा बताते हुए खारिज किया है और आर्थिक दबाव से निपटने के रास्ते तलाशने की बात कही।

रियल एस्टेट बिक्री बुकिंग 21 फीसदी गिरी

अप्रैल-जून तिमाही में 40,000 करोड़ के करीब; गोदरेज का शानदार प्रदर्शन

नई दिल्ली।

देश की 28 प्रमुख सूचीबद्ध रियल एस्टेट कंपनियों की सामूहिक बिक्री बुकिंग चालू वित्त वर्ष की पहली (अप्रैल-जून) तिमाही में 21 प्रतिशत घटकर लगभग 40,000 करोड़ रुपए रह गई। वैश्विक आर्थिक अनिश्चितताओं और कुछ बड़ी कंपनियों द्वारा नई आवासीय परियोजनाएं शुरू न करने के कारण यह गिरावट दर्ज की गई। पिछले वित्त वर्ष की इसी अवधि में यह आंकड़ा 50,900 करोड़ रुपए था। निवेशकों को दी गई प्रस्तुतियों से मिले आंकड़ों के अनुसार, चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही में कुल बिक्री बुकिंग 39,964 करोड़ रुपए रही। हालांकि, 28 कंपनियों में से 19 ने बिक्री-बुकिंग में वृद्धि दर्ज की। इसमें गोदरेज प्रॉपर्टीज 8,651 करोड़ रुपए की बिक्री बुकिंग के साथ सबसे आगे रही, जो पिछले साल 7,082 करोड़ रुपए थी। वहीं, डीएलएफ लिमिटेड की बिक्री बुकिंग 11,425 करोड़ रुपए से घटकर महज 657 करोड़ रुपए रह गई, जिसका मुख्य कारण तिमाही में कोई नई परियोजना शुरू न करना रहा। बेंगलुरु स्थित प्रेस्टीज एस्टेट्स भी 12,126 करोड़ रुपए से घटकर 6,579 करोड़ रुपए पर आ गई।

लोढ़ा और सोभा जैसी कंपनियों ने मजबूत वृद्धि दर्ज की। रियल एस्टेट सलाहकारों के अनुसार, इस सामूहिक गिरावट के पीछे प्रमुख कंपनियों द्वारा नई परियोजनाएं शुरू न करना, पिछले साल का मजबूत आधार प्रभाव और पश्चिम एशिया संघर्ष के बीच वैश्विक आर्थिक अनिश्चितताओं के चलते संभावित घर खरीदारों का सतर्क रुख जैसे कारक रहे।

24 से 31 अगस्त के बीच 9 आईपीओ, निवेश से पहले जोखिम समझें

नईदिल्ली । शेयर बाजार में इस सप्ताह आईपीओ की जोरदार हलचल है। 24 से 31 अगस्त के बीच नौ कंपनियां करीब 3,500 करोड़ जुटाने के लिए बाजार में उतर रही हैं। इनमें फार्मा, लॉजिस्टिक्स, इंजीनियरिंग, हेल्थकेयर, टेक्सटाइल, प्रोजेक्ट्स और पावर सेक्टर की कंपनियां शामिल हैं।

सबसे बड़ा इश्यू सिम्बायोटेक फार्मालैब का 1,757 करोड़ का है। कंपनी एपीआई, न्यूट्रिशनल और स्पेशियलिटी उत्पाद बनाती है। इसकी दो-तिहाई से अधिक आय अंतरराष्ट्रीय बाजारों से आती है। कंपनी के शीर्ष पांच उत्पादों से करीब 63त्न राजस्व आना निवेशकों के लिए जोखिम है। इश्यू में रु1,607 करोड़ का हिस्सा ऑफर फॉर सेल का है, जबकि केवल 150 करोड़ नया पूंजी निवेश है।

2.स्काईवेज एयर सर्विसेज का 582.80 करोड़ का इश्यू भी निवेशकों के आकर्षण में है। कंपनी एयर और ओशन फ्रेट फॉरवर्डिंग का कारोबार करती है, उसकी आय का बड़ा हिस्सा एयर फ्रेट पर निर्भर है। वैश्विक व्यापार, मुद्रा दरों और अंतरराष्ट्रीय नीतियों में बदलाव से कारोबार हमेशा प्रभावित हो सकता है।

3.हाई-टेक इंजीनियर्स, मधुर निट क्राफ्ट्स, एबीएच हेल्थकेयर, अन्नू प्रोजेक्ट्स, सुमैक्स इंजीनियरिंग, ल्यूमिनो इंडस्ट्रीज और क्विक फॉरेंसिक सॉल्यूशंस के इश्यू भी इसी अवधि में निवेशकों के लिए उपलब्ध हैं।

निवेशकों को केवल जीएमपी देखकर निवेश नहीं करना चाहिए।एसएमई कंपनियों में कम कारोबार और ज्यादा उतार-चढ़ाव का जोखिम हमेशा बना रहता है। कंपनी का कर्ज, मुनाफा, प्रमोटर हिस्सेदारी, वैल्यूएशन और आईपीओ से मिलने वाली राशि को देखकर ही फैसला करना बेहतर होगा। कंपनी जिस तरीके से भारी प्रीमियम ले रहे हैं उसमें निवेशकों का जोखिम भी बढा है। निवेशकों को इशयु में सोच समझकर निवेश करने की सलाह दी गई है।

	कंपनी का नाम	आईपीओ खुलने की तारीख	आईपीओ बंद होने की तारीख	फेस वैल्यू	प्राइस बैंड	रिटेल प्राइस बैंड	इश्यू साइज
1	सिम्बायोटेक फार्मालैब	24 अगस्त	27 अगस्त	रु2	रु938-रु988	रु936-रु986	रु1,757 करोड़
2	स्काईवेज एयर सर्विसेज	24 अगस्त	27 अगस्त	रु10	रु131-रु138	रु121-रु128	रु582.80 करोड़
3	हाई-टेक इंजीनियर्स	24 अगस्त	27 अगस्त	रु5	रु50-रु53	रु45-रु48	रु135.73 करोड़
4	मधुर निट क्राफ्ट्स	24 अगस्त	27 अगस्त	रु10	रु95-रु100	रु85-रु90	रु53.27 करोड़
5	एबीएच हेल्थकेयर	24 अगस्त	27 अगस्त	रु10	रु96-रु102	रु86-रु92	रु34.98 करोड़
6	अनु प्रोजेक्ट्स	25 अगस्त	28 अगस्त	रु10	रु94-रु99	रु84-रु89	रु175.06 करोड़
7	सुमैक्स इंजीनियरिंग	25 अगस्त	28 अगस्त	रु10	रु95-रु101	रु85-रु91	रु53.40 करोड़
8	ल्यूमिनो इंडस्ट्रीज	27 अगस्त	31 अगस्त	रु5	रु78-रु82	रु73-रु77	रु700 करोड़
9	क्विक फॉरेंसिक सॉल्यूशंस	27 अगस्त	31 अगस्त	रु10	रु85-रु90	रु75-रु80	रु50.77 करोड़

नोट- सिम्बायोटेक फार्मालैब, स्काईवेज एयर सर्विसेज, हाई-टेक इंजीनियर्स, मधुर निट क्राफ्ट्स और एबीएच हेल्थकेयर के आईपीओ की तारीखें और प्राइस बैंड उपलब्ध आईपीओ कैलेंडर के अनुसार हैं।

कनाडा-अमेरिका व्यापार वार्ता टूटी, भारत-कनाडा व्यापार समझौते को मिली नई गति

प्रधानमंत्री कार्नी ने अमेरिका पर अन्य व्यापारिक सौदों को सीमित करने का आरोप लगाया

नई दिल्ली ।

अमेरिका-कनाडा व्यापार वार्ता टूटने से दोनों पड़ोसी देशों के व्यापारिक संबंधों में खटास आ गई है। अमेरिकी प्रतिबंधों से नाराज कनाडा अब नए बाजारों की तलाश में जुट गया है, जिससे भारत के साथ उसके बहुप्रतीक्षित समग्र आर्थिक साझेदारी समझौते (सीईपीए) को एक नया रणनीतिक आयाम मिल गया है। कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी ने अमेरिका पर अंतिम समय में अन्य व्यापारिक सौदे करने की कनाडा की क्षमता को प्रतिबंधित करने का आरोप लगाते हुए इसे अस्वीकार्य बताया है। अमेरिका से वार्ता टूटने के बाद, कनाडा ने डेढ़ अरब उपभोक्ताओं तक अपनी शुल्क-मुक्त पहुंच को अगले छह महीनों में भारत और आसियान जैसे नए समझौतों से दोगुना करने का संकल्प लिया है। वार्ता विफल होने के बाद, अमेरिका ने 20 अरब डॉलर के कनाडाई वस्तु आयात पर 50 प्रतिशत शुल्क लगा दिया है, जिसके जवाब में कनाडा ने भी जवाबी शुल्क लगाने की कसम खाई है। यह घटनाक्रम भारत-कनाडा सीईपीए पर बातचीत को निर्णायक बढ़त दे सकता है। नीति आयोग के पूर्व सदस्य अरविंद विरमानी ने इस समझौते पर हस्ताक्षर और कार्यान्वयन में तेजी लाने का आह्वान किया है।

वहीं ग्लोबल ट्रेड रिसर्च इनिशिएटिव के एक अ धिकारी ने इसे भारत के लिए चेतावनी बताया, जो अमेरिका से बातचीत कर रहा है। उन्होंने भारत को अपनी नियामक और रणनीतिक स्वायत्तता की रक्षा और संतुलित लाभ वाली रियायतों पर जोर देने को कहा।

भारत और कनाडा ने इस साल मार्च में सीईपीए वार्ता फिर से शुरू की थी, जिसका लक्ष्य 2030 तक द्विपक्षीय व्यापार को वर्तमान 8 अरब डॉलर से बढ़ाकर 50 अरब डॉलर करना है।

रुपया एक पैसे की गिरावट पर बंद

मुंबई ।

अमेरिकी डॉलर के मुकाबले भारतीय रुपया सोमवार को एक पैसे की गिरावट के साथ ही 95.71 पर बंद हुआ। आज सुबह अमेरिकी मुद्रा में नरमी के बीच सोमवार को शुरुआती कारोबार में रुपया सात पैसे चढ़कर 95.64 प्रति डॉलर पर पहुंच गया। हालांकि, भू-राजनीतिक तनाव जारी रहने से रुपये की बढ़त सीमित रही। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि डॉलर सूचकांक कमजोर हुआ है, लेकिन ब्रेंट कच्चे तेल की ऊंची कीमत और आयातकों की ओर से डॉलर की निरंतर मांग ने रुपये की बढ़त को सीमित किया। वहीं अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 95.68 प्रति डॉलर पर खुला। बाद में 95.64 प्रति डॉलर पर पहुंच गया जो पिछले बंद भाव से सात पैसे की बढ़त है। रुपया शुक्रवार को केवल तीन पैसे चढ़कर 95.70 प्रति डॉलर पर बंद हुआ था। इस बीच दुनिया की छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दिखाने वाला डॉलर सूचकांक 0.03 फीसदी बढ़कर 98.82 पर रहा।

अमेरिका-भारत के शेयर महंगे, यूरोप में ज्यादा आकर्षक एफसीएफ यील्ड- रिपोर्ट

यूरोपीय इक्विटी भारतीय-अमेरिकी बाजारों से अधिक आकर्षक, निवेशक अब 'वैल्यू' बाजारों पर केंद्रित

नई दिल्ली।

एक ताजा वैश्विक रणनीति रिपोर्ट में कहा है कि जैसे-जैसे मूल्यांकन बढ़ रहे हैं, अमेरिका और भारत के शेयर बाजार, फ्री कैश फ्लो (एफसीएफ) यील्ड के मामले में कम आकर्षक होते जा रहे हैं जबकि यूरोप जैसे वैल्यू-ओरिएंटेड मार्केट काफी ज्यादा यील्ड दे रहे हैं। फ्री कैश फ्लो यील्ड असल में किसी कंपनी द्वारा अपने बाजार मूल्य के मुकाबले सृजित की गई वास्तविक नकदी का प्रतिशत में मापने का पैमाना होता है। चूंकि अमेरिकी बाजार महंगे लगने लगे हैं, इसलिए निवेशक दूसरे बाजारों की ओर देख रहे हैं, जहां कंपनियां मुनाफा कमा रही हैं और मूल्यांकन के हिसाब से अभी भी आकर्षक हैं। उनका ज्यादा ध्यान एशिया के बजाय यूरोप पर है। टेक-प्रधान एसऐंडपी 500 इंडेक्स का एफसीएफ यील्ड 2.7 फीसदी है जबकि यूरोपीय इक्विटी के बड़े इंडेक्स स्टॉक्स 600 का एफसीएफ यील्ड 5 फीसदी है। निफ्टी 50 के लिए भी यह आंकड़ा 2.7 फीसदी है, जो एसऐंडपी 500 के बराबर है, लेकिन इसमें एआई का कोई योगदान नहीं है। फ्री कैश फ्लो यील्ड एक वित्तीय पैमाना है, जो कंपनी के बाजार पूंजीकरण के मुकाबले नकदी सृजित करने की क्षमता बताता है। यह संख्या जितनी ज्यादा होती है, नकदी पैदा करने की क्षमता उतनी ही बेहतर मानी जाती है। पिछले कुछ सालों में अमेरिका की बड़ी टेक कंपनियों के पूंजीगत खर्च में जबरदस्त बढ़ोतरी हुई है। वित्तीय संकट के बाद के लगभग एक दशक में ये कंपनियां बहुत ज्यादा मुनाफा कमाने लगीं। उन्हें सॉफ्टवेयर और क्लाउड कंप्यूटिंग की बढ़ती मांग से फायदा हुआ और साथ ही डॉट कॉम दौर में किए गए पूंजी निवेश का भी लाभ मिला। उन्हें कम पूंजी की जरूरत थी और शून्य ब्याज दरों की वजह से उन्हें अच्छे मूल्यांकन का फायदा मिला।

लार्सन एंड टुब्रो को मिडिल ईस्ट में 15,000 करोड़ से अधिक का अल्ट्रा-मेगा गैस प्रोजेक्ट हासिल

मुंबई।

भारत की दिग्गज इंजीनियरिंग और इंफ्रास्ट्रक्चर कंपनी लार्सन एंड टुब्रो (एलएंडटी) ने युद्धग्रस्त मिडिल ईस्ट में विशाल ऑर्डर हासिल किया है। कंपनी को मध्य पूर्व में एक अल्ट्रा-मेगा गैस कंप्रेशन प्रोजेक्ट का ठेका मिला है, जिसकी अनुमानित कीमत 15,000 करोड़ रुपये से अधिक है। एलएंडटी एनर्जी हाइड्रोकार्बन (एलटीईएच ऑनशोर) नामक कंपनी की हाइड्रोकार्बन ब्रांच ने बड़े प्रोजेक्ट के लिए प्रतिष्ठित क्लाइंट के साथ समझौता किया है।एक्सचेंज फाइलिंग के अनुसार, यह एक ईपीसी (इंजीनियरिंग, खरीद और निर्माण) प्रोजेक्ट है, जिसका अर्थ है कि गैस कंप्रेशन प्लांट की पूरी इंजीनियरिंग, खरीद और निर्माण की जिम्मेदारी एलएंडटी की होगी।

इस परियोजना के तहत गैस इनलेट सुविधाएं, गैस कंप्रेशन सिस्टम, कंडेनसेट और उत्पादित पानी हैंडलिंग सिस्टम, प्रोपेन रेफ्रिजरेशन सिस्टम और अन्य संबंधित उपयोगिताएं विकसित की जाएंगी।

विशेष रूप से, यह प्लांट सोर गैस को प्रोसेस करने के लिए डिज़ाइन किया जाएगा, जिसे तकनीकी रूप से काफी चुनौतीपूर्ण माना जाता है।

इस विशाल परियोजना की भारी बिजली आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए एलएंडटी का पावर ट्रांसमिशन एंड डिस्ट्रीब्यूशन बिजनेस भी इसमें योगदान देगा।

वे दो 230 केवी एक्स्ट्रा-हाई-वोल्टेज सब-स्टेशन का निर्माण करेगा। एलटीईएच ऑनशोर के सीनियर वाइस प्रेसिडेंट और हेड ने इस कॉन्ट्रैक्ट को रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण बताया। उन्होंने कहा कि यह कंपनी की गैस कंप्रेशन क्षमता और बुनियादी ढांचे को मजबूत करेगा, साथ ही जटिल हाइड्रोकार्बन सुविधाओं को संभालने में एलएंडटी के गहरे अनुभव को दिखाता है।

यह ऑर्डर तब आया है जब मिडिल ईस्ट में भू-राजनीतिक तनाव बना हुआ है, जो इस प्रोजेक्ट को और भी महत्वपूर्ण बनाता है। लगभग 32 बिलियन डॉलर की भारतीय बहुराष्ट्रीय कंपनी एलएंडटी पिछले आठ दशकों से ईपीसी प्रोजेक्ट्स, हाई-टेक मैन्युफैक्चरिंग और सेवाओं के क्षेत्र में वैश्विक स्तर पर अपनी तकनीकी विशेषज्ञता और गुणवत्ता के लिए विख्यात है।

आरबीआई के रियायती स्वैप से रुपया बेअसर, अरबों डॉलर भंडार में, बाजार में नहीं

2013 के विपरीत इस बार डॉलर बाजार में जारी नहीं हुए, मुद्रा भंडार रिकॉर्ड ऊंचाई पर पहुंचा

नई दिल्ली ।

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) की रियायती स्वैप योजनाओं के तहत भारत में अरबों डॉलर का प्रवाह हुआ है, लेकिन आश्चर्यजनक रूप से इसका रुपये की विनिमय दर पर कोई खास असर नहीं पड़ा है। बाजार विशेषज्ञों का कहना है कि 21 अगस्त तक आए कुल 72.85 अरब डॉलर से अधिक की यह विदेशी मुद्रा सीधे केंद्रीय बैंक के भंडार में जमा हो गई है, बजाय इसके कि यह हाजिर बाजार में रुपये को मजबूती देती। यह स्थिति 2013 की समान योजना से बिल्कुल विपरीत है, जब रुपये में महत्वपूर्ण मजबूती देखी गई थी। आरबीआई ने 8 जून को रियायती स्वैप योजना शुरू की थी, जिसका उद्देश्य विदेशी मुद्रा प्रवाह को बढ़ावा देना था। इस योजना के तहत, बैंक विदेशी मुद्रा अनिवासी-बैंक (एफसीएनआर-बी) जमाओं के माध्यम से जुटाए गए डॉलर को रिजर्व बैंक के पास जमा कर रुपये प्राप्त करते हैं। इससे बैंकिंग व्यवस्था में रुपये की नकदी तो बढ़ी है, लेकिन विदेशी मुद्रा सीधे आरबीआई की विदेशी मुद्रा परिसंपत्तियों में जुड़ गई है। परिणामस्वरूप, रुपये की विनिमय दर 8 जून को 95.71 प्रति डॉलर थी और 21 अगस्त को भी उसी स्तर पर बंद हुई, जो डॉलर की भारी आवक के बावजूद अपरिवर्तित रही। एक निजी बैंक के ट्रेजरी प्रमुख ने बताया कि इस बार आने वाले डॉलर सिस्टम में जारी नहीं किए जा रहे हैं, जबकि 2013 में ऐसा हुआ था, जिससे रुपया 8.8 प्रतिशत मजबूत हुआ था। इस बार रुपया अभी भी वैश्विक संकेतों के अनुरूप चल रहा है, क्योंकि डॉलर बाजार में नहीं आ रहा है। ताजा आंकड़ों के अनुसार, 21 अगस्त तक कुल 72.85 अरब डॉलर का प्रवाह हुआ है, जिसमें एफसीएनआर-बी जमाओं का हिस्सा 65.40 अरब डॉलर है, जबकि ऑफशोर फॉरेन करेंसी बॉन्ड से 4.86 अरब डॉलर और बाह्य वाणिज्यिक उधारी से 2.59 अरब डॉलर आए हैं।

क ऑफ बड़ौदा के एक अ धिकारी ने कहा कि बाजार में विदेशी मुद्रा तभी आ सकती है, जब रिजर्व बैंक हाजिर बाजार में हस्तक्षेप कर डॉलर जारी करे या अपनी फॉरवर्ड पोजीशन घटाए। ऐसा न होने के कारण, बाजार पूर्ववत व्यवहार कर रहा है और वैश्विक कारकों के मुताबिक मुद्रा बाजार को प्रभावित कर रहा है।

वोडाफोन आइडिया को एसबीआई से मिली हरी झंडी, प्रवर्तक देंगे गारंटी

पूंजीगत व्यय के लिए एसबीआई के ऋण को मिली मंजूरी

नई दिल्ली ।

दूरसंचार कंपनी वोडाफोन आइडिया (वीआई) को अपने पूंजीगत व्यय के लिए धन जुटाने में महत्वपूर्ण सफलता मिली है। भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) ने अपने हिस्से के ऋण को मंजूरी दे दी है, जो पहले प्रवर्तकों की गारंटी न होने के कारण अटकी हुई थी। सूत्रों के अनुसार कंपनी के प्रवर्तकों, मुख्य रूप से आदित्य बिड़ला समूह, ने गारंटी प्रदान करने पर सहमति व्यक्त की है, जिससे पहले पैदा हुआ गतिरोध समाप्त हो गया। हालांकि, एसबीआई ने एक शर्त रखी है कि वह अपनी ऋण राशि तब तक जारी नहीं करेगा जब तक वोडाफोन आइडिया निजी क्षेत्र के बैंकों से शेष आवश्यक ऋण सुरक्षित नहीं कर लेता। एक वरिष्ठ बैंकर ने बताया कि यह गारंटी प्रवर्तक कंपनियों द्वारा दी जाएगी, न कि समूह की बड़ी सूचीबद्ध संस्थाओं द्वारा। उन्होंने स्पष्ट किया कि यह गारंटी एसबीआई के ऋण के लिए अतिरिक्त सुरक्षा कवर प्रदान करेगी।

वोडाफोन आइडिया ने चार साल बाद, यदि स्थिति अनुकूल रहती है, तो गारंटी वापस लेने का अनुरोध किया था, जिस पर एसबीआई ने सहमति जताई है। वर्तमान में कंपनी में प्रवर्तकों की कुल 25.64 फीसदी हिस्सेदारी है, जिसमें वोडाफोन ग्रुप पीएलसी और आदित्य बिड़ला समूह शामिल हैं। भारत सरकार की लगभग 49 फीसदी हिस्सेदारी है, लेकिन वह एक सार्वजनिक शेयरधारक के रूप में वर्गीकृत है। इस मामले पर एसबीआई, वोडाफोन आइडिया और आदित्य बिड़ला समूह से कोई प्रतिक्रिया नहीं मिली है।

स्वस्थ रहने के लिए हम हर उस बात का अनुसरण करने के लिए तैयार रहते हैं, जो सेहतमंद रखने का दावा करती हैं. मगर कुछ अच्छी बातें भी हमारे स्वास्थ को नुकसान पहुंचा सकती हैं..

मुश्किल में न डाल दें ये सेहतमंद आदतें

सेहत को लेकर सचेत रहना अच्छी बात है, लेकिन आपको इस बात के प्रति भी सचेत रहना चाहिए कि अपनी सेहत के लिए आप जिन आदतों को फायदेमंद मानती हैं, वे वाकई में फायदेमंद हैं या नहीं. क्योंकि ऐसा कई बार देखने में आया है कि हम अपने मन में सेहत, खाने-पीने की आदतों, साफ-सफाई को लेकर काफी सतर्कता बरतते हैं, लेकिन इस बात से बेपरवाह रहते हैं कि हमारी ये आदतें सेहत के लिए फायदेमंद न होकर नुकसानदेह साबित हो सकती हैं. हम आपको बता रहे हैं कि वे सेहतमंद आदतें कौन सी हैं, जो आपके लिए घाटे का सौदा साबित हो सकती हैं.

हर बार खाने के बाद ब्रश करना

कई लोगों को लगता है कि हर बार खाना खाने के बाद ब्रश करना आपके दांतों को कीटाणु-मुक्त और दांतों को मोतियों-सा दमकता हुआ बनाये रखने में मददगार होता है. लेकिन हकीकत यह है कि यह आपके दांतों पर से सुरक्षाकारी एनामेल को घिस सकता है और इससे आपको दांतों में सेंसिटिविटी की समस्या पैदा हो सकती है. इसलिए अपनी मां की हर दिन दो बार ब्रश करने की सलाह को याद कीजिए. आपके लिए वही फायदेमंद है. खाना खाने के बाद हर बार ब्रश करने की बजाय अच्छी तरह से कुल्ला करना आपके लिए ज्यादा उपयोगी है.

ठीक नहीं हैंड सैनिटाइजर का बार-बार इस्तेमाल

क्या आप बाहर निकलने के बाद कुछ भी छूने, किसी चीज को पकड़ने के बाद बार-बार अपने हाथों में सैनिटाइजर मलती हैं? तो आप सतर्क हो जाइए. यह आदत आपको नुकसान पहुंचा सकती है. यह सही है कि हैंड सैनिटाइजर हाथों को साफ करने का सुविधाजनक तरीका है, लेकिन इस बात का ख्याल रखना भी जरूरी है कि इसका समझदारी से उपयोग किया जाये.

अमेरिका में किये गये एक शोध के मुताबिक ज्यादातर सैनिटाइजर में ट्राइक्लोसान नामक एक केमिकल होता है, जिसे हाथ की त्वचा तुरंत सोख लेती है. अगर यह रक्त संचार में शामिल हो जाये, तो यह मांसपेशी को-ऑर्डिनेशन के लिए जरूरी सेल-कम्युनिकेशन को बाधित करता है. इसका लंबे समय तक ज्यादा इस्तेमाल त्वचा को सूखा बनाने, बांझपन और हृदय के रोग को न्योता दे सकता है. इसलिए अगर आपको हाथ धोने की जरूरत महसूस हो रही है, तो इंतजार कीजिए और मौका मिलते ही साबुन और पानी से ही अपने हाथों को धोइए.

क्या आप अपने कॉस्मेटिक्स को बार-बार बदलती हैं?

अगर आप विज्ञापनों के प्रभाव में अपने कॉस्मेटिक्स को बार-बार बदलती हैं, तो इस आदत को बदल दीजिए. त्वचा विशेषज्ञों का कहना है कि इनसानी त्वचा का पीएच स्तर 5.5 होता है. अलग-अलग कंपनियों के कॉस्मेटिक्स के पीएच मान अलग-अलग होते हैं. जिन लोगों की त्वचा संवेदनशील होती है, उनके लिए अलग-अलग पीएच मानकों के प्रोडक्ट्स का इस्तेमाल नकुसानदेह साबित हो सकता है. इससे आपकी त्वचा लाल पड़ सकती है. इसमें जलन या चकत्ते आने की शिकायत आ सकती है. इसलिए सिर्फ भरोसेमंद ब्रांड्स के कॉस्मेटिक्स का इस्तेमाल करें और इस्तेमाल से पहले सबके पीएच मानकों को जरूर पढ़ लें.

हर बार बोतल बंद पानी नहीं

कई लोगों को लगता है कि बोतलबंद पानी आपको रोगों से दूर रखने में मददगार होता है. लेकिन ध्यान रखिए. बोतलबंद पानी प्रोसेस्ड पानी होता है, जिसमें खनिज तत्व मौजूद नहीं रहते हैं. लंबे समय तक इसका इस्तेमाल करने से आपके शरीर में मैग्नीशियम, कैल्शियम, पोटैशियम, सिलिका, सल्फेट जैसे खनिजों की कमी हो सकती है. यह आपके लिए नुकसानदायक है, क्योंकि ये खनिज आपके शरीर में कई काम करते हैं. ये तत्व आपको ऊर्जा मुहैया कराने के साथ-साथ कोशिका और मांसपेशियों की मरम्मत भी करते हैं.

फ्लिप फ्लॉप और पांव

क्या आपको लगता है कि हील वाली चप्पल आपके पांवों को नुकसान पहुंचाती हैं, इसलिए आपको चपटे सोल वाली चप्पल का इस्तेमाल करना चाहिए? लेकिन यह ख्याल आपके लिए वास्तव में नुकसानदायक साबित हो सकता है. क्योंकि आर्क नहीं होने के कारण फ्लिप फ्लॉप (चपटे सोल वाली चप्पल) आपके पांवों को कोई सपोर्ट नहीं दे पातीं. चलते वक्त चपटे स्लिपर को कंट्रोल करने के लिए अंगूठों को लगातार चप्पल पर ग्रिप बनाना पड़ता है, ताकि वह पांव से फिसल न जाये. इससे पांवों का नैचुरल लिफ्ट ऑफ और पांव रखना गड़बड़ा जाता है. इससे पांवों के तलवे में दिक्कत आ सकती है. अगर आपको अपने पांवों का ख्याल है, तो कोशिश रहे कि आप फ्लिप फ्लॉप कम ही पहनें.

क्यों जरूरी है पैरेंट्स मीटिंग

ऐसे कई अभिभावक हैं जिन्हें लगता है कि उनके बच्चे तो स्कूल में बहुत अच्छा कर रहे हैं फिर उन्हें पैरेंट्स मीटिंग में जाने की क्या जरूरत, लेकिन सच्चाई स्कूल जाकर टीचर से मिलने पर ही पता चलती है. इसलिए आपको भी अपने बच्चे की प्रोग्रेस जानने के लिए उनके स्कूल में पैरेंट्स मीटिंग में जाना चाहिए.

रितेश के स्कूल से जब भी पैरेंट्स मीटिंग का नोटिस आता है, शोभा का मूड खराब हो जाता है. उसे लगता है कि पैरेंट्स मीटिंग केवल उसके वीकेंड को खराब करने के लिए ही होती है. शोभा की तरह ऐसे कई अभिभावक हैं जिन्हें लगता है कि उनके बच्चे तो स्कूल में बहुत अच्छा कर रहे हैं फिर उन्हें पैरेंट्स मीटिंग में जाने की क्या जरूरत, लेकिन सच्चाई स्कूल जाकर टीचर से मिलने पर ही पता चलती है. इसलिए आपको भी अपने बच्चे की प्रोग्रेस जानने के लिए उनके स्कूल में पैरेंट्स मीटिंग में जाना चाहिए. यह मीटिंग आपको बच्चे से जुड़ी कई अहम बातें जानने का मौका देती है.

- बच्चे के रिपोर्ट कार्ड पर लाल निशान न होना इस बात का सबूत नहीं है कि आपका बच्च पढ़ाई में अव्वल है और उसे आपके ध्यान की बिल्कुल जरूरत नहीं है. अगर आपका बच्चा क्लास में अच्छा परफार्म कर रहा है तो भी आपको उसके टीचर से जरूर बात करनी चाहिए कि वह अपने काम में और सुधार कैसे ला सकता है. जाहिर है आपको यह जानने का मौका पैरेंट्स मीटिंग के जरिये ही मिल सकता है.
- अगर बच्चा अच्छा परफार्म नहीं कर रहा होता है तो कई पैरेंट्स मीटिंग में इसलिए नहीं जाते कि उन्हें शर्मिंदगी झेलनी पड़ेगी. इस तरह के विचार आपके बच्चे पर भी नकारात्मक प्रभाव डाल सकते हैं. अगर स्कूल से बच्चे की कोई शिकायत आती है, तो उसे दूर करने का रास्ता जानने के लिए पैरेंट्स मीटिंग में जरूर शामिल हों.
- बच्चे स्कूल में क्या गतिविधियां करते हैं, यह बात हर मां-बाप को पता होनी चाहिए. हो सकता है कि आपका बच्चा अपने टेस्ट पेपर पर आपके ही साइन कर लेता हो. बच्चों की इस तरह की गलतियों को जानने के लिए पैरेंट्स मीटिंग में टीचर से मिलना न भूलें.
- क्या बच्चा क्लास में दूसरे बच्चों और टीचर से घुल-मिल कर बात करता है या फिर वह चुप-चुप किसी कोने में बैठा रहता है. इन सब जरूरी सवालों के जवाब आपको इसी पैरेंट्स मीटिंग में मिलेंगे.
- इसके अलावा अगर आपको टीचर से कोई शिकायत है, तो भी आप उसे पैरेंट्स मीटिंग में सुलझा सकती हैं. अगर टीचर आपके बच्चे पर ठीक से ध्यान न देती हो या फिर कॉपी ठीक से चेक न करती हो तो पैरेंट्स मीटिंग में इस बारे में टीचर से बात कर सकती हैं.
- पैरेंट्स मीटिंग में आपकी अपने बच्चे के दोस्तों के पैरेंट्स से भी मुलाकात हो जाती है. इससे आप उन पैरेंट्स से पैरेंटिंग के कुछ अनमोल सुझाव ले सकती हैं.
- टाइम न होने का बहाना बनाना आज से ही छोड़ दें. इससे आप न केवल खुद को धोखा दे रही हैं, बल्कि अपने बच्चे के भविष्य से भी खिलवाड़ कर रही हैं. आपके पास समय न हो तो आप बच्चे के पापा से समय निकाल कर पैरेंट्स मीटिंग में शामिल होने के लिए कह सकती हैं.

खुशबू से महके आपका घर

- अगर आप चाहती हैं कि आपका कमरा बेहतरीन खुशबू से महके तो उसमें तेज महकने वाली खुशबूदार अगरबत्तियां जला दें.
- हल्की खुशबू के लिए कमरे में इत्र वाली मोमबत्तियां जलायी जा सकती हैं. ये मोमबत्तियां बाजार में कई अलग-अलग खुशबुओं में उपलब्ध हैं.
- अगर आपके घर पर पानी की केतली है, तो उसमें कुछ मसाले जैसे-लौंग, इलायची या फिर दालचीनी उबालें. इससे पूरे घर में खुशबूदार मसालों की अच्छी सुगंध भर जायेगी.
- कपूर और समब्रानी भी तेज खुशबू के लिए जाने जाते हैं. इनकी महक न केवल पूरे घर को महका देगी, बल्कि घर के कीड़े-मकौड़े को भी मार देगी.
- एक बूंद यूकेलिप्टस ऑयल को खौलते हुए पानी में डाल देने से भी घर के जितने भी कीटाणु हैं, वे मर जायेंगे और कमरे की हवा भी शुद्ध हो जायेगी.
- आप चाहें तो अपने कमरे के गुलदस्ते में तेज खुशबू वाले फूल भी सजा सकती हैं. इन फूलों की खुशबू पूरे दिन आपके कमरे को महकाती रहेगी.

-गरमी के मौसम में पूरे घर को महकाने का एक आसान उपाय कूलर में इत्र का छिड़काव करना भी है. कूलर के पानी में इत्र छिड़कने से इसकी हवा के साथ खुशबू भी पूरे घर में फैल जाती है.

फाउंडेशन का बेस, चमकाए फेस

मेकअप बेस के तौर पर फाउंडेशन का इस्तेमाल किया जाता है। इससे चेहरे पर आए कील-मुंहासे, झांइयां तथा दाग-धब्बे छिप जाते हैं। पर इसका सही इफेक्ट तभी आता है, जब यह सही तरीके से लगाया जाए। आइए समझते हैं फाउंडेशन की एबीसीडी।

मेकअप बेस के रूप में फाउंडेशन का इस्तेमाल किया जाता है। इससे चेहरे की त्वचा चिकनी और समतल बनती है तथा मेकअप को अधिक देर तक रखने के लिए भी फाउंडेशन का इस्तेमाल किया जाता है। यह मेकअप का आधार होने के साथ-साथ त्वचा की रक्षा भी करता है और इसके इस्तेमाल से कील-मुंहासे, झांइयां तथा दाग-धब्बे छिप जाते हैं। फाउंडेशन लगाने का सही तरीका फाउंडेशन लगाने से पहले चेहरे और गर्दन की त्वचा को क्लींजिंग क्रीम या लोशन से साफ करें। उसके बाद रुई की मदद से चेहरे और गर्दन पर फाउंडेशन लगाना चाहिए। या फिर अपने चेहरे के विभिन्न हिस्सों पर फाउंडेशन को डॉट्स की तरह लगाएं। फिर अपनी अंगुलियों या गीले स्पंज से चेहरे पर अंदर से बाहर की ओर हल्के से मसाज करते हुए फाउंडेशन को मिलाएं। तैलीय त्वचा पर फाउंडेशन लगाने से पहले रुई से एस्ट्रिंजेंट लोशन लगाएं। और फिर कुछ देर बाद फाउंडेशन लगाएं। एस्ट्रिजेंट लोशन से त्वचा की चिकनाई दूर होती है। इसी तरह ड्राई स्किन पर फाउंडेशन लगाने से पहले ग्लिसरीन या मॉइश्चराइजर पूरे चेहरे पर लगाना चाहिए। सामान्य त्वचा के लिए कोई भी फाउंडेशन चल सकता है, मगर ऑयली त्वचा के लिए वॉटर बेस्ड और शुष्क त्वचा के लिए मॉइश्चराइजर फाउंडेशन अच्छा होता है। आपकी स्किन ड्राई है, तो फाउंडेशन में दो-तीन बूंद पानी मिलाकर चेहर पर लगाएं। चेहरे पर फाउंडेशन अधिक न लगाकर उचित मात्रा में ही लगाएं। फाउंडेशन लगाने के बाद टिश्यू पेपर से उसे इकसार कर लें और थोड़ी देर सूखने दें। उसके बाद उस पर फेस पाउडर लगाएं। रात और दिन के हिसाब से फाउंडेशन का चयन करना उचित होता है। इसमें गोल्ड फाउंडेशन नाइट पार्टी के लिए सही होता है। फाउंडेशन का मतलब सिर्फ त्वचा के रंग को बदलना ही नहीं होता, बल्कि त्वचा के निकटतम रंग से मैच करना होता है। इसलिए फाउंडेशन का चुनाव अपने चेहरे के रंग के अनुसार ही करें। इनका चुनाव आप अपनी स्किन को ध्यान में रखकर कर सकती हैं। बाजार में फाउंडेशन कई रूपों में उपलब्ध हैं, जैसे लिक्विड, क्रीम, स्टिक, पाउडर फॉर्म में। यदि कोई दुविधा हो, तो ब्यूटी एक्सपर्ट से पूछने में जरा भी न हिचकें। गर्मियों में पैनस्टिक या केक फाउंडेशन हार्ड हो जाते हैं। इस स्थिति में फाउंडेशन लगाने से पहले थोड़ा पानी मिलाएं।

भारत से पहले ढाका में ट्रेनिंग कर सकता है ब्राजील

कोलकाता स्टेडियम पर सवाल, 6 अक्टूबर को केप वर्डे से मैच की भी तैयारी

नईदिल्ली (एजेंसी)। ब्राजील की फुटबॉल टीम 3 अक्टूबर को भारत के खिलाफ मुकाबले से पहले बांग्लादेश के ढाका में ट्रेनिंग कैंप लगाने पर विचार कर रही है। ब्राजील फुटबॉल कन्फेडरेशन के पांच सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल ने 23 अगस्त को ढाका का दौरा किया। टीम ने नेशनल स्टेडियम, बसुंधरा किंग्स एरेना और कई होटलों का निरीक्षण किया। बांग्लादेश फुटबॉल फेडरेशन के अध्यक्ष तबिथ अवल ने बताया कि ब्राजील के साथ ढाका में ट्रेनिंग करने और बांग्लादेश के खिलाफ फ्रेंडली खेलने समेत सभी विकल्पों पर बात हुई है। हालांकि, अभी कोई फैसला नहीं हुआ है। ब्राजील 25 सितंबर को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टाउन्सविले और 29 सितंबर को ब्रिस्बेन में मुकाबला खेलेगा। इसके बाद टीम भारत आएगी।कोलकाता के साल्ट लेक स्टेडियम में भारत और ब्राजील के बीच फ्रेंडली मैच खेला जाना है।

ढाका की पिच ब्राजील को ठीक लगी – बांग्लादेश फुटबॉल फेडरेशन के मुताबिक, ब्राजील के प्रतिनिधिमंडल ने नेशनल स्टेडियम और बसुंधरा किंग्स एरेना की पिच को टीम के लिए सही बताया। हालांकि, ड्रेसिंग रूम, तकनीकी स्टाफ के लिए जगह और एंट्री-एग्जिट पर सुरक्षा व्यवस्था में सुधार की जरूरत बताई गई है। ढाका में ब्राजील और बांग्लादेश के बीच 5 या 6 अक्टूबर को फ्रेंडली मैच की भी चर्चा हुई है। हालांकि, बांग्लादेश की टीम 24 सितंबर से 4 अक्टूबर तक इंडोनेशिया में स्त्रढ्ढस्न्न एशियन कप में खेलेगी।

ब्राजील के मैच पर भूटिया ने खर्च को लेकर सवाल उठाए

भारत–ब्राजील मुकाबले को लेकर पूर्व भारतीय कप्तान बाइचुंग भूटिया ने भी सवाल उठाए हैं। उन्होंने ब्राजील को कोलकाता बुलाने पर करीब 50 से 70 करोड़ रुपए खर्च होने की रिपोर्ट पर आपत्ति जताई। उनका कहना है कि इतनी रकम बंगाल के घरेलू फुटबॉल और ग्रासरूट डेवलपमेंट पर खर्च की जा सकती थी।भूटिया ने भारत के एफआईएफए एशियन कप 2026 से हटने के विरोध में फैंस से ब्राजील के खिलाफ होने वाले मैच के बहिष्कार की अपील भी की है।

सितंबर में पनामा से भी मुकाबला

भारत सितंबर में पनामा के खिलाफ भी फीफा इंटरनेशनल फ्रेंडली खेलने की तैयारी में है। एआईएफएफ ने पनामा के साथ लेटर ऑफ इंटेंट साइन किया है। यह मैच 26 या 27 सितंबर को होने की संभावना है। हालांकि, इसका वेन्यू अभी तय नहीं हुआ है।

साल्ट लेक की पिच पर ब्राजील ने जताई चिंता – भारत-ब्राजील मुकाबला 3 अक्टूबर को कोलकाता के साल्ट लेक स्टेडियम में होगा। यह ब्राजील का भारत में पहला मुकाबला होगा। ऑल इंडिया फुटबॉल फेडरेशन ने 30 जुलाई को इसकी घोषणा की थी। मैच से पहले सीबीएफ के पांच सदस्यीय दल ने कोलकाता का भी निरीक्षण किया। प्रतिनिधिमंडल ने स्टेडियम, ट्रेनिंग ग्राउंड, पिच, ड्रेसिंग रूम, होटल और सुरक्षा व्यवस्था देखी। रिपोर्ट्स के मुताबिक, मैदान की घास की स्थिति और कुछ जगहों पर टर्फ को लेकर चिंता जताई गई है। ब्राजील ने पिच और ट्रेनिंग ग्राउंड की घास में सुधार की जरूरत बताई है।

संक्षिप्त समाचार

मोदी 1500 से ज्यादा जगहों पर युवाओं-खिलाड़ियों से करेंगे संवाद

नेशनल स्पोर्ट्स डे से पहले कार्यक्रम, पीटी उषा समेत कई प्लेयर्स भी जुड़ेंगे

नईदिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 27 अगस्त को देशभर में 1,500 से ज्यादा जगहों पर युवाओं और खिलाड़ियों से वर्चुअल संवाद करेंगे। यह कार्यक्रम खेल मंत्रालय के 'खेलो इंडिया संवाद–खेल की बात, पीएम के साथ' अभियान के तहत आयोजित किया जाएगा। कार्यक्रम 29 अगस्त को होने वाले नेशनल स्पोर्ट्स डे से दो दिन पहले होगा। 29 अगस्त को हॉकी के दिग्गज खिलाड़ी मेजर ध्यानचंद की जयंती होती है। इसी दिन देश में नेशनल स्पोर्ट्स डे मनाया जाता है।

कॉमनवेल्थ गेम्स के मेडलिस्ट से मिल चुके हैं मोदी – इससे पहले प्रधानमंत्री मोदी 9 अगस्त को कॉमनवेल्थ गेम्स में मेडल जीतने वाले भारतीय खिलाड़ियों से मिले थे। उन्होंने खिलाड़ियों के साथ मुलाकात की रील भी इंस्टाग्राम पर शेयर की थी। इस बार खिलाड़ियों और युवाओं के साथ संवाद वर्चुअल होगा।

दिल्ली में 4–5 जगहों पर कार्यक्रम – राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में कार्यक्रम 4–5 जगहों पर आयोजित किए जाएंगे। इनमें आईआईटी दिल्ली भी शामिल है। केंद्रीय खेल मंत्री मनसुख मांडविया आईआईटी दिल्ली में होने वाले कार्यक्रम में मौजूद रहेंगे। उन्होंने कहा कि वह 27 अगस्त को आईआईटी दिल्ली में आयोजित कार्यक्रम में शामिल होंगे।

दिग्गज खिलाड़ी भी युवाओं से करेंगे बातचीत – भारतीय ओलिंपिक संघ की अध्यक्ष पीटी उषा के अलावा मौजूदा और पूर्व खिलाड़ी तथा अंतरराष्ट्रीय पदक विजेता भी युवाओं से संवाद करेंगे। इनमें मनिका बत्रा, दीपा करमाकर, साइना नेहवाल, गगन नारंग, श्रीजेश, मैरी कॉम, बाइचुंग भूटिया, पुलेला गोपीचंद, अंजू बॉबी जॉर्ज, कर्णम मल्लेश्वरी और मीराबाई चानू शामिल हैं। कुछ क्रिकेटर भी कार्यक्रम में युवाओं से बातचीत करेंगे।

लद्दाख में सबसे ऊंचा क्रिकेट स्टेडियम बनाने की तैयारी

11,800 फीट की ऊंचाई पर बनेगा मैदान

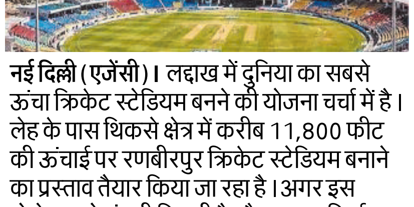

नई दिल्ली (एजेंसी)। लद्दाख में दुनिया का सबसे ऊंचा क्रिकेट स्टेडियम बनने की योजना चर्चा में है। लेह के पास थिकसे क्षेत्र में करीब 11,800 फीट की ऊंचाई पर रणबीरपुर क्रिकेट स्टेडियम बनाने का प्रस्ताव तैयार किया जा रहा है। अगर इस प्रोजेक्ट को मंजूरी मिलती है और इसका निर्माण पूरा होता है, तो यह दुनिया के सबसे ऊंचे क्रिकेट स्टेडियमों में शामिल हो सकता है। फिलहाल यह परियोजना डिटेल्ड प्रोजेक्ट रिपोर्ट के चरण में है। लेह पब्लिक वर्क्स डिपार्टमेंट ने इसकी व्यवहार्यता का आकलन करने के लिए कंसल्टेंसी सेवाओं के लिए बोली आमंत्रित की है। हालांकि, अभी तक परियोजना को अंतिम आधिकारिक मंजूरी नहीं मिली है।

11,800 फीट की ऊंचाई पर बनेगा स्टेडियम – प्रस्तावित रणबीरपुर क्रिकेट स्टेडियम लेह शहर से करीब 19–20 किलोमीटर दूर थिकसे के पास बनाया जा सकता है। इसकी ऊंचाई करीब 11,800 फीट बताई जा रही है, जो मौजूदा कई हाई–एल्टीट्यूड क्रिकेट मैदानों से कहीं ज्यादा होगी। यहां से हिमालय की ऊंची चोटियों का शानदार नजारा भी देखने को मिल सकता है।

100 करोड़ रुपये से ज्यादा हो सकती है लागत – रिपोर्ट्स के अनुसार, इस महत्वाकांक्षी प्रोजेक्ट की लागत 100 करोड़ रुपये से ज्यादा हो सकती है। स्टेडियम में करीब 40,000 दर्शकों के बैठने की क्षमता रखने का भी अनुमान है। हालांकि, अंतिम क्षमता और बजट DPR तथा मंजूरी के बाद ही तय होगा।

खिलाड़ियों के लिए आसान नहीं होगी चुनौती – करीब 11,800 फीट की ऊंचाई पर पतली हवा खिलाड़ियों के लिए बड़ी चुनौती साबित हो सकती है। गेंदबाजों और बल्लेबाजों को सामान्य मैदानों की तुलना में अलग परिस्थितियों का सामना करना पड़ सकता है। वहीं, ऑक्सीजन की कमी और बेहद ठंडा मौसम खिलाड़ियों की फिटनेस और निर्माण कार्य दोनों को प्रभावित कर सकते हैं।

भारत ने 503/9 पर पारी घोषित की

ध्रुव जुरेल का दूसरा टेस्ट शतक, पंत-गिल ने फिफ्टी लगाई

कोलंबो (एजेंसी)। श्रीलंका के खिलाफ कोलंबो में खेले जा रहे दूसरे टेस्ट के दूसरे दिन भारत ने 9 विकेट पर 503 रन पर पारी घोषित कर दी थी।ध्रुव जुरेल ने शतक पूरा कर लिया है। उन्होंने 100वां रन बनाने के लिए 13 बॉल खेलीं। जुरेल ने 171 बॉल पर दूसरा टेस्ट शतक लगाया। प्रसिद्ध कृष्णा उनका साथ दे रहे हैं। मोहम्मद सिराज 29 बॉल पर 3 रन बनाकर आउट हुए। मानव सुथार ने 18 रन बनाए। भारत के लिए दूसरे सत्र की शुरुआत अच्छी नहीं रही क्योंकि पंत ने केशारा नुवांथा की गेंद पर सर्कल के बाहरी किनारे पर खड़े लाहिरू उदरा को कैच थमा दिया. पंत और जुरेल ने सातवें विकेट के लिए 112 रन की साझेदारी की।

दोनों टीमों की प्लेइंग-11

भारत– यशस्वी जयसवाल, केएल राहुल, देवदत्त पडिक्कल, शुभमन गिल (कप्तान), ऋषभ पंत (विकेटकीपर), रवींद्र जडेजा, ध्रुव जुरेल, सारांश जैन, मानव सुथार, मोहम्मद सिराज, प्रसिद्ध कृष्णा।

श्रीलंका– लाहिरू उदारा, कामिल मिशारा, पसिंदु सोरियाबंदरा, कामिंडु मेंडिस, धनंजय डी सिल्वा (कप्तान), सोनल दिनुशा, निरोशन डिकवेला (विकेटकीपर), केशरा नुवांथा, प्रभात जयसूर्या, लाहिरू कुमारा, असिथा फर्नांडो।

कोलंबो में सिर टकराने पर जायसवाल-फर्नांडो की 25 प्रतिशत फीस कटी,दोनों ने गलती मानी

इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल (आईसीसी) ने भारतीय बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल और श्रीलंका के तेज गेंदबाज असिथा फर्नांडो पर जुर्माना लगा दिया है. दोनों खिलाड़ी कोलंबो में जारी दूसरे टेस्ट मैच के पहले दिन मैदान पर ही भिड़ गए थे। आईसीसी ने सोमवार को दोनों खिलाड़ियों पर जुर्माना लगाने की पुष्टि भी कर दी है. क्रिकेट की गवर्निंग बॉडी ने जायसवाल और फर्नांडो पर मैच फीस का 25 प्रतिशत जुर्माना लगाया है. इस के अलावा दोनों को एक–एक डिमेरिट पॉइंट भी दिया गया। आईसीसी ने एक प्रेस रिलीज में कहा, दोनों खिलाड़ियों को आईसीसी के आचार संहिता के आर्टिकल 2.12 का उल्लंघन करते पाया गया. यह नियम किसी खिलाड़ी, खिलाड़ी सहायता कर्मी, अंपायर, मैच रेफरी या किसी अन्य व्यक्ति (जिसमें इंटरनेशनल मैच के दौरान दर्शक भी शामिल हैं) के साथ अनुचित शारीरिक संपर्क से संबंधित है।

ऋषभ पंत ने रचा इतिहास, धोनी को पीछे छोड़ सबसे ज्यादा रन बनाने वाले विकेटकीपर बल्लेबाज बने

भारतीय विकेटकीपर–बल्लेबाज ऋषभ पंत ने श्रीलंका के खिलाफ दूसरे टेस्ट में एक बड़ा रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया है। पंत ने विदेशी या न्यूट्रल वेन्यू पर टेस्ट मैचों में बतौर विकेटकीपर सबसे ज्यादा रन बनाने के मामले में पूर्व भारतीय कप्तान महेंद्र सिंह धोनी को पीछे छोड़ दिया है। उन्होंने चोट के बावजूद दूसरे दिन मैदान पर वापसी करते हुए यह खास उपलब्धि हासिल की। कोलंबो टेस्ट के दौरान ऋषभ पंत ने विदेशी और न्यूट्रल वेन्यू पर बतौर विकेटकीपर बल्लेबाज भारत के लिए सबसे ज्यादा रन बनाने का रिकॉर्ड अपने नाम किया। पंत के नाम रिपोर्ट लिखे जाने तक 41.68 की औसत से 2,501 रन दर्ज हो गए थे, जबकि महेंद्र सिंह धोनी ने 2,496 रन बनाए थे। इस सूची में फारुख इंजीनियर 1,209 रनों के साथ तीसरे स्थान पर हैं। सैयद किरमानी ने 1,109 रन बनाए हैं, जबकि किरण मोरे 901 रनों के साथ शीर्ष पांच में शामिल हैं।

इंडिया लड़ेगा और जवाब भी देगा..., श्रीलंकाई गेंदबाज के साथ हुई झड़प पर जायसवाल ने तोड़ी चुप्पी

भारत और श्रीलंका के बीच कोलंबो में खेले जा रहे दूसरे टेस्ट मैच के पहले दिन काफी कुछ घटा. देवदत्त पडिक्कल ने लगातार दूसरा शतक जड़ा और 117 रन बनाकर आउट हुए. इसके अलावा यशस्वी जायसवाल और श्रीलंका के तेज गेंदबाज असिथा फर्नांडो के बीच तीखी बहस हुई. जिस पर जायसवाल की काफी ज्यादा आलोचना हुई। अब जायसवाल ने उन आलोचना का जवाब दिया है। उनका कहना है कि लोगों को इस झड़प के संदर्भ को जानने से पहले अपनी कोई राय नहीं कायम करनी चाहिए. जायसवाल ने ये प्रतिक्रिया मशहूर कमेंटेटर हर्षा भोगले की राय पर दी है। क्रिकबज के एक वीडियो में कमेंटेटर हर्षा भोगले इस पूरी घटना पर अपनी राय देते हुए दिखे. उन्होंने कहा कि ऐसी स्थिति में जायसवाल के लिए सबसे अच्छा यही था कि वे वहां से चले जाते। जायसवाल ने जल्द ही उस वीडियो पर कमेंट करते हुए कहा कि घटना की पूरी जानकारी के बिना कोई राय नहीं बनानी चाहिए. उन्होंने अपनी पोस्ट में लिखा, अगर आपको पता नहीं है कि उन्होंने क्या कहा, तो कृपया अपनी राय न बनाएं, हमें उन्हें बताना होगा, और साथ ही यह भी कहा, भारत लड़ेगा और जवाब देगा।

भारतीय महिला हॉकी टीम वर्ल्ड कप से बाहर, कोच मारिन ने कहा, 'मुझे टीम पर गर्व है'

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ बिना गोल खाए मैच ड्रॉ कराने में सफल रही

नईदिल्ली (एजेंसी)। हॉकी वर्ल्ड कप में भारतीय महिला टीम ने शानदार खेल का प्रदर्शन किया. लेकिन वो बड़े मैच का दबाव नहीं झेल सकी और ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ बिना गोल खाए मैच ड्रॉ कराने में सफल रही. 'करो या मरो' के इस मुकाबले में दोनों टीमें कोई गोल नहीं कर सकीं. जिससे दोनों टीमों के पास 2-2 अंक रहे. लेकिन गोलों की गिनती के आधार पर भारतीय टीम सेमीफाइनल की दौड़ से बाहर हो गई।

भारत को सेमीफाइनल में जाने के लिए यह मैच हर हालत में जीतना था. पहले दौर में पूल डी में चीन से ड्रॉ का एक अंक भारत के पास था जबकि आस्ट्रेलिया भी एक अंक लेकर आई थी. इसके बाद गोल डिफ्रेंस के आधार पर होना था जिसमें दोनों के माइनस दो गोल थे. आस्ट्रेलिया ने तीन गोल किये और पांच गंवाये थे जबकि भारत ने दो गोल किए और चार गंवाए थे. पॉइंट्स और गोल डिफरेंस बराबर रहने के बाद गोल की गिनती में आस्ट्रेलिया एक गोल आगे था, जिससे वो सेमीफाइनल में पहुंच गया. अब भारत क्लासिफिकेशन मैच खेलेगा जबकि नीदरलैंड और ऑस्ट्रेलिया पूल श्व से सेमीफाइनल में पहुंच गए हैं। भारतीय महिला हॉकी टीम के कोच शोर्ड मारिन ने स्वीकार किया कि ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ गोलरहित ड्रॉ में उनकी टीम काफी नर्वस थी लेकिन इसके साथ ही उन्होंने कहा कि वर्ल्ड कप में पांचवें-छठे स्थान के प्लेऑफ में पहुंचना अभी भी एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। मारिन ने कहा, ऐसा लग रहा था कि हमारे खिलाड़ी काफी नर्वस हैं. हम उस तरह का खेल नहीं खेल पाए जैसा हम खेलना चाहते थे. हमारे खेल में निरंतरता का अभाव था, पासिंग और रिसीविंग में तालमेल नहीं था और कई अनावश्यक गलतियां हुईं।उन्होंने आगे कहा, हम परिणाम तो नहीं बदल सकते, लेकिन मुझे लड़कियों पर बहुत गर्व है. हम साथ मिलकर जीतते हैं, साथ मिलकर हारते हैं और साथ मिलकर ड्रॉ भी खेलते हैं. सभी ने अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया. मुझे उन पर हमेशा गर्व रहेगा।

द्रोणाचार्य अवॉर्डी पर यौन शोषण का आरोप

पास्को में केस, 16 साल की पीड़ित की शिकायत– मैसेज करके जिम में बुलाया, गोद में बैठाया

मुंबई (एजेंसी)। द्रोणाचार्य अवॉर्डी कोच गणेश प्रभाकर देवरुखकर के खिलाफ प्रोटेक्शन ऑफ चिल्ड्रंस फ्रॉम सेक्शुअल ऑफेंस यानी पास्को में केस दर्ज किया गया है। 45 साल के मलखंभ कोच के खिलाफ 16 साल की छात्रा ने शिकायत दर्ज कराई थी। पुलिस के मुताबिक छात्रा मुंबई के एक कॉलेज में पढ़ती है और कई साल से आरोपी कोच से जिमनास्टिक की ट्रेनिंग ले रही थी। शिकायत के अनुसार, घटना शुक्रवार सुबह की है। मलखंभ फेडरेशन ऑफ इंडिया के एक अधिकारी ने नाम न छापने की शर्त पर बताया कि मुंबई के मलखंभ फेडरेशन से घटना को लेकर जानकारी मांगी गई है। आरोपी कोच फिलहाल फरार है। मुंबई पुलिस मामले की जांच कर रही है।

रिंकू सिंह ने 414.29 के स्ट्राइक रेट से रन बनाए

यूपी प्रीमियर लीग में सिर्फ 7 गेंदों में 29 रन की पारी खेली, मेरठ की लगातार छठी जीत

लखनऊ (एजेंसी)। लखनऊ के इकाना क्रिकेट स्टेडियम में सोमवार को रिंकू सिंह ने 414.29 के स्ट्राइक रेट से बल्लेबाजी करते हुए सिर्फ 7 गेंदों पर 29 रन बनाए। मेरठ मावेरिक्स के कप्तान रिंकू ने गोरखपुर लायंस के खिलाफ अपनी पारी में 2 चौके और 3 छक्के लगाए।उनकी इस पारी की मदद से मेरठ ने यूपी टी-20 लीग के 16वें मैच में गोरखपुर को 10 विकेट से हरा दिया।

8-8 ओवर का मैच खेला गया – बारिश के कारण मैच 8-8 ओवर का कर दिया गया था। गोरखपुर लायंस ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 8 ओवर में 6 विकेट पर 91 रन बनाए। जवाब में मेरठ मावेरिक्स ने 6.4 ओवर में बिना विकेट गंवाए 92 रन बनाकर मैच जीत लिया।यह मेरठ मावेरिक्स की इस सीजन में लगातार छठी जीत है। टीम 12 अंक के साथ पॉइंट्स टेबल में पहले नंबर पर है। वहीं, गोरखपुर लायंस की 6 मैचों में यह चौथी हार है।

जीशान ने 2 ओवर में 4 विकेट लिए – मेरठ ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी का फैसला किया। गोरखपुर के ओपनर अभय प्रताप सिंह ने 16 गेंदों पर 33 रन बनाए। उन्होंने 4 चौके और 2 छक्के लगाए।मेरठ के जीशान अंसारी ने 2 ओवर में सिर्फ 10 रन देकर 4 विकेट लिए। वे प्लेयर ऑफ द मैच भी रहे।

रिंकू के अलावा स्वास्तिक ने बनाए 44 रन – रिंकू सिंह के अलावा मेरठ मावेरिक्स की ओर से स्वास्तिक चिकारा ने नाबाद 44 रन बनाए। 92 रन के टारगेट का पीछा करने उतरी मेरठ ने शुरुआत से ही तेज बल्लेबाजी की।

रग्बी के पूर्व स्टार ने 81 अल्ट्रा मैराथन दौड़कर बनाया रिकॉर्ड

100 दिन तक दौड़कर 12 करोड़ जुटा रहे डेविड जैक्सन; चोट से चली गई थी याददाश्त

लंदन (एजेंसी)। इंग्लैंड, वेल्स और स्कॉटलैंड के 25 स्थानों पर 10 किमी के सर्किट में दौड़ते हुए जैक्सन अब तक 4,000 किमी से ज्यादा की दूरी तय कर चुके हैं। इंग्लैंड, वेल्स और स्कॉटलैंड के 25 स्थानों पर 10 किमी के सर्किट में दौड़ते हुए जैक्सन अब तक 4,000 किमी से ज्यादा की दूरी तय कर चुके हैं। 13 साल पहले सिर की गंभीर चोट से याददाश्त खोने वाले पूर्व ब्रिटिश रग्बी खिलाड़ी डेविड जैक्सन ने लगातार 81 दिनों तक रोज 50 किमी की अल्ट्रा मैराथन पूरी कर नया विश्व रिकॉर्ड बनाया है।ब्रिस्टल में रिवर एवन के किनारे 81वीं दौड़ पूरी करते ही उन्होंने पुरुष वर्ग में लगातार सबसे ज्यादा अल्ट्रा मैराथन का रिकॉर्ड अपने नाम किया। इससे पहले यह रिकॉर्ड 80 दौड़ का था। हालांकि

जैक्सन का लक्ष्य सिर्फ रिकॉर्ड बनाना नहीं, बल्कि ब्रेन इंजरी से जूझ रहे लोगों की मदद के लिए 100 दिन में 100 अल्ट्रा मैराथन पूरी करना है। 31 साल की उम्र में उनका 12 साल का पेशेवर रग्बी करियर एक हादसे के बाद खत्म हो गया था। नॉटिंघम रग्बी क्लब के लिए 316 मैचों में 102 ट्राई और 971 अंक बनाने वाले जैक्सन अभ्यास के दौरान साथी खिलाड़ी से सिर टकराने के बाद मैदान पर ही बेहोश हो गए थे।

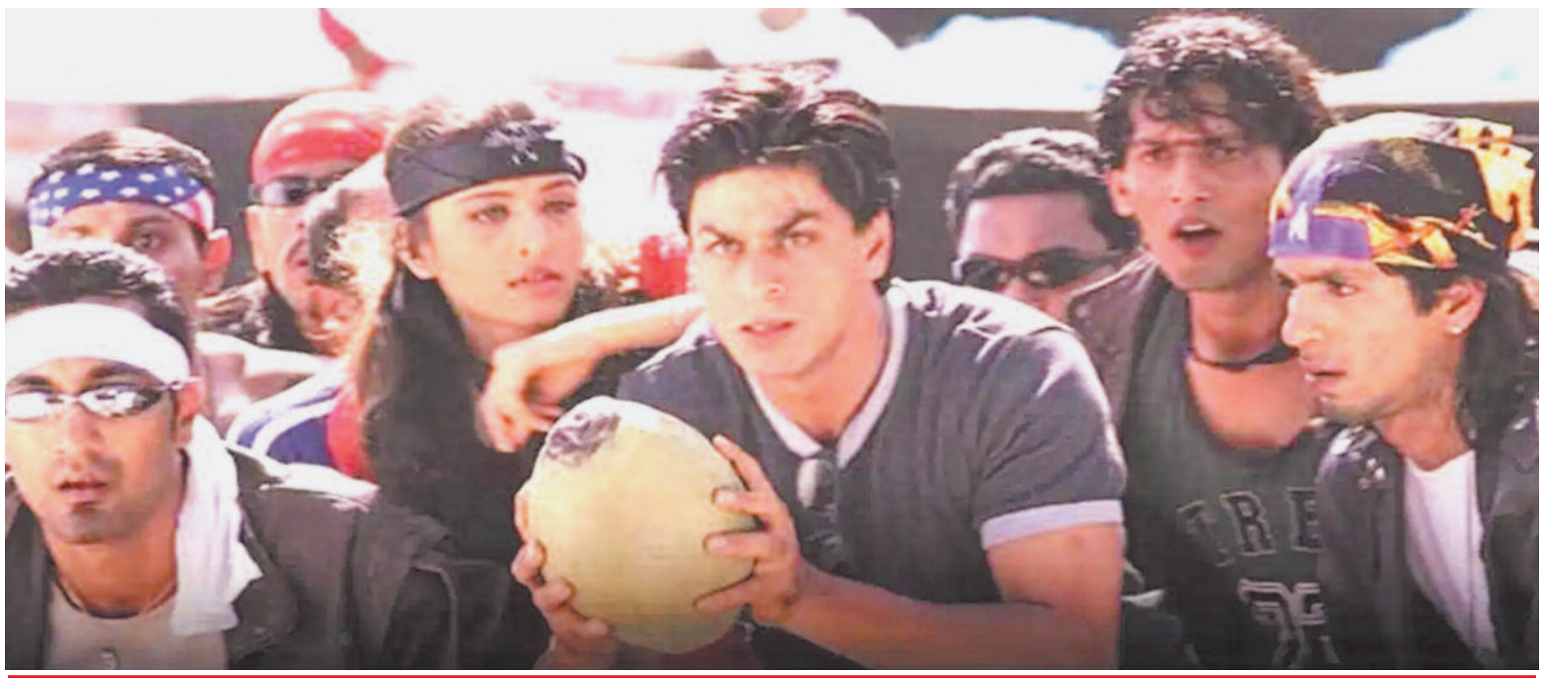

मैं डिप्रेशन में चला गया था, नशा करने लगा था

'जोश' में शाहरुख ने कटवाया इस एक्टर का रोल

फिल्म 'जोश' दर्शकों को खूब पसंद आई थी. इसमें शाहरुख खान, ऐश्वर्या राय और चंद्रचूड़ सिंह लीड रोल में थे. फिल्म में पुनीत वशिष्ठ ने भी काम किया था. उन्होंने रोल काटे जाने का दावा किया है

शाहरुख खान, ऐश्वर्या राय, चंद्रचूड़ सिंह, प्रिया गिल और शरद कपूर की फिल्म 'जोश' साल 2000 में आई थी. तब फिल्म को काफी पसंद किया गया था और इसके गाने भी खूब चले थे. फिल्म को मंसूर खान ने डायरेक्ट किया था. इस फिल्म का हिस्सा अभिनेता पुनीत वशिष्ठ भी थे. उन्होंने फिल्म में शाहरुख खान की गैंग के सदस्य और उनके दोस्त रॉनी का रोल निभाया था. पुनीत ने अब एक इंटरव्यू में दावा किया है कि फिल्म में शाहरुख खान ने उनके कई सीन कटवा दिए थे. पुनीत वशिष्ठ ने हाल ही में एक यूट्यूब चैनल को इंटरव्यू दिया, जिसमें उन्होंने 'जोश' फिल्म पर बात की. इस दौरान रोल काटे जाने पर पुनीत वशिष्ठ ने कहा, 'काफी कुछ कट हुआ.' जब उनसे पूछा गया कि ऐसा कैसे हुआ? तो उन्होंने कहा, 'मैंने शाहरुख भाई को डांस वगैरह के लिए ट्रेनिंग भी दी है. तो वो मेरी एनर्जी से अच्छी तरह वाकिफ थे. जब मंसूर खान अपने शॉट लगाते थे, तो शाहरुख खान अपनी एनर्जी के लिए जाने जाते थे. शाहरुख खान 10 फुट की जंप मारते थे तो मैं ऑटोमैटिकली, नॉर्मली, नैचुरली जंप मारता था तो मेरी जंप 14 फुट की हो जाती थी. तो ध्यान मेरे ऊपर जा रहा था, इसलिए मुझे कट कर दिया. '

'मैं उनकी जगह होता तो...'

पुनीत ने बताया कि जब उन्होंने जोश में काम करना शुरू किया था तो उनकी उम्र महज 20 साल थी. उन्होंने कहा, 'जोश 4 महीने में बनने वाली थी. लेकिन उसको बनने में साढ़े चार साल लग गए. मेरी नासमझी ये थी कि मैंने उसपर गौर किया जो मैंने खोया, उस पर नहीं, जो मैंने पाया. और फिर इस इस ग्रुप ने, तभी एक ग्रुप बन गया था तो कोई नहीं चाहता था कि ये एनर्जी वाला आए तो मुझे फिर ये सारे ग्रुपिज्म जो अभी ये वृक्ष बन रहा था, ये नेपोटिज्म का, या एक लॉबी का तो उस ग्रुप ने मुझे बहुत अवॉइड किया. '

डिप्रेशन और नशे में फंसे पुनीत

पुनीत ने बताया कि जब उन्हें इग्नोर किया जाने लगा तो वो डिप्रेशन में चले गए थे. वो कहते हैं, 'डिप्रेशन, अल्कोहलिज्म, नशा ये सारी चीजों में मैं घुस गया. क्योंकि टैलेंट था, कॉन्फिडेंस था... नॉर्मली ऐसा ही होता फिर तो ये सारी चीजों में गया. तो ये सारी चीजें हावी भी हो गई मुझ पर. जरा थोड़ा शॉर्ट भी हो गया मैं. लेकिन अभी भगवान की कृपा है. जो हुआ एक प्रोसेस था.

टॉक्सिक के मेगा हैदराबाद प्री-रिलीज़ इवेंट में

अक्षय ओबेरॉय और सुदेव नायर ने बढ़ाया एक्साइटमेंट का लेवल

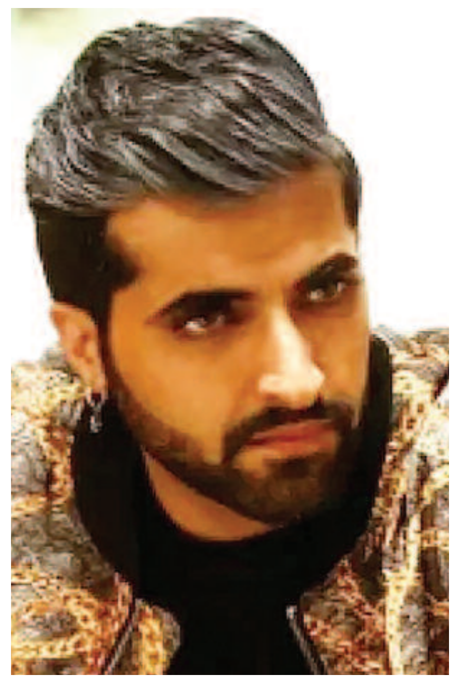

अ फेयरी टेल फॉर ग्रोन-अप्स को लेकर एक्साइटमेंट तब नेक्स्ट लेवल पर पहुंच गई, जब 26 अगस्त, 2026 को होने वाली फिल्म की वर्ल्डवाइड थिएट्रिकल रिलीज़ से पहले आयोजित ग्रैंड प्री-रिलीज़ इवेंट में 45,000 से ज्यादा फैंस उमड़ पड़े। इस धमाकेदार शाम में रॉकिंग स्टार यश, कियारा आडवाणी, रुक्मिणी वसंत, हुमा कुरैशी, अक्षय ओबेरॉय, सुदेव नायर, प्रोड्यूसर वेंकट के. नारायण और प्रोड्यूसर दिल राजू की मौजूदगी ने माहौल को और भी इलेक्ट्रिफाइंग बना दिया। फिल्म में टोनी का किरदार निभा रहे अक्षय ओबेरॉय ने आंध्र प्रदेश से अपने खास कनेक्शन और हैदराबाद में मिले प्यार के बारे में बात की। उन्होंने कहा, 'आज रात यहां आकर मैं बहुत खुश और सम्मानित महसूस कर रहा हूं। मेरे माता-पिता आंध्र के विशाखापत्तनम में बड़े हुए हैं और मेरे पिता इसी शानदार शहर में पले-बढ़े हैं। इसलिए आप सभी के बीच यहां होना बहुत खास है। मैं आपके शहर से बहुत इम्प्रेस हूं। मैं मुंबई से हूं, इसलिए यहां आना मेरे लिए बहुत अच्छा अनुभव है। आप सभी को ढेर सारा प्यार। अक्षय ने आगे कहा, 'मैं भी आप सभी की तरह बॉस का बहुत बड़ा फैन हूं। उनकी सबसे खास बात यह है कि वह एक बेहद प्राउड इंडियन हैं।

मुझे शुरू से पता था कि वह ऐसी फिल्म बनाना चाहते हैं, जिस पर उनके दर्शकों को गर्व हो। एक ऐसी फिल्म जो इंटरनेशनल और ग्लोबल स्केल की हो और जिस पर हम सभी गर्व कर सकें। वहीं, सुदेव नायर ने भी स्टेज पर अपनी एनर्जी से माहौल को और हाई कर दिया। उन्होंने अपने किरदार करुमाड़ी के बारे में बात करते हुए दर्शकों को टॉक्सिक में आने वाली सनक और पागलपन की झलक दी। सुदेव ने कहा, 'इस फिल्म में मेरा किरदार करुमाड़ी है। उसके अंदर पागलपन है। अब ज्यादा खतरनाक कौन है, ये आप तय कर सकते हैं।

लेकिन हां, इस फिल्म में पागलपन बहुत है। ' सुदेव ने अपने मलयाली कनेक्शन पर भी दर्शकों के साथ एक प्यारा पल शेयर किया। उन्होंने कहा, 'यहां इतने सारे मलयाली हैं, इसलिए मुझे लग रहा है जैसे मैं घर पर हूं। उन्होंने दर्शकों से टॉक्सिक को थिएटर में देखने की अपील करते हुए कहा, 'जैसा कि सभी ने कहा, हमें टॉक्सिक को थिएटर में जाकर देखना है। ' गीतू मोहनदास के निर्देशन में बनी टॉक्सिकः अ फेयरी टेल फॉर ग्रोन-अप्स में रॉकिंग स्टार यश, नयनतारा, कियारा आडवाणी, तारा सुतारिया, रुक्मिणी वसंत, हुमा कुरैशी, अक्षय ओबेरॉय और सुदेव नायर नजर आएंगे। यह फिल्म 26 अगस्त, 2026 को दुनियाभर के सिनेमाघरों में रिलीज़ होगी।

बॉबी देओल स्टारर सीरीज पर प्रकाश झा ने दी बड़ी अपडेट

क्या 'आश्रम 4' की शुरू हुई शूटिंग?

बॉबी देओल की अदाकारी वाली वेब सीरीज 'आश्रम' की अगली कड़ी का एलान हो गया है। प्रकाश झा प्रोडक्शंस ने इंस्टाग्राम पर इसकी जानकारी दी है। 'आश्रम' सीरीज के सभी पार्ट को दर्शकों ने प्यार दिया है। प्रकाश झा ने नए सीजन का एलान करके फैंस को तहफा दिया है। 'आश्रम 4' का एलान करते हुए सोशल मीडिया पर एक तस्वीर शेयर की गई है। इसमें मूवी क्लिपबोर्ड नजर आ रहा है। इस पर 'एक बदनाम आश्रम' लिखा है। तस्वीर शेयर करते हुए प्रोडक्शन हाउस ने कैप्शन में लिखा 'एक और आरंभ। आश्रम के नए अध्याय में आपका स्वागत है। जापनाम। आश्रम 4 की शूटिंग हो रही है।

इस एक्ट्रेस से की गई गंदी डिमांड, बोलीं- इंडस्ट्री में कोई Safe नहीं

कंगना शर्मा ने हाल ही में अपनी जिंदगी के मुश्किल दौर को लेकर कई चौंकाने वाले खुलासे किए हैं। एक्ट्रेस ने बताया कि उनका बचपन बेहद संघर्षपूर्ण रहा। उन्होंने दावा किया कि बचपन में उनके एक रिश्तेदार ने उनके साथ गलत व्यवहार किया था लेकिन... कंगना शर्मा ने हाल ही में अपनी जिंदगी के मुश्किल दौर को लेकर कई चौंकाने वाले खुलासे किए हैं। एक्ट्रेस ने बताया कि उनका बचपन बेहद संघर्षपूर्ण रहा। उन्होंने दावा किया कि बचपन में उनके एक रिश्तेदार ने उनके साथ गलत व्यवहार किया था लेकिन इस बारे में उनके परिवार को आज तक जानकारी नहीं है। कंगना के मुताबिक, वह रिश्तेदार अब इस दुनिया में नहीं हैं। एक्ट्रेस ने अपने बचपन की आर्थिक परेशानियों को भी याद किया। उन्होंने बताया कि उस समय उनके पिता कोई काम नहीं करते थे और परिवार के पास अपना घर तक नहीं था। हालात इतने खराब थे कि कई बार खाने के लिए आटा भी दूसरों से मांगना पड़ता था। जिंदगी की छोटी-छोटी जरूरतों को पूरा करने के लिए भी उन्हें काफी संघर्ष करना पड़ा। कंगना शर्मा ने यह भी बताया कि करियर के दौरान उन्हें कास्टिंग काउच जैसी परेशानियों का सामना करना पड़ा। उन्होंने अपने अनुभव शेयर करते हुए बताया कि इंडस्ट्री में काम पाने की कोशिश के दौरान उन्हें कई असहज परिस्थितियों से गुजरना पड़ा।

कंगना का छलका दर्द

कंगना ने कास्टिंग काउच के अपने अनुभव को याद करते हुए बताया कि हेट स्टोरी 2 की कास्टिंग के दौरान उनके साथ एक बेहद असहज घटना हुई थी। एक्ट्रेस के मुताबिक, वह एक एजेंसी के शख्स के साथ रेस्टोरेंट में बैठी थीं। बातचीत के दौरान उनसे पूछा गया कि वह कितनी बोल्ड हैं। इस पर कंगना ने कहा कि अगर बात एक्टिंग की हो तो वह किसी भी तरह का किरदार निभाने के लिए तैयार हैं. और मानसिक रूप से काफी बोल्ड हैं। कंगना ने बताया कि उसने मुझे कहा कि अपन पेंटी उताकर मुझे दो। तो फिर मैंने कहा अभी खाएगा या बाहर चलकर खाएगा। फिर उसने कहा कि मैं तो सिर्फ तुम्हारी बोल्डनेस देख रहा था। तब मैंने उनसे कहा कि तुमने अब तक पता नहीं कितनी लड़कियों को इस तरह तंग किया होगा। इसके बाद कंगना ने बताया कि कास्टिंग काउच किसी एक इंडस्ट्री तक सीमित नहीं है और किसी भी क्षेत्र को पूरी तरह सुरक्षित नहीं कहा जा सकता। उन्होंने यह भी माना कि ऐसी परिस्थितियों में इंसान किस तरह प्रतिक्रिया देता है, यह काफी हद तक उसके अपने फैसले पर निर्भर करता है।

रसिका दुग्गल ने शेयर किया मेलबर्न का अनुभव, कहा- रेखा के साथ 'उमराव जान' देखना रहा यादगार

अभिनेत्री रसिका दुग्गल ने भारतीय फिल्म फेस्टिवल ऑफ मेलबर्न 2026 में 'बेस्ट एक्ट्रेस (सीरीज)' का पुरस्कार जीतकर नया कीर्तिमान हासिल किया है। शनिवार को अभिनेत्री ने सोशल मीडिया के माध्यम से अपनी मेलबर्न जर्नी के बारे में बताया। अभिनेत्री रसिका दुग्गल ने इंस्टाग्राम पर मेलबर्न फिल्म फेस्टिव की कुछ झलकियां शेयर कीं। इसमें उनके साथ अभिनेत्री रेखा, रानी मुखर्जी और अभिनेता विजय शामिल हैं। इसके साथ ही स्टेज पर पुरस्कार लेते हुए भी तस्वीर नजर आ रही है। अभिनेत्री ने अपनी इस पोस्ट के जरिए फिल्म फेस्टिवल में यादगार पलों के बारे में बताया। साथ ही, क्लासिक उमराव जान देखने के अनुभव को याद किया और रानी मुखर्जी के बारे में एक इमोशनल किस्सा शेयर किया। लिखा, 'लंबी फ्लाइट्स, एक के बाद एक इवेंट्स जल्दी-जल्दी में किया गया मेकअप, मेरा कैमरा खुद कहता है कि अपना लेंस साफ करो और हेडफोन कभी मिलता ही नहीं। इन सबके बावजूद मुझे हैरान होती है कि मैं हमेशा आईएफएफएम से इंसपायर्ड होकर लौटती हूं। मुझे एहसास होता है कि पागलपन भरी जिंदगी वाकई में जीने लायक है। अभिनेत्री ने आगे फिल्म प्रोड्यूसर मिटू भौमिक लांगे और स्टाइलिश नताशा समेत पूरी टीम का शुक्रिया अदा किया। साथ ही, बताया कि अभिनेत्री रेखा कि फिल्म उमराव का असर आज भी बरकरार है। उन्होंने लिखा, 'रेखा जी और ऐसी ऑडियंस के साथ फिल्म उमराव जान देखना, जो फिल्म के डायलॉग पूरे कर रही थी और गानों के साथ गा रही थी। एक फिल्म का 45 साल बाद भी ऐसा असर हो सकता है। अभिनेत्री ने आगे रानी मुखर्जी की कहानी के बारे में बताते हुए लिखा, 'रानी मुखर्जी को स्कूल के एक नाटक में शकुंतला के रोल के लिए कास्ट न होने की एक खूबसूरत कहानी सुनाते हुए सुनना - जिससे मैं पूरी तरह से जुड़ पाई। पता चला हम सबकी एक शकुंतला वाली कहानी है और जाहिर है, दिल्ली क्राइम सीरीज के लिए अवॉर्ड जीतना भी मेरे लिए खास था। '

यश ने रचा इतिहास

यश की 'टॉक्सिक' टिकट बुकिंग वेबसाइट्स पर भी छाई हुई है. फिल्म ने एक ऐसा कारनामा कर दिया है, जिससे पता चलता कि इसको लेकर ऑडियंस के बीच कितना बज़ है. यश की 'टॉक्सिक' को रिलीज होने में अब बस कुछ ही दिन बचे हैं. 26 अगस्त को ये फिल्म 6 भाषाओं में बड़े पर्दे पर दस्तक देगी. जहां एक तरफ ट्रेलर आने के बाद कुछ सीन को लेकर फिल्म की आलोचना भी हुई, तो वहीं दूसरी इस पिक्चर को लेकर खूब बज़ भी बना हुआ है. ऐसा हम नहीं कह रहे हैं बल्कि आंकड़े बता रहे हैं. दरअसल, 'टॉक्सिक' 13वीं ऐसी इंडियन फिल्म बन गई है, जिसे टिकट बुकिंग वेबसाइट बुकमायशो पर 1 मिलियन यानी 10 लाख से ज्यादा इंटरेस्ट मिले हैं. फिल्म की रिलीज से पहले बुकमायशो पर फिल्म के नाम के साथ इंटरेस्ट का ऑप्शन दिखता है, जिसके जरिए ऑडियंस फिल्म को लेकर अपनी दिलचस्पी जाहिर करते हैं.

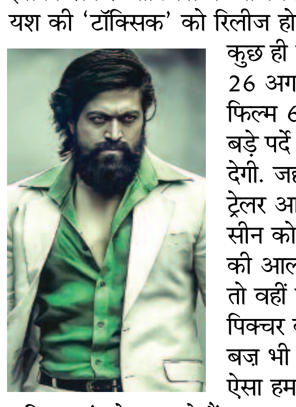

मेरा दिमाग सुन्न हो गया था: करण वाही

टीवी एक्टर करण वाही इन दिनों रोहित शेट्टी के स्टंट बेस्ड रियलिटी शो 'खतरों के खिलाड़ी 15' में अपने डर का सामना करते नजर आ रहे हैं। शो के पहले ही हफ्ते में कंटेस्टेंट्स को एक बेहद मुश्किल और दर्दनाक टास्क का सामना करना पड़ा था। इस टास्क में कंटेस्टेंट्स को पैलेट गन से रबर की गोलियां लगने का दर्द सहना पड़ा था। इस दौरान कई कंटेस्टेंट्स की पीठ पर चोट के निशान भी पड़ गए। अब करण वाही ने इस दर्दनाक टास्क को याद करते हुए बताया कि इसका उन पर कितना असर हुआ था।

दर्द नहीं सह सकते तो छोड़ दो

करण ने जूम के साथ बातचीत में बताया कि शो के होस्ट रोहित शेट्टी आमतौर पर किसी कंटेस्टेंट को हार मानने या शो छोड़ने के लिए नहीं कहते। लेकिन इस टास्क के दौरान उन्होंने कंटेस्टेंट्स से साफ कहा था कि अगर वे दर्द नहीं सह सकते तो पीछे हट सकते हैं। करण ने बताया, 'क्योंकि ये कोई मजाक या खेल नहीं है। इससे आपको सच में डर लग सकता है और ऐसी चोट लग सकती है, जो आप नहीं चाहते। उस समय सीजन की शुरुआत ही हुई थी। इसलिए आप नहीं चाहते कि शो में आने के बाद या पूरे शो के दौरान आपको बहुत ज्यादा दर्द सहना पड़े।'

संक्षिप्त समाचार

जापान में भूकंप से कांपी धरती, 20 लोगों के घायल होने की खबर, रिक्टर स्केल पर झटके कितने तेज

टोक्यो, एजेंसी। जापान के पूर्वी हिस्से और राजधानी टोक्यो के आसपास रविवार तड़के मध्यम तीव्रता के भूकंप ने लोगों को दहला दिया। प्रारंभिक तौर पर भूकंप की तीव्रता 5.9 मापी गई, जबकि अमेरिकी भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण ने इसे 5.8 दर्ज किया। भूकंप में 20 से अधिक लोग घायल हुए, हालांकि अधिकांश को मामूली चोटें आईं। राहत की बात यह रही कि सुनामी का कोई खतरा नहीं था। जापान मौसम विज्ञान एजेंसी के अनुसार, भूकंप का केंद्र इबाराकी प्रांत के दक्षिणी हिस्से में जमीन से करीब 70 किलोमीटर की गहराई में था। यह इलाका भूकंप की दृष्टि से संवेदनशील माना जाता है। चार प्रांतों में कुल 23 लोगों के घायल होने की सूचना मिली। इनमें साइतामा और कानागावा में नौ-नौ, चिबा में चार और इबाराकी में एक व्यक्ति घायल हुआ। अधिकांश लोग उस समय सो रहे थे और अचानक आए तेज झटकों से घबराकर बिस्तर से उठे। इस दौरान कई लोग गिर पड़े या फर्नीचर और दरवाजों से टकरा गए। कानागावा के योकोहामा में 80 वर्ष से अधिक उम्र की एक महिला बिस्तर से गिर गई, जिससे उसके कूल्हे में गंभीर चोट आई। भूकंप के कारण टोक्यो और नारिता हवाईअड्डे को जोड़ने वाली एक्सप्रेस ट्रेनों समेत कुछ स्थानीय रेल सेवाएं प्रभावित हुईं और देरी से चलीं। हालांकि शिंकानसेन बुलेट ट्रेन सेवाएं सामान्य रहीं। टोक्यो के कोटो वार्ड में भूमिगत पानी की पाइप फटने से सड़क पर पानी भर गया, जिसे बाद में ठीक कर दिया गया। भूकंप के बाद करीब 460 घरों की बिजली आपूर्ति बाधित हुई, लेकिन रविवार सुबह तक बिजली बहाल कर दी गई।

ईरान की अमेरिका को दो-टूक: रवैया बदलो तभी खुलेगा होर्मुज; पड़ोसी देशों को दी धमकी

तेहरान, एजेंसी। ईरान की सर्वोच्च राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद (एसएनएससी) के सचिव मोहसिन रेजाई ने शनिवार (स्थानीय समय) को दावा किया कि होर्मुज जलडमरूमध्य अभी भी बंद है। उन्होंने कहा कि अमेरिका जब तक अपनी जिम्मेदारियां पूरी नहीं करता और अपना रवैया नहीं बदलता, तब तक इसे दोबारा नहीं खोला जाएगा। समाचार एजेंसी आईआरआईबी को दिए इंटरव्यू में रेजाई ने कहा, अमेरिका के दावों के बावजूद होर्मुज जलडमरूमध्य बंद है। अमेरिका का रवैया ठीक करने तक यह नहीं खुलेगा। उन्होंने आगे कहा, इस बार अमेरिका को पहले अपनी जिम्मेदारियां पूरी करनी होंगी। रेजाई ने आरोप लगाया कि वाशिंगटन ने सैन्य विकल्पों की उम्मीद छोड़ दी है। अब वह ईरान पर आर्थिक दबाव बनाने पर निर्भर है। उन्होंने कहा, सैन्य हमलों से अमेरिकी पूरी तरह निराश हैं। उन्हें लगता है कि आर्थिक नाकेबंदी के जरिये सैन्य कार्रवाई में मदद की जा सकती है।

मेरिका पर कनाडा का पलटवार: 8 सितंबर से लगाएगा जवाबी टैरिफ, पीएम मार्क ने किया एलान

टोरंटो, एजेंसी। कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी ने शनिवार को कहा कि उनका देश 8 सितंबर से अमेरिका से आने वाले सामान पर जवाबी शुल्क (टैरिफ) लगाएगा। इससे पहले अमेरिका ने करीब 20 अरब अमेरिकी डॉलर कीमत के कनाडाई सामान पर 50 फीसदी टैरिफ लगाया था। दोनों देशों के बीच इस व्यापारिक विवाद को बातचीत से खत्म करने की आखिरी कोशिश भी शुक्रवार देर रात वाशिंगटन में नाकाम हो गई। कनाडाई प्रधानमंत्री ने क्या कहा प्रधानमंत्री कार्नी ने कहा कि अमेरिका कनाडा के सामान पर जितने डॉलर का टैरिफ लगाएगा, कनाडा भी उतने ही डॉलर के जवाबी टैरिफ अमेरिकी सामानों पर लगाएगा। यह टैरिफ इस्पात, डेयरी उत्पाद, घरेलू उपकरण, खेती में इस्तेमाल होने वाली मशीनें, कागज बनाने का कच्चा माल और कागज व इलेक्ट्रॉनिक सामान पर लगाया जाएगा। किन-किन खास उत्पादों पर टैरिफ लगेगा, इसकी जानकारी आने वाले दिनों में जारी की जाएगी। क्या अमेरिका की मांगों से बिगड़ी बात कार्नी ने ओटावा में यह भी बताया कि कनाडा इस्पात, एल्युमिनियम और कारों पर लगाए गए अपने बाकी जवाबी टैरिफ हटाने के लिए तैयार था। लेकिन इसके लिए अमेरिका को अपने लगाए टैरिफ में बड़ी कटौती करनी थी। कनाडा अमेरिकी शराब की बिक्री दोबारा शुरू करने के लिए अपने प्रांतों को प्रोत्साहित करने के लिए तैयार था। लेकिन अमेरिकी की आखिरी मांगें बहुत ज्यादा थीं। कनाडाई पीएम ने कहा, उन्होंने बहुत ज्यादा मांगा और बदले में बहुत कम दिया।

पेंटागन में पावर गेम: हेगसेथ से तनाव के बाद शीर्ष अफसर दे सकते हैं इस्तीफा, रक्षा मंत्री की पत्नी पर लगे आरोप

वाशिंगटन, एजेंसी। डिफेंस सेक्रेटरी पीट हेगसेथ के साथ तनाव के बीच अमेरिकी आर्मी सेक्रेटरी डैन ड्रिस्कॉल के साल के अंत तक पद छोड़ने की चर्चा है। उनके जाने से पहले से नेतृत्व संकट से जूझ रही अमेरिकी सेना पर दबाव बढ़ सकता है। वहीं, हेगसेथ की पत्नी जेनिफर की पेंटागन में बढ़ती भूमिका भी विवाद का विषय बनी हुई है। वह स्टाफ चयन, रणनीति, मीडिया प्रशिक्षण और सैन्य संचार से जुड़ी गतिविधियों में सक्रिय रही हैं तथा संवेदनशील बैठकों में उनकी मौजूदगी पर सैन्य अधिकारियों और सांसदों ने सवाल उठाए हैं। इस पूरे घटनाक्रम ने ट्रंप प्रशासन के रक्षा प्रतिष्ठान में नेतृत्व, निर्णय लेने की प्रक्रिया और प्रभाव के इस्तेमाल को लेकर नई बहस छेड़ दी है।

ड्रिस्कॉल के जाने से सेना के शीर्ष नेतृत्व पर असर : ड्रिस्कॉल के पद छोड़ने की स्थिति में अमेरिकी सेना के शीर्ष स्तर पर नेतृत्व का संकट और गहरा सकता है। सेना पहले से ही सीनेट से मंजूर स्थायी चीफ के बिना काम कर रही है। डिफेंस सेक्रेटरी पीट हेगसेथ ने अप्रैल में सेना के चीफ ऑफ स्टाफ जनरल रैंडी जॉर्ज को उनके पद से हटा दिया था। हेगसेथ ने जॉर्ज को हटाने का कोई सार्वजनिक कारण नहीं बताया था और अब तक उनकी जगह किसी स्थायी अधिकारी को नामित भी नहीं किया गया है।

लानेव संभाल रहे हैं सेना प्रमुख की जिम्मेदारी : जनरल क्रिस्टोफर लानेव, जो सेना के वाइस चीफ ऑफ स्टाफ रह चुके हैं और पहले हेगसेथ के वरिष्ठ सैन्य सलाहकार के तौर पर काम कर चुके हैं, फिलहाल कार्यवाहक सेना प्रमुख यानी एक्टिंग आर्मी चीफ ऑफ स्टाफ की जिम्मेदारी संभाल रहे हैं। ऐसे में अगर ड्रिस्कॉल भी पद छोड़ते हैं, तो सेना के शीर्ष नेतृत्व में एक और महत्वपूर्ण पद पर बदलाव होगा।

परिवार के साथ रहने की जगह भी बदली : रिपोर्ट के मुताबिक, आर्मी सेक्रेटरी डैन ड्रिस्कॉल और उनका परिवार इस गर्मी में जॉइंट बेस मायर-हेंडरसन हॉल स्थित आधिकारिक पारिवारिक आवास से बाहर चले गए थे। उनका परिवार नॉर्थ कैरोलिना चला गया, जबकि ड्रिस्कॉल खुद सैन्य अड्डे के भीतर एक छोटे अपार्टमेंट में रहने लगे। यह घटनाक्रम हेगसेथ के साथ उनके बिगड़ते रिश्तों के बीच सामने आया है।

हेगसेथ से कब शुरू हुई अनबन : पूर्व आर्मी रेंजर और उपराष्ट्रपति जेडी वेंस के पुराने दोस्त ड्रिस्कॉल ट्रंप प्रशासन के शुरुआती दिनों में ही हेगसेथ की नाराजगी का शिकार हो गए थे। तनाव उस समय बढ़ा, जब ड्रिस्कॉल ने वेंस और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के लिए सैनिकों से मुलाकात और सेना में सुधार की योजनाओं पर चर्चा करने के उद्देश्य से एक दौरे का आयोजन करने की कोशिश की। हालांकि दोनों के बीच अनबन बनी रही, लेकिन आर्मी सेक्रेटरी के तौर पर अपने करीब 18 महीने के कार्यकाल में ड्रिस्कॉल ने जनरल रैंडी जॉर्ज के साथ मजबूत कामकाजी रिश्ता कायम किया।

नई तकनीक और भविष्य की जंग पर था जोर : ड्रिस्कॉल और जॉर्ज ने अमेरिकी सेना को नई तकनीक अपनाने के लिए प्रेरित किया। दोनों का मानना था कि भविष्य के युद्धों में वाणिज्यिक क्षेत्र से आने वाले नवाचार और तकनीक बेहद महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। ड्रिस्कॉल ने जॉर्ज और जनरल क्रिस डोनाह्यू के साथ यूक्रेन का दौरा भी किया था। उस समय डोनाह्यू यूरोप में अमेरिकी सेना के शीर्ष जनरल थे। इस यात्रा के दौरान ड्रिस्कॉल ने यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की से शांति वार्ता को लेकर भी बातचीत की थी। ड्रिस्कॉल ने अमेरिकी सेना से यूक्रेन के युद्ध से सबक लेने का आग्रह किया। खासतौर पर उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि यूक्रेनी सेना युद्ध के मैदान में बाजार में आसानी से उपलब्ध वाणिज्यिक तकनीक का किस तरह इस्तेमाल कर रही है। उनके कार्यकाल के दौरान निजी कंपनियों ने कई परियोजनाओं में 25 अरब डॉलर से अधिक का निवेश किया। इन परियोजनाओं में डेटा सेंटर, महत्वपूर्ण खनिजों की रिफाइनरी और पूरे अमेरिका में सेना के ठिकानों पर डाइनिंग सुविधाओं का विकास शामिल था।

जॉर्ज की बर्खास्तगी से साझेदारी को लगा झटका : ड्रिस्कॉल और जॉर्ज की यह साझेदारी उस समय प्रभावित हुई, जब हेगसेथ ने अप्रैल में अचानक सेना प्रमुख को उनके पद से हटा दिया। हेगसेथ के इस फैसले की कांग्रेस में रिपब्लिकन नेताओं ने भी आलोचना की और कई नेताओं ने जॉर्ज के प्रति समर्थन जताया।

कांग्रेस में ड्रिस्कॉल ने जॉर्ज की तारीफ की : कांग्रेस की सुनवाई के दौरान जब ड्रिस्कॉल से जॉर्ज को हटाए जाने के बारे में सवाल किया गया, तो उन्होंने सीधे तौर पर हेगसेथ की आलोचना करने से परहेज किया। हालांकि, उन्होंने जॉर्ज के बारे में अपनी राय स्पष्ट कर दी। ड्रिस्कॉल ने सांसदों से कहा,मैं भी जनरल जॉर्ज को बहुत पसंद करता हूं। उन्होंने जॉर्ज को एक शानदार और बदलाव लाने वाले लीडर बताया। अपने पद को लेकर अनिश्चितता के बावजूद, पिछले महीने पेंसिल्वेनिया में आयोजित एक डिफेंस कॉन्फ्रेंस में राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ड्रिस्कॉल की सार्वजनिक रूप से तारीफ की। ट्रंप ने ड्रिस्कॉल के व्यक्तित्व और उनके लुक का जिक्र करते हुए कहा कि वह दिखने में जितने सीधे-सादे लगते हैं, असल में उससे कहीं ज्यादा सख्त हैं। ट्रंप ने कहा,उनकी मुस्कान कितनी प्यारी है, लेकिन असल में वह एक किलर हैं।

इस्राइल को हथियार सप्लाई पर भड़का ईरान: फ्रांस और ब्रिटेन को दी दोटूक चेतावनी, बोला- यह अपराधों में भागीदारी

तेहरान, एजेंसी। ईरान के उप विदेश मंत्री काजेम गरीबाबादी ने इस्राइल को हथियार और अन्य समर्थन देने को लेकर फ्रांस और ब्र की आलोचना की है। उनकी टिप्पणी 102 पूर्व ब्रिटिश और फ्रांसीसी राजनयिकों की उस अपील के बाद आई, जिसमें दोनों देशों से इस्राइल पर ठोस दबाव बनाने, हथियारों की आपूर्ति और सैन्य सहयोग रोकने, बस्तियों से जुड़े व्यापार पर प्रतिबंध लगाने तथा अंतरराष्ट्रीय अदालतों के फैसलों को लागू करने की मांग की गई है। राजनयिकों ने वेस्ट बैंक में बस्तियों के विस्तार, घरों को गिराए जाने और बसने वालों की हिंसा को लेकर गंभीर चिंता जताई है।

लंदन और पेरिस को 'चिंता' के पीछे नहीं छिपना चाहिए : ब्रिटिश और फ्रांसीसी पूर्व राजनयिकों की उस अपील के जवाब में, जिसमें उन्होंने अपनी सरकारों से फलस्तीन में अंतरराष्ट्रीय कानून का पालन करने का आग्रह किया था, गरीबाबादी ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, लंदन और पेरिस को इस स्थिति में सिर्फ चिंता व्यक्त करने की बात कहकर पीछे नहीं छिपना चाहिए। उस शासन को हथियार भेजना और किसी भी तरह का समर्थन देना, जायोनी शासन द्वारा किए जा रहे अपराधों में सहयोग और भागीदारी का जानबूझकर किया गया फैसला है।

100 से अधिक पूर्व राजनयिकों ने उठाई आवाज़ : गरीबाबादी की यह टिप्पणी ऐसे समय आई है, जब 100 से अधिक अनुभवी ब्रिटिश और फ्रांसीसी राजनयिकों ने अपनी-अपनी सरकारों को चेतावनी दी है कि इस्राइल की नीतियां जातीय सफाए और फलस्तीन को खत्म करने की दिशा में बढ़ रही हैं। उन्होंने लंदन और पेरिस से ठोस कदम उठाने की मांग की है। इनमें हथियारों की आपूर्ति रोकना, इस्राइली बस्तियों के साथ व्यापार पर प्रतिबंध लगाना और हेग स्थित अंतरराष्ट्रीय अदालतों के फैसलों को लागू करना शामिल है। गरीबाबादी ने एक्स पर एक अन्य पोस्ट में लिखा,100 से अधिक अनुभवी ब्रिटिश और फ्रांसीसी राजनयिकों ने अपनी सरकारों को चेतावनी दी कि जायोनी शासन की नीति 'जातीय सफाए' और 'फिलिस्तीन को खत्म करने' की ओर बढ़ रही है। उन्होंने लंदन और पेरिस से हथियारों की आपूर्ति रोकने, बस्तियों के साथ व्यापार पर प्रतिबंध लगाने और हेग अदालतों के फैसलों को लागू करने के लिए ठोस कदम उठाने की मांग की।

मुनीर के खिलाफ सेना में असंतोष; रावलपिंडी की सुरक्षा बढ़ाई गई, छह माह तक तैनात रहेंगी तीन कंपनियां

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान के सेना प्रमुख फील्ड मार्शल आसिम मुनीर को मिली असीमित शक्तियों के खिलाफ सेना के अधीनस्थ रैंक अधिकारियों में असंतोष फैल गया है। स्थिति इतनी भयावह हो चुकी है कि गृह मंत्रालय को रावलपिंडी में सैन्य मुख्यालय के आसपास सुरक्षा के लिए सेना की तीन कंपनियां तैनात करनी पड़ी हैं। यह तैनाती अगले छह माह के लिएहै। हालांकि, सरकार ने इसे राजनीतिक आक्रोश के कारण किसी तरह की संवेदनशील स्थिति से निपटने की कोशिश बताया है।

गृह मंत्रालय ने सेना की तैनाती का आदेश संविधान के अनुच्छेद 245 के तहत उठाया गया है, जो नागरिक प्रशासन की सहायता के लिए सशस्त्र बलों की तैनाती का अधिकार देता है। बहरहाल, सूत्रों का कहना है कि हाल में पारित 27वें संविधान संशोधन और नए डिफेंस फोर्सेस एक्ट के बाद आसिम मुनीर को अभूतपूर्व शक्तियां मिल चुकी हैं। नए ढांचे के तहत मुनीर के पास अब थल, जल और वायु सेना, तीनों अंगों पर पूर्ण नियंत्रण है। मुनीर के पास किसी भी अधिकारी या जवान को सेवा से बर्खास्त करने और जबरन रिटायर करने के अधिकार आ गए हैं। इससे जूनियर और अधीनस्थ रैंकों के अधिकारी घुटन महसूस कर रहे हैं।

जूनियर अधिकारियों में असंतोष से सैन्य नेतृत्व को संभावित बगावत की आशंका भी सता रही है। पाकिस्तान में हालिया संशोधनों के बाद फील्ड मार्शल मुनीर का कम से कम 2030 तक पद पर बने रहने का रास्ता साफ हो गया है। यही नहीं, उन्हें आजीवन कानूनी छूट तथा अभियोजन से सुरक्षा भी हासिल हो गई है। इससे सेनाओं के भीतर आंतरिक असंतोष को और हवा मिली है। दरअसल तीनों सेनाओं के कर्मियों को लग रहा है कि उनकी स्थिति बंधुआ मजदूर जैसी हो गई है। रावलपिंडी में सेना की यह ताजा तैनाती ऐसे समय में हुई है जब कुछ दिन पहले शहर के मॉल रोड पर सुरक्षा बलों पर एक हमला हुआ था, जिसमें एक संदिग्ध को मार गिराया गया। सरकारी हलकों में उसे इमरान खान की पार्टी पीटीआई से जोने की कोशिशें हुईं, जिसे पार्टी ने सिरे से खारिज किया।

मरीज खुद बने शोधकर्ता: वर्षों तक बीमारी व दर्द से जूझते रहे, अब उसी बीमारी का खोज रहे इलाज वैज्ञानिक

संयुक्त राष्ट्र, एजेंसी। बीमारी का सामना करने वाले ज्यादातर लोग इलाज की तलाश में डॉक्टरों के पास जाते हैं, लेकिन कुछ वैज्ञानिकों ने अपनी बीमारी को ही शोध का विषय बना लिया। वर्षों तक असहनीय दर्द, गलत निदान और बीमारी के डर से जूझने के बाद इन मरीज-शोधकर्ताओं ने प्रयोगशाला का रास्ता चुना। मकसद सिर्फ खुद के लिए इलाज तलाशना नहीं, बल्कि उन मरीजों के लिए बेहतर उपचार खोजना है जिनकी बीमारियां दुर्लभ या अब तक लाइलाज हैं।

नेचर की रिपोर्ट के मुताबिक इटली की आणविक जीवविज्ञानी फ्रांसेस्का ग्रानाटा इसका उदाहरण हैं। बचपन से ही उन्हें त्वचा में इतना तेज दर्द होता था कि मां का गले लगाना भी असहनीय लगता था। 2008 में जांच के बाद पता चला कि उन्हें एरिथ्रोपोएटिक

प्रोटोपोरफीरिया है। यह आनुवंशिक बीमारी है, जिसमें लाल रक्त कोशिकाओं में प्रोटोपोरफीरिन जमा होने से रोशनी के संपर्क में त्वचा में तेज जलन और दर्द होता है। गंभीर मामलों में यकृत भी प्रभावित हो सकता है।

मां की मौत ने शोध पर किया मजबूर : अमेरिकी वैज्ञानिक सोनिया वल्लभ की कहानी भी ऐसी ही है। 2010 में उनकी 52 वर्षीय मां की तेजी से बढ़ती स्मृतिभ्रंश की बीमारी से मौत हुई। जांच में पता चला कि वह आनुवंशिक प्रायन बीमारी से पीड़ित थीं। बाद में वल्लभ ने भी जांच कराई और पाया कि उनमें भी इस बीमारी से जुड़ा जीन परिवर्तन मौजूद है। वल्लभ उस समय कानून के क्षेत्र में काम कर रही थीं। मां की मौत और खुद में बीमारी का खतरा सामने आने के बाद उन्होंने करियर बदलकर विज्ञान की पढ़ाई शुरू कर दी। अब वह अपने पति और संगणकीय जीवविज्ञानी एरिक मिनिकल के साथ प्रायन बीमारी के इलाज पर शोध कर रही हैं।

बीमारी से मिला इलाज का रास्ता : कैसलमैन बीमारी से पीड़ित चिकित्सक-शोधकर्ता डेविड फाजेनबॉम ने अपनी बीमारी के इलाज में पहले से मौजूद दवा के नए इस्तेमाल का रास्ता खोजा। बीमारी के कारण वह कई बार गंभीर स्थिति में पहुंचे। अपने रक्त परीक्षण और वैज्ञानिक शोधों के अध्ययन से उन्होंने पाया कि प्रतिरक्षा तंत्र की सक्रियता रोकने वाली एक दवा उनकी बीमारी में मदद कर सकती है। इसके इस्तेमाल से वह एक दशक से ज्यादा समय से बीमारी के दोबारा उभरने से बचे हैं।अब उनका संगठन कृत्रिम बुद्धिमत्ता की मदद से मौजूदा दवाओं में ऐसे विकल्प तलाश रहा है, जिन्हें दुर्लभ बीमारियों के इलाज में दोबारा इस्तेमाल किया जा सके। अमेरिका की स्टेम-सेल वैज्ञानिक वैलेंटिना फोसाती को 30 वर्ष की उम्र में मल्टीपल स्क्लेरोसिस यानी एमएस का पता चला। उन्होंने इसी बीमारी पर शोध शुरू कर दिया। अब वह स्टेम कोशिकाओं से मस्तिष्क की विभिन्न कोशिकाएं विकसित करने की तकनीकों पर काम कर रही हैं।

अमेरिका में गुजराती स्टोर मालिक की गोली मारकर हत्या, बेटी बाल-बाल बची; हमलावर फरार

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के टेनेसी में एक गुजराती मूल के कारोबारी की गोली मारकर हत्या कर दी गई। वारदात उस समय हुई, जब जैक्सन शहर की एक शराब की दुकान में हथियारबंद बदमाश लूट के इरादे से पहुंचा था। घटना के दौरान कारोबारी की 19 वर्षीय बेटी भी उनके पास मौजूद थी, लेकिन वह गोली लगने से बच गई। पुलिस ने मृतक की पहचान 56 वर्षीय सुरेश पटेल के तौर पर की है। वह रिजक्रेस्ट रोड स्थित रिजक्रेस्ट सेलर्स में काम कर रहे थे। पुलिस के मुताबिक, 20 अगस्त की रात करीब नौ बजे एक हथियारबंद व्यक्ति दुकान में दाखिल हुआ और कर्मचारियों से नकदी मांगी।

बदमाश को पैसे देने के बाद भी गोलीबारी : पुलिस के अनुसार, आरोपी ने हथियार दिखाकर दुकान में मौजूद लोगों से पैसे लिए। इसके बाद उसने कई राउंड फायरिंग की। एक

गोली सुरेश पटेल को लगी और उनकी मौके पर ही मौत हो गई। शुरुआती जानकारी के मुताबिक, आरोपी नकदी लेकर सफेद रंग की सेडान कार से फरार हुआ। घटना के समय पटेल की बेटी भी उनके पास खड़ी थी। गोलीबारी के बावजूद वह सुरक्षित रही। दुकान में मौजूद एक 70 वर्षीय कर्मचारी भी घायल हुआ। बताया गया है कि गोली चलने के दौरान गिरने से उसकी कलाई में फ्रैक्चर हो गया।

पेंटबॉल मास्क से ढका था चेहरा : जांच में सामने आया है कि आरोपी अश्वेत पुरुष था। उसने ग्रे हुडी, जींस और काले रंग के कामकाजी जूते पहन रखे थे। उसकी पहचान छिपाने के लिए चेहरा पेंटबॉल खेलने के दौरान इस्तेमाल किए जाने वाले मास्क से ढका हुआ था। पुलिस ने आरोपी की तलाश शुरू कर दी है। जांच एजेंसियां इलाके के सीसीटीवी फुटेज और अन्य संभावित सुरागों की मदद से हमलावर तक पहुंचने की कोशिश कर रही हैं। पुलिस ने स्थानीय लोगों से भी ऐसी कोई जानकारी साझा करने की अपील की है, जिससे आरोपी की पहचान या उसकी सफेद सेडान कार का पता लगाने में मदद मिल सके। जानकारी के मुताबिक, सुरेश पटेल गुजरात के मेहसाणा जिले की कड़ी तहसील के अखज गांव के रहने वाले थे। बताया जा रहा है कि उनके परिवार ने हाल ही में रिजक्रेस्ट सेलर्स का कारोबार संभाला था और पटेल ने कुछ दिन पहले ही स्टोर का कामकाज अपने हाथ में लिया था। अमेरिका में भारतीय मूल के लोगों को लूट और हिंसा का सामना करने की घटनाएं सामने आती रही हैं। ताजा घटना के बाद अमेरिका में सुविधा स्टोर और अन्य छोटे कारोबार चलाने वाले भारतीय मूल के लोगों की सुरक्षा को लेकर एक बार फिर चिंता बढ़ गई है। ऐसे स्टोर अक्सर लंबे समय तक खुले रहते हैं।

गोल्डी बराड़ ने क्यों की थी हरदीप निज्जर की हत्या, भगोड़े गैंगस्टर ने लीक ऑडियो में खुद कबूला, बताई असली वजह

टोरंटो, एजेंसी। भगोड़े गैंगस्टर गोल्डी बराड़ ने कथित तौर पर एक लीक ऑडियो क्लिप में खालिस्तानी आतंकी हरदीप सिंह निज्जर की हत्या कराने की बात कबूल की है। 2023 में कनाडा के सरे में एक गुरुद्वारे के बाहर हरदीप सिंह निज्जर की हत्या कर दी गई थी। ऑडियो क्लिप के अनुवाद के मुताबिक, बराड़ ने हत्या के पीछे निज्जर द्वारा स्थानीय ड्रग नेटवर्कों को संरक्षण देने को वजह बताया। साथ ही उत्तरी अमेरिका में अवैध ड्रग्स बेचने के लिए किशोरों का इस्तेमाल करने के भी आरोप लगाए। हरदीप सिंह निज्जर की हत्या के बाद भारत और कनाडा के बीच गंभीर राजनयिक विवाद पैदा हो गया था। भारत में कई हत्याओं के मामलों में वांछित गोल्डी बराड़ ने कथित ऑडियो क्लिप में खालिस्तानी चरमपंथी परमजीत सिंह पम्मा से बातचीत के दौरान निज्जर की हत्या की वजह बताई है।

लीक ऑडियो क्लिप में क्या बोला गोल्डी बराड़ : मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, बराड़ ने कथित तौर पर चरमपंथी परमजीत सिंह पम्मा को बताया, ये ऑपरेटर 16 से 17 साल के युवाओं को ड्रग्स बेचने के लिए काम पर रखते थे। इसके बाद युवाओं को ब्लैकमेल कर मुखबिर बनने के लिए मजबूर करते थे। निज्जर अपने प्रभाव को मजबूत करने के लिए ऐसे लोगों का समर्थन और संरक्षण करता था, ताकि जरूरत पड़ने पर उनका इस्तेमाल कर सके। ऑडियो क्लिप के अनुसार उसने आगे कहा, इसीलिए मुझे और मेरी टीम को निज्जर को मारना पड़ा, क्योंकि ये लोग युवाओं का इस्तेमाल ड्रग्स बेचने के लिए कर रहे थे।

निज्जर हत्याकांड से कैसे बिगड़े भारत-कनाडा संबंध : खालिस्तानी आतंकी हरदीप सिंह निज्जर की कनाडा के ब्रिटिश कोलंबिया में अज्ञात हमलावरों ने गोली मारकर हत्या कर दी थी। इसके कुछ सप्ताह बाद कनाडा के तत्कालीन प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो ने आरोप लगाया था कि निज्जर की हत्या में भारत का हाथ हो सकता है। नई दिल्ली ने इस आरोपों को बेतुका बताते हुए सिरे से खारिज कर दिया था। भारत ने कनाडा पर अपनी धरती से खालिस्तान समर्थक तत्वों को गतिविधियां चलाने की अनुमति देने का भी आरोप लगाया था। इन आरोपों के बाद भारत और कनाडा के राजनयिक संबंध बेहद खराब दौर में पहुंच गए थे।

कनाडा को नहीं मिला निज्जर की हत्या को भारत से जोड़ने का सबूत : कनाडा द्वारा भारतीय राजनयिकों को निज्जर हत्याकांड से जोड़ने की कोशिश के बाद नई दिल्ली ने अपने उच्चायुक्त और कई अन्य राजनयिकों को वापस बुला लिया था। कनाडा में लिबरल पार्टी के नेता मार्क कार्नी के संसदीय चुनाव जीतने और ट्रूडो के सत्ता से बाहर होने के बाद दोनों देशों के संबंध धीरे-धीरे सामान्य होने लगे। पिछले महीने कनाडा के जांचकर्ताओं ने कहा था कि उन्हें निज्जर की हत्या को भारत से जोड़ने वाला कोई सबूत नहीं मिला। अमेरिकी संघीय जांच ब्यूरो (एफबीआई) ने पिछले महीने गोल्डी बराड़ की गिरफ्तारी में मदद करने वाली जानकारी देने पर 50 हजार अमेरिकी डॉलर तक के इनाम की घोषणा की थी। एफबीआई ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा था, एफबीआई सतिंदरजीत सिंह की गिरफ्तारी में मदद करने वाली जानकारी के लिए 50 हजार डॉलर तक का इनाम दे रही है। वह लॉरेंस बिश्नोई संगठित अपराध गिरोह में कथित संलिप्तता के लिए वांछित है।

यूएस ने शुरू किया व्यापार युद्ध: पीएम कार्नी का दावा, क्या ट्रेड डील के सहारे कनाडा के पर कतरना चाहते हैं ट्रंप

टोरंटो, एजेंसी। कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी ने अमेरिका के साथ व्यापार वार्ता टूटने के बाद कहा कि उन्होंने खराब व्यापार समझौते के कारण बातचीत से पीछे हटने का फैसला किया। उन्होंने अमेरिका के शुल्क का जवाब देने के लिए समान दर से जवाबी शुल्क लगाने की बात कही। कार्नी ने दावा किया कि अमेरिका ने बातचीत के दौरान ऐसी नई शर्तें रखीं, जो आर्थिक रूप से नुकसानदेह और अनुचित थीं। उन्होंने कहा कि इन शर्तों से कनाडा को मिलने वाला कुल मुनाफा कम हो जाता। उन्होंने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप पर व्यापार युद्ध शुरू करने का आरोप लगाया। कार्नी ने कहा, जब आप पर हमला होता है तो आप युद्ध में होते हैं। हम पर हमला हुआ।

व्यापार समझौते से कनाडा पर कैसे शिकंजा कसता अमेरिका : कनाडाई पीएम ने कहा, हम उनकी पेशकश को स्वीकार नहीं कर सकते और उन्होंने जो मांगा है, वह हम नहीं देंगे। कार्नी ने कहा, अमेरिका ने आखिरी घंटों में दूसरे देशों के साथ व्यापार समझौते करने की हमारी क्षमता को सीमित करने की कोशिश की। आपने मुझे कुछ देर पहले यह कहते हुए सुना कि हमने पिछले एक साल में क्या हासिल किया है- 20 नए समझौते, आर्थिक और सुरक्षा साझेदारी और अपने बाजार तक पहुंच दोगुनी करने की संभावना। हम मुक्त व्यापार में विश्वास करते हैं।

उन्होंने कहा, दुनिया के कई देशों के लिए हम पसंदीदा साझेदार हैं और अमेरिका इसे सीमित करना चाहता था। उसने ऐसी भाषा का प्रस्ताव दिया, जिसके तहत इसे सीमित किया जाना था। यह स्वीकार्य नहीं था।

क्यों टूटा व्यापार समझौता : कार्नी ने कहा, इन शर्तों ने किसी भी समझौते की विश्वसनीयता पर सवाल खड़े कर दिए। संक्षेप में कहें तो उन्होंने बहुत ज्यादा मांगा और बहुत कम पेश किया। इससे भी महत्वपूर्ण बात यह है

कि अमेरिकी मांगों के कुल प्रभाव ने सच्ची आर्थिक साझेदारी के प्रति उसकी प्रतिबद्धता की सीमा को दिखा दिया। कार्नी ने कहा कि इसी वजह से उन्होंने शुक्रवार शाम अमेरिका के साथ व्यापार वार्ता स्थगित कर दी और कनाडा के वार्ताकारों को ओटावा लौटने का निर्देश दिया।

शुक्रवार को वॉशिंगटन में दोनों पड़ोसी देशों के बीच बातचीत टूट गई। इसके बाद अमेरिका के 50 प्रतिशत नए शुल्क लागू होने का रास्ता साफ हो गया। ये शुल्क करीब 20 अरब डॉलर के सामान को प्रभावित करेंगे, जो अमेरिका को कनाडा के कुल निर्यात का करीब 5.5 प्रतिशत है।

ट्रंप ने कही थी क्या बात : ट्रंप ने कहा था कि कार्नी के साथ उनके अच्छे संबंध हैं और इसी वजह से अमेरिका को कनाडा के साथ व्यापार समझौता करने में सक्षम होना चाहिए। हालांकि, कनाडा के प्रधानमंत्री ने कहा कि वॉशिंगटन की शर्तें आखिरकार स्वीकार करने योग्य नहीं थीं। कार्नी ने अमेरिकी शुल्क के जवाब में डॉलर के बदले डॉलर के हिसाब से शुल्क लगाने का वादा किया। उन्होंने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, कनाडा अमेरिकी नए शुल्क का जवाब डॉलर के बदले डॉलर के हिसाब से देगा, ताकि कनाडाई श्रमिकों, किसानों, परिवारों और कारोबारों की रक्षा की जा सके। हम यह कदम इस विश्वास के साथ उठा रहे हैं कि यह कनाडा के हित में है।

8 सितंबर से लागू होंगे शुल्क : कनाडा के नए शुल्क खास तौर पर अमेरिकी स्टील और डेयरी उद्योगों को प्रभावित करेंगे। ये शुल्क 8 सितंबर से लागू होंगे। कार्नी ने कहा कि इसके बारे में विस्तृत जानकारी अगले सप्ताह दी जाएगी। अमेरिकी व्यापार प्रतिनिधि जैमीसन ग्रीर ने शुक्रवार को कहा था कि वॉशिंगटन ने कनाडा से कुछ रियायतों के बदले स्टील, एल्युमीनियम, ऑटोमोबाइल और लकड़ी पर शुल्क में महत्वपूर्ण कटौती की पेशकश की थी।

कनाडा लंबे समय से ट्रंप के ऑटोमोबाइल, स्टील और एल्युमीनियम पर लगाए गए शुल्क से राहत की मांग कर रहा है। इन शुल्कों से कनाडा की अर्थव्यवस्था प्रभावित हुई है, नौकरियों का नुकसान हुआ है और दोनों देशों के बीच लंबे समय से चले आ रहे मजबूत व्यापारिक संबंधों पर दबाव पड़ा है। व्हाइट हाउस ने कनाडा द्वारा शुल्क लगाने के फैसले को अमेरिकी शराब, ऑटोमोबाइल और डेयरी उत्पादों के साथ भेदभावपूर्ण व्यवहार बताया था।

Printed, Published and Owned by SARABJIT MAKAN and Printed by ILEVAN HASMUKHRAI THAKAR Printed at Jay Graphics & Printers, C/15, Vikram Chambers, Ashram Road, Ahmedabad - 380009. and published from F/1 first floor, rajas apartment, near old railway crossing, maninagar east maninagar, Ahmedabad, Gujarat-380008. Editor SARABJIT MAKAN, Mo.: 9638877700, 9662420070.